■ वह नौकरी करने से इन्कार करे या जहन्नुम में जाए... ये उसकी मर्जी - 7

■ भारत में यूपीआई से लेन-देन में 33.5 प्रतिशत की वृद्धि - 10

■ अमेरिका ताइवान को 10 अरब डॉलर के उन्नत हथियार बेचेगा भड़का चीन - 11

■ श्रृंखला जीतने उतरेगा भारत सूर्यकुमार के प्रदर्शन पर होगी निगाह - 12

आज का मौसम
21.0° अधिकतम तापमान
10.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.59
सूर्यास्त 05.20

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर
■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष अमावस्या, विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025, वर्ष 7, अंक 25, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

कर्नाटक में हेटस्पीच पर सात साल की होगी जेल

बेलगावी, एजेंसी

- सरकार ने सख्त नया कानून किया पारित

कर्नाटक विधानसभा ने गुरुवार को हंगामे के बीच नफरत फैलाने वाले भाषण पर रोक से संबंधित एक विधेयक पारित कर दिया। घृणा भाषण और घृणा अपराध (रोकथाम) विधेयक देश का पहला ऐसा कानून है, जिसमें सात साल तक की जेल और एक लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है। इसे भाजपा के विधायकों के हंगामे के बीच पारित कर दिया गया।

मंत्रिमंडल ने इस विधेयक को चार दिसंबर को मंजूरी दी थी और 10 दिसंबर को गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने इसे सदन में पेश किया था। मंत्री ने कहा कि बार-बार अपराध करने की स्थिति में 10 साल की जेल की सजा का प्रावधान घटाकर सात साल कर दिया गया है। विधेयक के अनुसार, ऐसी कोई भी अभिव्यक्ति, जो किसी भी पूर्वाग्रहपूर्ण हित को पूरा करने के लिए जीवित या मृत व्यक्ति, वर्ग या व्यक्तियों या समुदाय के समूह के खिलाफ चोट, शत्रुता या घृणा या दुर्भावना की भावना पैदा करने के इरादे से सार्वजनिक रूप से बोले गए या लिखित शब्दों में या संकेतों द्वारा प्रकाशित या प्रसारित की जाती है, वह घृणास्पद भाषण है।

भड़काऊ नारे कानून को खुली चुनौती, ऐसे कृत्य पर जमानत नहीं

विधि संवाददाता, प्रयागराज/बरेली

- बरेली बवाल प्रकरण में हाईकोर्ट ने सर तन से जुदा नारे को बताया संप्रभुता पर हमला
- बवाल के दौरान मौके से गिरफ्तार आरोपी रिहान की जमानत अर्जी खारिज

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 26 सितंबर को हुए बरेली हिंसा प्रकरण में आरोपी की जमानत अर्जी खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि गुस्ताख-ए-नबी की एक सजा, सर तन से जुदा' जैसे नारे न केवल कानून-व्यवस्था के विरुद्ध हैं, बल्कि भारत की संप्रभुता, अखंडता और संवैधानिक व्यवस्था को सीधी चुनौती देते हैं। यह आचरण गंभीर अपराधों के दायरे में आता है। भड़काऊ नारे कानून को खुली चुनौती देने जैसा है। ऐसे कृत्य पर किसी भी हाल में जमानत नहीं दी जा सकती।

कोर्ट ने कहा कि विवादित नारे का कुरान या किसी प्रामाणिक इस्लामी ग्रंथ में कोई आधार नहीं है, फिर भी कुछ लोग इसके निहितार्थ और

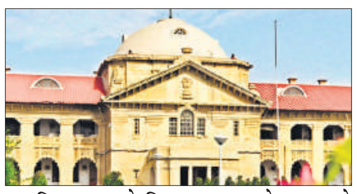

दुष्परिणाम समझे बिना इसका प्रयोग कर रहे हैं। इससे समाज में वैमनस्य फैलता है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकलपीठ ने पुलिस स्टेशन कोतवाली, बरेली में बीएनएस, क्रिमिनल लॉ अमेंडमेंट एक्ट, लोक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज मामले में आरोपी रिहान की जमानत याचिका खारिज करते हुए पारित किया। 26 सितंबर को बीएनएसएस की धारा 163 लागू होने के बावजूद बरेली के बिहारीपुर क्षेत्र में इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा और नेता नदीम खान ने कथित तौर पर भीड़ को इस्लामिया इंटर कॉलेज में इकट्ठा होने के लिए उकसाया था। 500 से अधिक लोगों की एकत्र भीड़ ने सरकार-विरोधी नारे लगाए। इसमें 'सर कलम करने वाला' विवादित नारा भी शामिल था। पुलिस के हस्तक्षेप करने पर भीड़ हिंसक हो गई और उन्होंने कथित तौर पर पुलिस की वर्दी फाड़ दी और पेट्रोल बम फेंक पत्थरबाजी का सहारा लिया।

नारों का उद्देश्य डर या हिंसा फैलाना नहीं

:कोर्ट ने अपनी महत्वपूर्ण टिप्पणी में कहा कि धार्मिक नारों जैसे नारा-ए-तकबीर, जो बोले सो निहाल, जय श्रीराम, हर-हर महादेव का उद्देश्य श्रद्धा व्यक्त करना होता है, न कि डर या हिंसा फैलाना। किसी भी धर्म में ऐसे नारे, जो दूसरे समुदायों को भयभीत करें या कानून के विरुद्ध सजा का आह्वान करें, स्वीकार्य नहीं हैं।

सर तन से जुदा नारा इस्लाम की मूल भावना का अपमान

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पैगम्बर मुहम्मद के जीवन और आचरण में करुणा, सहिष्णुता और क्षमा सर्वोपरि थी, न कि प्रतिशोध। कोर्ट ने ताइफ की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि पैगम्बर मुहम्मद ने अपने साथ दुर्व्यवहार करने वालों के प्रति भी दया और सद्भाव का मार्ग अपनाया, जो स्त्री उनके मार्ग में रोज कचरा फेंकती थी, उन्होंने उस गैर मुस्लिम महिला के प्रति कोई आक्रोश प्रकट नहीं किया, बल्कि जब वह बीमार पड़ी तो वह उससे मिलने गए और उसकी सेवा की, जिससे प्रभावित होकर उसने इस्लाम अपना लिया। कोर्ट ने पैगंबर साहब के इस व्यवहार का उदाहरण देते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति सर तन से जुदा जैसे नारे लगाता है, तो वह न केवल भारतीय कानून को चुनौती देता है, बल्कि स्वयं पैगम्बर मुहम्मद की शिक्षाओं और इस्लाम के मूल सिद्धांतों का भी अपमान करता है।

ब्रीफ न्यूज

सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में तीन माओवादी ढेर

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में गुरुवार को सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ में एक महिला माओवादी समेत तीन माओवादी मारे गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के गोलापल्ली थाना क्षेत्र के जंगल और पहाड़ी में माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर सुकमा जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के दल को माओवादी विरोधी अभियान में रवाना किया गया था। गुरुवार सुबह से सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी जारी है और इस मुठभेड़ में अभी तक एक महिला माओवादी समेत तीन माओवादियों के मारे जाने की सूचना है।

आयुर्वेदिक सिरप बनाने वाली अवैध फैक्टरी सील

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर जिले में प्रशासन ने आयुर्वेदिक सिरप बनाने वाली अवैध फैक्टरी गुरुवार को सील कर दी। अधिकारियों ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर धरमपुरी गांव में आवासीय परिसर में संचालित फैक्टरी पर छापा मारा गया, जहां 30 से अधिक प्रकार के आयुर्वेदिक सिरप बनाए जा रहे थे। सुरेंद्र सिंह नामक व्यक्ति के निर्देशन में संचालित फैक्टरी में इन सिरप की गुणवत्ता जांचने के लिए कोई प्रयोगशाला नहीं थी और संचालक द्वारा सिरप के निर्माण में इस्तेमाल घटकों से जुड़े जरूरी दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं किए जा सके। सिरप की पैकेजिंग पर अलग-अलग कंपनियों के नाम पाए गए।

हंगामे के बीच संसद से 'विकसित भारत- जी राम जी विधेयक' पारित

सदन में शिवराज बोले- कांग्रेस ने बापू के आदर्शों की हत्या की, मोदी सरकार ने उन्हें जिंदा रखा

- कांग्रेस सहित विपक्षी सदस्य विरोध जताते हुए सदन से बहिर्गमन कर
- आसन के समीप हंगामा कर रहे कुछ विपक्षी सदस्यों ने मंत्री के सामने कागज उछाले

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद ने गुरुवार को विपक्ष के विरोध के बीच 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' को पारित कर दिया। ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 'कांग्रेस ने बापू के आदर्शों की हत्या की, जबकि मोदी सरकार ने उन्हें जिंदा रखा है। मनरेगा योजना की जगह नया विधेयक लाने और उसमें से महात्मा गांधी का नाम हटाने को लेकर विपक्ष के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए चौहान ने कहा कि विधेयक के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी की सरकार महात्मा गांधी के आदर्शों को लागू करने और विकसित गांव की बुनियाद पर विकसित भारत बनाने के लक्ष्य की दिशा में काम कर रही है।

राज्यसभा में विधेयक पर छह घंटे से अधिक चर्चा हुई एवं मंत्री चौहान के जवाब के बाद इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। सदन ने इस विधेयक पर विपक्ष के कई सदस्यों द्वारा लाये गये संशोधन प्रस्तावों को नामंजूर कर दिया। विधेयक को लोकसभा ने इसे दिन में मंजूरी दी थी। चर्चा का जवाब देते हुए चौहान ने कहा कि देश में 1960-61 में ग्रामीण जनशक्ति कार्यक्रम बनने से लेकर मनरेगा तक समय-समय पर विभिन्न योजनाएं बनती रही हैं। इनसे उद्देश्य पूरा नहीं होता या थोड़ा ही लक्ष्य पूरा होता है तो नयी योजनाएं लाई जाती हैं। ग्रामीण विकास मंत्री उच्च सदन में जब चर्चा का जवाब दे रहे थे, उस दौरान विपक्ष के सदस्य आसन के समक्ष आकर लगातार नारेबाजी और हंगामा कर रहे थे। सभापति राधाकृष्णन ने नारेबाजी कर रहे सदस्यों को सत्ता पक्ष की दीर्घा की तरफ नहीं जाने के लिए कई बार आगाह किया। बाद में कांग्रेस सहित विपक्षी सदस्य विरोध जताते हुए सदन से बहिर्गमन कर गए। इस बीच विपक्षी दल विधेयक पारित होने के बाद संसद परिसर में संविधान सदन के बाहर धरने पर बैठ गये। वहीं, लोकसभा में चर्चा के दौरान आसन के समीप हंगामा कर कुछ विपक्षी सदस्यों ने कागज फाड़कर मंत्री के सामने उछाले।

मनरेगा की योजनाबद्ध हत्या की जा रही : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि मनरेगा का सिर्फ नाम नहीं बदला जा रहा है, बल्कि इस योजना की 'योजनाबद्ध हत्या' की जा रही है तथा विदेशी धरती पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा महात्मा गांधी की प्रतिमाओं पर फूल चढ़ाया जाना सिर्फ दिखावा है। खरगे ने संसद परिसर में विपक्षी दलों के विरोध प्रदर्शन के बाद यह भी कहा कि मनरेगा का नाम बदलने के सरकार के कदम का कांग्रेस सड़क से संसद तक पुरजोर विरोध करेगी। संसद परिसर में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, खरगे, और कई अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने प्रदर्शन किया। विपक्षी सांसदों ने 'गरीबों का अधिकार वापस दो' और 'तानाशाही नहीं चलेगी' के नारे लगाए।

कांग्रेस पार्टी ने तो गांधी का नाम चुराने का पाप किया : शिवराज

केंद्रीय मंत्री ने कहा, कांग्रेस पार्टी ने तो गांधी का नाम चुराने का पाप किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने सदन में कहा कि यह सरकार सनक में नाम बदल रही है। चौहान ने कहा, हम सनक में नाम नहीं बदल रहे, अपने परिवार के लोगों पर नाम रखने की सनक तो कांग्रेस की है। चौहान ने दावा किया कि कांग्रेस की सरकारों के समय सैकड़ों योजनाओं, इमारतों, उत्सवों, संस्थानों आदि के नाम गांधी परिवार के सदस्यों- जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के नाम पर रखे गए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस महात्मा गांधी का नाम लेकर ढोंग कर रही है और उसने तो देश के बंटवारे के दिन, कश्मीर को विशेष दर्जा दिये जाने के साथ, इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लगाए जाने के दिन ही बापू के आदर्शों की हत्या कर दी थी।

रिटायरमेंट से पहले जजों का ताबड़तोड़ फैसले सुनाना दुर्भाग्यपूर्ण : शीर्ष कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

- ऐसा लगता है कि न्यायाधीश लास्ट ओवर में छक्के मार रहे हैं :सीजेआई
- सेवानिवृत्ति से पहले कई आदेश पारित करने की प्रवृत्ति ठीक नहीं

शीर्ष कोर्ट ने सेवानिवृत्ति से ठीक पहले 'बहुत सारे आदेश' पारित करने की न्यायाधीशों की 'बढ़ती प्रवृत्ति' पर आपत्ति जताई और इसकी तुलना मैच के अंतिम ओवरों में बल्लेबाज द्वारा 'छक्के मारे जाने' से की। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली उच्चतम न्यायालय की एक पीठ मध्य प्रदेश के एक प्रधान और जिला न्यायाधीश की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कुछ संदिग्ध न्यायिक आदेशों के संबंध में उनकी निर्धारित सेवानिवृत्ति से ठीक 10 दिन पहले उन्हें निलंबित करने के उच्च न्यायालय के सामूहिक फैसले को चुनौती दी थी।

न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली भी इस पीठ में शामिल थे। पीठ ने कहा, याचिकाकर्ता ने सेवानिवृत्ति से ठीक पहले छक्के लगाने शुरू कर दिए। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण प्रवृत्ति है। मैं इस पर विस्तार से चर्चा नहीं करना चाहता। सीजेआई ने कहा, सेवानिवृत्ति से ठीक पहले न्यायाधीशों की बहुत सारे आदेश पारित करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। मप्रदे के न्यायिक अधिकारी 30 नवंबर को सेवानिवृत्त होने वाले थे और उन्हें कथित तौर पर उनके द्वारा पारित दो न्यायिक आदेशों के कारण 19 नवंबर को निलंबित कर दिया गया।

सीजेआई ने न्यायिक त्रुटि और कदाचार के बीच अंतर स्पष्ट किया

सीजेआई ने न्यायिक त्रुटि और कदाचार के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए कहा, उन्हें इसके लिए निलंबित नहीं किया जा सकता। लेकिन अगर आदेश स्पष्ट रूप से बेईमानी भरे हों तो क्या होगा? यह भी उल्लेख किया कि 20 नवंबर को उच्चतम न्यायालय ने मध्य प्रदेश सरकार को राज्य में न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु 60 से बढ़ाकर 61 वर्ष करने का निर्देश दिया था।

विपक्ष के हर प्रश्न का देंगे सकारात्मक जवाब : योगी

शीतकालीन सत्र आज से

सर्वदलीय बैठक में उपस्थित मुख्यमंत्री योगी व अन्य।

- सर्वदलीय बैठक में सीएम ने दिया आश्वासन बोले- सुझावों के अनुरूप समाधान निकालने का प्रयास करेगी सरकार
- विधानसभा अध्यक्ष ने सत्र के सुचारु संचालन के लिए सभी दलों से सहयोग का अनुरोध किया

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र से पहले गुरुवार को विधान भवन में हुई सर्वदलीय बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी विपक्षी दलों को आश्वस्त किया कि सरकार सभी चर्चाओं में न केवल भाग लेगी, बल्कि विपक्ष के हर प्रश्न का सकारात्मक जवाब भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सुझावों के अनुरूप समाधान निकालने का प्रयास करेगी। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने शीतकालीन सत्र के सुचारु संचालन के लिए सभी दलों से सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया। इस दौरान सदन की कार्यवाही के निर्बाध संचालन के लिए सभी दलों से सहयोग का आश्वासन मिला।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सभी के सहयोग से ही सदन चलता है। विधानसभा के विगत सत्र में अनेक महत्वपूर्ण मुद्दा पर सकारात्मक चर्चा परिचर्चा हुई। सभी दलों के सहयोग से जनोपयोगी मुद्दों पर तार्किक, तथ्यपरक एवं गुणवत्तापूर्ण चर्चा के माध्यम से जनसमस्याओं का सार्थक समाधान किया जा सकता है। नेता सदन योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सदन जनाकांक्षाओं को रखने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

सत्र में कई मुद्दों पर गरमा सकता है विधानमंडल

लखनऊ। राज्य विधानमंडल का शीतकालीन सत्र शुक्रवार से शुरू होने जा रहा है। सत्र कई मुद्दों पर गरमा सकता है। उप्र. विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 24 दिसंबर तक चलने वाले इस सत्र में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अनुपूरक बजट समेत कई महत्वपूर्ण विधायी प्रस्तावों पर चर्चा बाद मंजूरी दी जाएगी। सदन में प्रदूषण और कोडीनयुक्त कफ सिरप के मुद्दे पर विपक्ष सरकार को कटघरे में भी खड़ा कर सकता है। एसआईआर पर भी हंगामा संभव है।

'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के मूर्तिकार राम सुतार का 100 वर्ष की आयु में निधन

नोएडा/मुंबई। केवड़िया स्थित विशालकाय 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' और संसद परिसर में स्थापित गांधी की प्रतिष्ठित प्रतिमा सहित कई ऐतिहासिक प्रतिमाओं के निर्माता प्रख्यात मूर्तिकार राम सुतार का बुधवार देर रात नोएडा स्थित उनके आवास पर निधन हो गया।

सुतार के पुत्र अनिल सुतार ने बताया कि उनकी आयु 100 वर्ष थी और वह उम्र संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे। मूर्तिकार राम सुतार के निधन पर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित देश की कई प्रमुख हस्तियों ने शोक व्यक्त किया। महाराष्ट्र के धुले जिले में 19 फरवरी, 1925 को एक साधारण परिवार में जन्मे सुतार ने मुंबई के जेजे स्कूल ऑफ आर्ट एंड आर्किटेक्चर में स्वर्ण पदक हासिल किया। 1999 में पद्म श्री और 2016 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

भवाली में खाई में गिरी कार, 3 महिलाओं की मौत

नैनीताल/बरेली, अमृत विचार : बरेली के इज्जतनगर थाना क्षेत्र से कैंची धाम दर्शन के लिए गुरुवार को सुबह कार से निकला परिवार भवाली-अल्मोड़ा मोटर मार्ग पर भीषण हादसे का शिकार हो गया। कार क्रैश बैरियर को तोड़ते हुए खाई में जा गिरी। इसमें तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हो गए। पुलिस घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से चार की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बरेली के निजी अस्पताल में रेफर कर दिया गया है।

- कैंची धाम दर्शन के लिए जाते समय बरेली के लोग हुए हादसे का शिकार

इज्जतनगर क्षेत्र के चावड़ मुड़िया निवासी नौ लोग स्कॉर्पियो वाहन से गुरुवार की सुबह कैंची धाम जा रहे थे। करीब साढ़े नौ बजे निगलाट के पास वाहन अनियंत्रित होकर क्रैश बैरियर तोड़ता हुआ गहरी खाई में जा गिरा। ग्रामीणों के सहयोग से एसडीआरएफ ने सभी घायलों और तीनों महिलाओं के शवों को खाई से बाहर निकालकर सड़क तक पहुंचाया गया। इसके बाद सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। एसडीआरएफ की सब इंस्पेक्टर भावना ने बताया स्कॉर्पियो में नौ लोग सवार थे। हादसे में गंगा देवी (55), बृजेश कुमारी (26) निवासी ग्राम चावण मुड़िया इज्जतनगर और नैंसी गंगवार (24) निवासी एयरफोर्स कॉलोनी की मौत हो गई, जबकि छह लोग ऋषि पटेल (7) उर्फ यूवी, स्वाति (20), अक्षय (20), राहुल पटेल (35) निवासी ग्राम चावण मुड़िया इज्जतनगर, करन उर्फ सोनू (25) और ज्योति (25) निवासी गुजरात घायल हैं। सीओ नैनीताल ने बताया कि प्रथमदृष्टया हादसे का कारण चालक को नींद की झपकी आना माना जा रहा है।

कूटनीति | प्रधानमंत्री बोले- निवेश में नया विश्वास पैदा करने के साथ अवसरों के नए द्वार खोलेगा यह समझौता

भारत-ओमान व्यापार समझौता दोनों देशों को देगा ऊर्जा : मोदी

मस्कट, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत और ओमान के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) द्विपक्षीय संबंधों को नया विश्वास एवं ऊर्जा प्रदान करेगा और दोनों देशों में वृद्धि के अवसर भी पैदा करेगा। प्रधानमंत्री ने यहां आयोजित भारत-ओमान व्यापार शिखर सम्मेलन में यह बात कही।

उन्होंने अपने संबोधन में मांडवी से मस्कट तक दोनों देशों के बीच सदियों पुराने समुद्री व्यापारिक संबंधों का उल्लेख किया जो वर्तमान समय में जीवंत वाणिज्यिक आदान-प्रदान की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के 70 वर्ष पुराने कूटनीतिक संबंध सदियों से निर्मित विश्वास और मित्रता का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में भारत और ओमान ने मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत वस्त्र, कृषि उत्पाद तथा चमड़े के सामान सहित भारत के 98 प्रतिशत निर्यात को ओमान में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। इसे आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) कहा गया है। सीईपीए को भारत-ओमान के साझा भविष्य की रूपरेखा करार देते हुए प्रधानमंत्री ने व्यापार जगत के लोगों से इस समझौते की पूरी क्षमता का लाभ उठाने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा, आज हम एक ऐसा ऐतिहासिक निर्णय ले रहे हैं, जिसकी गूंज आने वाले कई दशकों तक सुनाई देगी। व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) हमारी साझेदारी को 21वीं सदी में नया विश्वास एवं नई ऊर्जा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यह समझौता द्विपक्षीय व्यापार को नई गति देगा, निवेश में नया विश्वास उत्पन्न करेगा और हर क्षेत्र में अवसरों के नए द्वार खोलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 11 वर्षों में भारत की आर्थिक सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि अगली पीढ़ी के सुधारों, नीतिगत स्थिरता, सुशासन एवं निवेशकों के उच्च विश्वास के दम पर देश विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर अग्रसर है। कहा, भारत ने पिछले 11 वर्ष में न केवल नीतियों में बदलाव किया है, बल्कि अपने आर्थिक स्वरूप को भी बदल दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित करते ओमान के सुलतान हैसम।

मोदी को 'ऑर्डर ऑफ ओमान' सम्मान से नवाजा गया

ओमान के सुलतान हैसम बिन तारिक ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के योगदान के लिए गुरुवार को उन्हें विशेष नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ ओमान' से नवाजा। प्रधानमंत्री को ओमान की दो दिवसीय यात्रा के दौरान यह सम्मान दिया गया। तीन देशों के अपने दौरे के दौरान मोदी जॉर्डन और इंडोनेशिया की यात्रा कर चुके हैं। मोदी को इस सम्मान समेत दूसरे देशों में 28 से अधिक उच्चतम नागरिक सम्मान से नवाजा जा चुका है। हाल ही में उन्हें इथियोपिया में और कुवैत में भी सम्मानित किया गया था।

खाद माफिया पर कसेगा शिकंजा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्पष्ट और सख्त निर्देशों के बाद अब खाद एवं कृषि विभाग ने उर्वरक कालाबाजारी के खिलाफ कार्रवाई की ठोस कार्ययोजना तैयार करना शुरू कर दिया है। शासन स्तर पर यह तय किया गया है कि खाद की कालाबाजारी, जमाखोरी और ओवररेटिंग को अब सामान्य या रूटीन अपराध की तरह नहीं देखा जाएगा। इसे सीधे खाद्य सुरक्षा, किसान हित और प्रदेश की अर्थव्यवस्था से जुड़ा गंभीर अपराध

- **उर्वरक कालाबाजारी को सामान्य अपराध नहीं मानने का फैसला एनएसए तक कार्रवाई की बन रही कार्ययोजना**

मानते हुए सख्त कानूनी कदम उठाए जाने की कार्ययोजना तैयार हो रही है।

मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक के बाद विभागों को निर्देश मिले हैं कि कालाबाजारी में लिप्त तत्वों के खिलाफ एफआईआर से लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) तक की कार्रवाई का स्पष्ट खाका तैयार किया जाए। खाद एवं रसद, कृषि और जिला प्रशासन मिलकर यह तय कर रहे हैं कि किन परिस्थितियों में साधारण धाराएं लगेंगी और किन मामलों में एनएसए जैसी कठोर कार्रवाई आवश्यक होगी। प्रदेश के सभी जिलों में डेली स्टॉक रिपोर्टिंग सिस्टम को सख्ती से लागू कराने की योजना है। हर खाद दुकान और गोदाम से रोजाना स्टॉक और बिक्री का विवरण ऑनलाइन लेने के बाद उसकी क्रॉस चेकिंग की जाएगी, ताकि किसी भी जिले या ब्लॉक में संभावित कमी का समय रहते आकलन हो सके। योजना के तहत औचक निरीक्षण को और प्रभावी बनाया जाएगा। निगरानी में चूक करने वाले अफसरों की भी भूमिका तय की जा रही है।

सभी एक्सप्रेस-वे पर 20 से 40 किमी तक घटी गति सीमा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः घने कोहरे और धुंध के मौसम में सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती आशंका को देखते हुए उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने सभी एक्सप्रेस-वे पर कार, जीप और हल्के वाहन वाहनों की अधिकतम गति सीमा 100 किमी में 20 से 40 किमी कटौती कर दी है। इसी तरह बस और मल्टी-एक्सल यात्री वाहन और मालवाहक पर भी गति सीमा घटाई गई है। यह नई व्यवस्था 19 दिसंबर से 15 फरवरी तक प्रभावी रहेगी।

- **यूपीडा का फैसला, 19 दिसंबर से 15 फरवरी तेज रफ्तार पड़ेगी भारी, नियम तोड़ने पर सख्त कार्रवाई के संकेत**

यूपीडा के अनुसार, सर्दियों में दृश्यता कई बार 50 मीटर से भी कम रह जाती है। ऐसे में तेज़ रफ्तार न केवल वाहन चालक के लिए, बल्कि अन्य यात्रियों के लिए भी जानलेवा

अब इस तरह होगी रफ्तार

- कार, जीप और हल्के वाहन (एम-1 श्रेणी) - सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक : 80 किमी/घंटा, रात 8 बजे से सुबह 8 बजे तक : 60 किमी/घंटा
- बस और मल्टी-एक्सल यात्री वाहन (एम-2 व एम-3)- दिन में : 60 किमी/घंटा, रात में : 50 किमी/घंटा
- मालवाहक वाहन - दिन में : 50 किमी/घंटा- रात में : 40 किमी/घंटा

साबित हो सकती है। इसी खतरे को देखते हुए एक्सप्रेस-वे पर चलने वाले सभी श्रेणी के वाहनों के लिए समयवार और वाहन-प्रकार आधारित गति सीमा तय की गई है। यूपीडा ने साफ किया है कि यह गति सीमा अस्थायी लेकिन अनिवार्य है और कोहरे की स्थिति समाप्त होने तक लागू रहेगी। यूपीडा ने एक्सप्रेस-वे पर सरप्राइज पेट्रोलिंग, डेली मॉनिटरिंग और 24x7 एम्बुलेंस तैनाती के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही एक्सप्रेस-वे पर फॉग लाइट्स, रिफ्लेक्टिव बोर्ड, डेलिनेटर और रोड स्टड्स की संख्या बढ़ाई जा रही है, ताकि कम दृश्यता में भी रास्ता स्पष्ट दिखे। अधिकारियों का कहना है कि नियमों का पालन न करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है, क्योंकि यह केवल यातायात नियम नहीं, बल्कि जीवन सुरक्षा से जुड़ा मामला है।

चालकों से अपील बरतें सावधानी

- कोहरे में हाई बीम का प्रयोग न करें।
- वाहन के बीच सुरक्षित दूरी बनाए रखें।
- अचानक ब्रेक लगाने से बचें।
- फॉग लाइट का उपयोग करें।

न्यूज ब्रीफ

स्वच्छता अभियान से अटल को श्रद्धांजलि

अमृत विचार, लखनऊ : भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के शताब्दी वर्ष के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी के निर्देशानुसार 25 दिसंबर को पूरे प्रदेश में विशेष और व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इसके माध्यम से अटल के स्वच्छ, सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। 18 से 22 दिसंबर के बीच जनपद स्तर पर निबंध लेखन, भाषण, चित्रकला और कविता पाठ जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। वहीं 25 दिसंबर को लखनऊ स्थित लोकभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में मुख्य कार्यक्रम आयोजित होगा। संस्कृति विभाग के तत्वावधान में 25 दिसंबर की शाम उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें काव्य पाठ प्रतियोगिता के विजेता कवि अपनी रचनाओं के माध्यम से अटल के कवि व्यक्तित्व को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

ओसैट यूनिट से यूपी बनेगा सेमीकंडक्टर हब

अमृत विचार, लखनऊ : देश के सेमीकंडक्टर मिशन को प्रदेश में नई गति मिलने जा रही है। एचसीएल और फॉक्सकॉन की संयुक्त ओसैट यूनिट लगने जा रही है। इस परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता इसकी प्रति माह 20,000 सिलिकॉन वेफर्स प्रोसेसिंग क्षमता है, जो प्रदेश को सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन में मजबूत स्थान दिलाने के साथ ही भारत की आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम साबित होगी। अधिकारियों के अनुसार, जनवरी के मध्य ग्राउंड ब्रेकिंग सेरिमनी के बाद परियोजना पर तेजी से काम शुरू हो जाएगा। यह यूनिट यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में जेवर एयरपोर्ट के पास स्थापित की जाएगी। करीब 3706 करोड़ रुपये के निवेश से बनने वाली यह इकाई प्रदेश की पहली सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्टिंग सुविधा होगी।

रेपर्टवा फेस्टिवल का उद्घाटन

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि रेपर्टवा जैसे महोत्सव उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता और रचनात्मक प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाते हैं। पर्यटन मंत्री, गुरुवार को राजधानी के जनेश्वर मिश्र पार्क में 'रेपर्टवा फेस्टिवल 2025' के 13वें सीजन का दीप प्रज्ज्वलित कर महोत्सव का उद्घाटन किया। चार दिवसीय रेपर्टवा फेस्टिवल 18 से 21 दिसंबर तक जनेश्वर मिश्र पार्क में आयोजित किया जा रहा है। इसमें स्थानीय कलाकारों के साथ-साथ देशभर की कला प्रतिभाएं अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगी।

संस्कृति में ही निहित राष्ट्र की आत्मा : योगी

भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के शताब्दी महोत्सव में मुख्यमंत्री बोले- संस्कृति से कटते ही राष्ट्र हो जाता है निस्तेज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की आत्मा उसकी संस्कृति में बसती है। यदि राष्ट्र से उसकी संस्कृति को अलग कर दिया जाए तो वह निस्तेज हो जाता है और अपनी पहचान खो देता है। उन्होंने कहा कि कलाकार भी राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम है। सरकार से पूरी मदद आश्वासन देते हुए योगी ने कहा कि कला एक ईश्वरीय गुण है, जिसकी अवमानना नहीं होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी गुरुवार को भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय में शताब्दी महोत्सव के उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जैसे आत्मा के बिना शरीर निष्प्राण हो जाता है, उसी प्रकार संस्कृति से विहीन राष्ट्र खंडहर में बदल जाता है। योगी ने यह शताब्दी समारोह केवल एक संस्थान का उत्सव नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, स्वर, लय और परंपरा की निरंतरता का उत्सव है। उन्होंने कहा कि भारत की कला, संगीत और लय ने विषम परिस्थितियों में भी अपनी पहचान बनाए रखी, यही कारण है कि सनातन संस्कृति आज भी विश्व को दिशा देने में सक्षम है। उन्होंने कलाकार की कला को ईश्वरीय गुण बताते हुए कहा कि इसका सम्मान होना चाहिए और किसी भी विधा से जुड़े कलाकार को प्रोत्साहन दिया जाना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय ने बीते 100 वर्षों में भारतीय संगीत, नृत्य, नाट्य और ललित कलाओं को संरक्षित ही नहीं किया, बल्कि उन्हें आधुनिक शैक्षणिक व्यवस्था से जोड़कर प्रतिष्ठा भी दिलाई। उन्होंने स्पष्ट किया कि एक संस्कृति कर्मी भी राष्ट्र निर्माण में उतना ही योगदान देता है, जितना कोई अन्य क्षेत्र का नागरिक। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के संस्थापक पं. विष्णु नारायण भातखण्डे को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री योगी ने वर्ष 1940 में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा लिखे गए उस पत्र का उल्लेख किया। उन्होंने कुलपति प्रो. माण्डवी सिंह द्वारा तैयार किए गए विश्वविद्यालय के कुलगीत और लोगो 'नादाधीनं जगत्' की भी सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओंकार सृष्टि का पहला स्वर है और नाद योग इसकी वैज्ञानिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पुष्टि करता है। योगी ने कुम्भ 2019 और महाकुम्भ 2025 का उल्लेख करते हुए कहा कि यह मिथक टूट गया है कि युवा अपनी संस्कृति से दूर हो रहे हैं।

लखनऊ : भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष के उद्घाटन समारोह में डाक विभाग के विशेष आवरण का विमोचन करते मुख्यमंत्री योगी, कुलपति प्रो .मांडवी सिंह व अन्य।

कलाकारों को सशक्त मंच दे रही सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार कलाकारों को सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त वातावरण देने के लिए प्रतिबद्ध है। भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय इस दिशा में सरकार का महत्वपूर्ण साझेदार है। उन्होंने विश्वविद्यालय के नए प्रस्तावित परिसर, आधुनिक ऑडिटोरियम, ओपन थिएटर और पुराने परिसर को संग्रहालय के रूप में विकसित करने की योजना की भी जानकारी दी। इस अवसर पर 100 वर्षों की यात्रा पर आधारित कॉफी टेबल बुक 'ए लिगेसी ऑफ एक्सिलेंस', डाक विभाग के विशेष आवरण और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया गया।

भातखंडे विवि की पूर्व छात्रा पद्मश्री मालिनी अवस्थी को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

ये पूर्व छात्र-छात्रा किए गए सम्मानित

डॉ. पूर्णिमा पाण्डेय (कथक), पद्मश्री मालिनी अवस्थी (लोक गायिका), दिलराज कौर (शास्त्रीय गायन), केवल कुमार (संगीत संयोजक)

40.19 लाख नए वोटर मतदाता सूची में जुड़े

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

पंचायत चुनाव

- **नई सूची में जुड़े करीब 15 लाख पहली बार वोट डालने वाले युवा कुल मतदाता बढ़कर हुए 12.69 करोड़**
- **वृहद पुनरीक्षण के बाद 1.41 करोड़ नाम हटे, 23 दिसंबर को प्रारंभिक प्रकाशन : राज्य निर्वाचन आयुक्त**

अमृत विचारः त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव-2026 की तैयारियों के तहत कराए गए मतदाता सूची वृहद पुनरीक्षण-2025 के बाद उत्तर प्रदेश में मतदाताओं की संख्या बढ़ी है। पुनरीक्षण के बाद मतदाता सूची में 40.19 लाख नए वोटर जुड़े हैं, जिससे प्रदेश में कुल मतदाताओं की संख्या बढ़कर 12.69 करोड़ हो गई है। वर्ष 2021 के पंचायत चुनाव में यह संख्या 12.29 करोड़ थी।

राज्य निर्वाचन आयुक्त राज प्रताप सिंह ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में बताया कि नए मतदाताओं में बड़ी हिस्सेदारी युवाओं की है। इनमें लगभग 15 लाख ऐसे मतदाता हैं, जिन्होंने 18 वर्ष की आयु पूरी कर पहली बार मतदाता सूची में जगह बनाई है। उन्होंने बताया कि 18 से 23 वर्ष आयु वर्ग के मतदाताओं की कुल संख्या अब 1.05 करोड़ हो चुकी है, जो पंचायत चुनावों में युवाओं की बढ़ती भागीदारी का संकेत है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने स्पष्ट किया कि पुनरीक्षण के दौरान 1.41 करोड़ नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। इनमें ऐसे मतदाता शामिल हैं, जिनका नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज था, जिनका निधन हो चुका है या जो स्थायी रूप से अन्यत्र स्थानांतरित हो गए हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से की गई है।

उन्होंने बताया कि पुनरीक्षण शुरू करने से पहले वर्ष 2021 की मतदाता सूची में शामिल सभी 12.29 करोड़ मतदाताओं को स्टेट वोटर नंबर (एसवीएन) आवंटित

किया गया। इसके बाद ई-बीएलओ एप और गणना प्रपत्रों के माध्यम से घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन किया गया। जिन मतदाताओं के नाम एक से अधिक बार पाए गए, उन्हें सूची से विलोपित किया गया।

राज प्रताप सिंह ने कहा कि एसवीएन किसी भी मतदाता को जीवन में केवल एक बार ही दिया जाएगा। यदि किसी मतदाता का नाम सूची से हटाया जाता है, तो उसका एसवीएन नंबर फ्रीज कर दिया जाएगा और भविष्य में किसी अन्य को आवंटित नहीं होगा। इससे फर्जी और दोहरे मतदाताओं पर पूरी तरह रोक लगेगी। उन्होंने बताया कि पंचायत चुनाव मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 23 दिसंबर को किया जाएगा। इस अवधि में मतदाता दावे और आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे। सभी आपत्तियों के निस्तारण के बाद 6 फरवरी को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

रोजगार सृजन कर रही खादीः खन्ना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि खादी भारत की स्वतंत्रता, स्वदेश और स्वावलंबन का प्रतीक है। खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के साथ रोजगार सृजन में अहम भूमिका निभा रहा है।

- **उप्र. खादी एवं ग्रामोद्योग की 10 दिवसीय प्रदर्शनी की शुरुआत**

संसदीय कार्यमंत्री गुरुवार को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में 10 दिवसीय खादी महोत्सव-2025 का फीता काटकर उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

स्वदेशी, स्वरोजगार और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में उप्र. खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के तत्वावधान में 18 से 27 दिसंबर तक आयोजित होने वाली मंडल स्तरीय खादी एवं ग्रामोद्योगी प्रदर्शनी-2025 की प्रशंसा की।

खादी प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद चरखे पर हाथ आजमाते मंत्री सुरेश खन्ना।

प्रधानाचार्य समेत तीन पर एफआईआर दर्ज

मदरसा नियुक्ति फर्जीवाड़ा : मृतक आश्रित कोटे में दो बार लॉकडाउन में की गई नियुक्ति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः प्रदेश के बलरामपुर जिले में मदरसा जामिया अनवारूल उलूम, तुलसीपुर में कनिष्ठ सहायक की नियुक्ति को लेकर सामने आया फर्जीवाड़ा अब गंभीर प्रशासनिक लापरवाही और संभावित भ्रष्टाचार की ओर इशारा कर रहा है। लॉकडाउन जैसी आपात अवधि में की गई इस नियुक्ति ने अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की भूमिका पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। 25 मई 2020 को मो. हसन रजा को मदरसा जामिया अनवारूल उलूम में सहायक शिक्षक आलिया के पद पर नियुक्त किया गया। नियुक्ति

विभागीय अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल

मामले में यह भी आरोप है कि एक ही व्यक्ति को दो बार मृतक आश्रित कोटे में नियुक्त किया गया। यह गंभीर अनियमितता तत्कालीन जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी पवन कुमार सिंह और तत्कालीन रजिस्ट्रार मदरसा बोर्ड आरपी सिंह की भूमिका पर सवाल खड़े करती है। हालांकि शासन के पत्रों में विभागीय अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाए गए हैं, लेकिन अब तक उनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

के दौरान प्रस्तुत शपथ पत्रों की प्रामाणिकता पर संदेह हुआ, जिसके बाद पूरे मामले की जांच शुरू हुई।

बलरामपुर के तुलसीपुर थाने में जिला अल्पसंख्यक अधिकारी यशवंत मौर्या ने तहरीर दी। जिसमें बताया कि मो. हसन रजा की नियुक्ति 25 मई 2020 को मदरसा जामिया अनअवारूल उलूम में सहायक शिक्षक आलिया के पद पर हुई। उनके द्वारा जमा किये गये दस्तावेज पूरी तरह से संदेहास्पद दिखे। जिसकी जांच कराई गई। मो. हसन रजा ने दो शपथ पत्र दिये। जिसमें एक को खुद ही फर्जी बताया। जांच में सामने आया कि पहले शपथ पत्र में हसन रजा के पास आवश्यक योग्यता न होने की बात कही गई थी, जबकि बाद में दिए गए दूसरे शपथ पत्र में पहले को फर्जी बताया गया। इस विरोधाभास ने मामले को और संदिग्ध बना दिया। विधि विज्ञान प्रयोगशाला (फोरेंसिक) से कराई गई जांच में यह स्पष्ट हुआ कि विवादित शपथ पत्र पर किए गए हस्ताक्षर मो. हसन रज़ा के वास्तविक हस्ताक्षरों से मेल नहीं खाते। रिपोर्ट के अनुसार, यह फर्जी शपथ पत्र मदरसे के लिपिक अजीज अहमद अंसारी द्वारा अपने हाथ से लिखा गया था। खुलासे के बाद मदरसा प्रधानाचार्य मेराज अहमद, लिपिक अजीज अहमद अंसारी सहित अन्य संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

उपलब्धि

मुख्यमंत्री योगी को उच्चाधिकारियों ने सौंपा विभागवार खाली पदों का ब्योरा

नए वर्ष में युवाओं के लिए 1 .5 लाख सरकारी नौकरियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः प्रदेश के युवाओं के लिए वर्ष 2026 रोजगार के लिहाज से ऐतिहासिक साबित होने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार अगले वर्ष डेढ़ लाख से अधिक सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया शुरू करने जा रही है। इसके साथ ही योगी सरकार के नाम 10 वर्षों में 10 लाख सरकारी नौकरियां देने का रिकॉर्ड दर्ज होने जा रहा है, जो प्रदेश के इतिहास में पहली बार होगा।

- **पुलिस-शिक्षा में सर्वाधिक भर्ती रिकार्ड भर्ती करने वाला देश का पहला राज्य बना यूपी**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में हुई एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में सभी विभागों से रिक्त पदों का अद्यतन और विभागवार ब्यौरा तलब किया है। इसके आधार पर वर्ष 2026 के लिए मेगा भर्ती कैलेंडर तैयार किया जा रहा है। सरकार का फोकस उन विभागों पर है, जहां लंबे समय से पद रिक्त हैं और जिनका सीधा असर कानून-व्यवस्था, शिक्षा और जनसेवाओं पर पड़ता है।

सरकारी तैयारियों के अनुसार, वर्ष 2026 में सबसे अधिक भर्ती पुलिस और शिक्षा विभाग में होगी। दोनों विभागों में करीब 50-50 हजार पदों पर नियुक्तियां प्रस्तावित हैं। पुलिस विभाग में 30 हजार आरक्षी, 5 हजार उप निरीक्षक (एसआई) और 15 हजार अन्य पदों पर भर्ती की जाएगी। वहीं शिक्षा विभाग में सहायक अध्यापक, प्रवक्ता (लेक्चरर) और प्रधानाचार्य जैसे पदों पर बड़े पैमाने पर नियुक्तियां होंगी।

इसके अलावा राजस्व विभाग में करीब 20 हजार पद, जिनमें अधिकांश लेखपाल के होंगे। करीब 8 हजार पदों की भर्ती प्रक्रिया शुरू भी हो गई है। स्वास्थ्य, आवास विकास, कारागार और बाल विकास पुष्टाहार विभाग में मिलाकर 30 हजार से अधिक पदों पर भर्तियां की जाएंगी।

2026 की इस मेगा भर्ती योजना के साथ उत्तर प्रदेश न सिर्फ रोजगार के क्षेत्र में नई मिसाल कायम करेगा, बल्कि देश का पहला राज्य बनेगा, जिसने एक दशक में 10 लाख युवाओं को सरकारी सेवा में अवसर दिया हो।

प्रदेश का युवा हमारी प्राथमिकता है। हर रिक्त पद को भरना सरकार की जिम्मेदारी है। भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी हो, समय पर हो और योग्य युवाओं को अवसर मिले, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

-योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री

भ्रष्टाचार मुक्त भर्ती से बढ़ा युवाओं का भरोसा

पिछले साढ़े आठ वर्षों में योगी सरकार ने साढ़े आठ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी है। भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता, तकनीक आधारित चयन और सख्त निगरानी के चलते पेपर लीक और भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगा है। यही कारण है कि युवाओं का भरोसा भर्ती बोर्डों और सरकार पर लगातार मजबूत हुआ है।

सपा समर्थकों के वोट काटने के दिए जा रहे निर्देश : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी पर निशाना साधते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के जरिए सपा के समर्थकों के वोट कटवाने के लिए अधिकारियों पर दबाव बना रहे हैं। मुख्यमंत्री जहां भी जा रहे हैं, वहां अधिकारियों को कमियां निकालकर सपा समर्थकों के वोट काटने के निर्देश दिए जा रहे हैं।

सपा प्रमुख गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में विधानमंडल दल की बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग की ओर से अभी कोई आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं हुआ है, फिर भी चार करोड़ वोट कटने की बात कही जा रही है। सवाल उठाया कि जब आंकड़े ही नहीं आए तो मुख्यमंत्री को यह जानकारी कैसे हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेता और विधायक निजी कंपनियों के साथ मिलकर हेराफेरी कर रहे हैं।

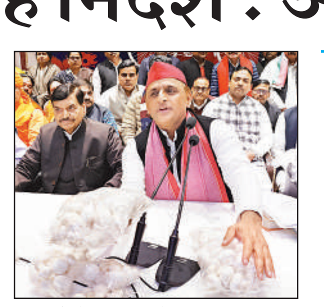

पत्रकारों से संवाद करते सपा प्रमुख अखिलेश यादव, शिवपाल सिंह व अन्य।

सत्र में उठाएंगे जनसमस्याएं

अखिलेश यादव ने कहा कि सपा के विधायक विधानसभा में महंगाई, बेरोजगारी, किसान, खाद संकट और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे। उन्होंने बिहार में महिला डॉक्टर का हिजाब खींचने की घटना को निंदनीय बताया और कहा कि ऐसा व्यवहार किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

हाथरस भगदड़ मामले की अगली सुनवाई एक जनवरी को

हाथरस, एजेंसी : जिले की एक स्थानीय अदालत ने गुरुवार को सूरजपाल उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा की एक धार्मिक सभा के दौरान मची भगदड़ से जुड़े मामले की अगली सुनवाई एक जनवरी के लिए तय कर दी। एक वकील ने यह जानकारी दी। सिकंदराराऊ थाना क्षेत्र के मुगलगढ़ी और फुलराई गांवों के बीच दो जुलाई 2024 को एक सत्संग के दौरान भगदड़ मची थी। भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य लोग घायल हुए थे, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे।

मदरसे में छात्रा से दुष्कर्म, आरोपी मौलाना गिरफ्तार

बहराइच, एजेंसी : जिले स्थित एक मदरसे में 14 वर्षीया एक छात्रा से दुष्कर्म करने और उसे जान से मारने की धमकी देने के आरोप में एक मौलाना के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया गया। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपाधीक्षक पहुप कुमार सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि रूपईडीहा थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली एक महिला ने बुधवार को थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज करायी और आरोप लगाया कि उसकी 14 वर्षीया बेटी गांव के मदरसा दारूलून गुलशने सैयाद मेहबू अशरफ में पढ़ने जाती थी। महिला ने शिकायत में आरोप लगाया कि उसी मदरसे के मौलाना सलमान ने 12 दिसंबर को उसके बेटी को झाड़ू लगाने के लिए अपने कमरे में बुलाया और बच्ची से छेड़छाड़ की और दुष्कर्म किया।

पूर्णागिरि मेला 27 फरवरी से

टनकपुर/चम्पावत, अमृत विचार : डीएम मनीष कुमार की अध्यक्षता में मां पूर्णागिरि मेले को सुरक्षा, सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिला सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मेले से संबंधित सभी व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को समय से तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए गए ।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष मां पूर्णागिरि मेले का शुभारंभ 27 फरवरी (एकादशी) होली से पूर्व किया जाएगा।

राज्य पक्षी की संख्या बढ़कर हुई 98, वन एवं वन्यजीव प्रभाग की ओर से कराई गणना में हुआ खुलासा

पीलीभीत में बाघों के गढ़ में बढ़ा राज्य पक्षी सारस का भी कुनबा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- डीएफओ ने शासन को भेजी रिपोर्ट, शासन के निर्देश पर कराई गई थी सारस गणना

अमृत विचारः जिले में बाघ, तेंदुआ और दूसरे वन्यजीवों के साथ ही राज्य पक्षी सारस का कुनबा भी बढ़ रहा है। शासन के निर्देश पर दो दिन तक चली सारस गणना के बाद वन एवं वन्यजीव प्रभाग ने परिणाम जारी किए हैं। डीएफओ की ओर से जारी गई रिपोर्ट के मुताबिक जनपद के विभिन्न वेटलैंड्स में 98 सारस पाए गए हैं। जिनमें 9 अल्प वयस्क सारस शामिल हैं। इस गणना में राजकीय पक्षी सारस की संख्या में आशाजनक वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे वन महकमें उत्साह हैं।

योगी सरकार द्वारा पूर्व में सारस संरक्षण के लेकर पहल की गई थी। वेटलैंड्स को संरक्षित किया जा रहा है, ताकि इन जलीय जीवों के आवास संरक्षित और सुरक्षित रह सकें। शासन प्रदेश के राजकीय पक्षी सारस की संख्या जानने को वर्ष में दो बार (ग्रीष्मकालीन-शीतकालीन) गणना कराता है। बीते दिनों शासन ने प्रदेश में सारस की संख्या जानने को गणना कराने के निर्देश दिए थे। शासन के निर्देशानुसार वन एवं वन्यजीव प्रभाग में सारस गणना को रेंज अफसरों के नेतृत्वों में टीमें बनाई गई थी। बीते 15 एवं 16 दिसंबर को वन एवं वन्यजीव प्रभाग की पूरनपुर, बीसलपुर और पीलीभीत रेंज में सारस गणना कराई गई थी। डीएफओ भरत कुमार डी के निर्देशन में वन एवं वन्यजीव प्रभाग की तीनों

पीलीभीत में एक स्थान पर विचरण करते सारस पक्षियों के जोड़े। ● अमृत विचार

रेंजों में सारस के वास स्थलों पर गणना का कार्य कराया गया। गणना कार्य के लिए वह समय निर्धारित किया गया, जब सारस अपने वासस्थलों के आसपास मौजूद रहते हैं। वन अफसरों के मुताबिक सारस, नम क्षेत्र वाले खेतों, तालाब, पोखर, नहरों समेत अन्य वेटलैंड्स में रहते हैं। वन एवं वन्यजीव प्रभाग की ओर से इस बार कराई गई सारस गणना के अनुसार पीलीभीत रेंज में 22 सारस पाए गए हैं। इसमें गांव महुआ, कैंच, न्यूरिया हुसैनपुर, घेरा रिछोला, बगब, सियावाड़ी पट्टी, गिधौर, सूरजपुर, टांडा बिजैसी में 2- 2 सारस, सड़िया मुस्तकिल में 3 एवं बरातबोझ में 4 सारस पाए गए हैं। वहीं बीसलपुर रेंज में सर्वाधिक 52 सारस पाए गए हैं। बीसलपुर रेंज के अंतर्गत गांव बहादुरपुर, लमुआ में 3- 3, अर्जुनपुर में 2, सुहास में 4, बरखेड़ा 5, नैनी झील में 9, करेली व बमरौली में 8-0 8 तथा चौसर हरदो पट्टी में 10 सारस पाए गए। इसके अलावा पूरनपुर रेंज में हुई गणना में 21 सारस पाए गए हैं। इस रेंज के अंतर्गत घुंघचिहाई में 10, सकरिया में 02, माधोटांडा में 06 और कलीनगर में 03 सारस पाए गए हैं। इस तरह तीनों रेंजों में हुई सारस गणना में 89 वयस्क और 9 अल्प वयस्क सारस पाए गए हैं।

ग्रीष्मकालीन गणना में मिले थे 95 सारस

वन एवं वन्यजीव प्रभाग की ओर से बीते जून में दो दिवसीय ग्रीष्मकालीन सारस गणना कराई गई थी। डीएफओ भरत कुमार डीके के मुताबिक बीते 23-24 जून को हुई गणना के दौरान कुल 95 सारस मिले थे। इसमें 86 वयस्क एवं 09 अल्पवयस्क सारस मिले थे। ग्राष्मकालीन गणना से अब तक तीन सारसों की बढ़ोत्तरी देखी जा रही है।

> शासन के निर्देशानुसार तीनों रेंजों में शीतकालीन सारस गणना कराई गई थी। ग्रीष्मकालीन गणना की तुलना में इस बार कराई गई गणना में सारस की संख्या में बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। यह प्रभाग के स्वस्थ पर्यावरण और बेहतर संरक्षण व्यवस्था को दर्शाता है।
> – **भरत कुमार डीके**, डीएफओ वन एवं वन्यजीव प्रभाग

यूट्यूबर अनुराग द्विवेदी के घर ईडी का छापा

उन्नाव, अमृत विचार : जिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एक टीम ने यूट्यूबर अनुराग द्विवेदी से जुड़े दो ठिकानों पर छापेमारी की। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

ईडी ने द्विवेदी के पैतृक गांव में उसके घर और नवाबगंज कस्बे में उसके चाचा के घर पर यह कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि ईडी की टीमें बुधवार को अजगैन थानाक्षेत्र के खजूर गांव में द्विवेदी के चाचा नृपेंद्र नाथ द्विवेदी के घर पहुंची और घर पर ताला लगा होने के कारण केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों ने बाहर ही डेरा डाल दिया। पुलिस के मुताबिक, ईडी की टीमों ने देर शाम तक तलाशी ली और घर के अलग-अलग हिस्सों की जांच की। इससे पहले अक्टूबर माह में ईडी ने यूट्यूबर अनुराग द्विवेदी के लखनऊ स्थित आवास पर भी छापेमारी की थी।

दायित्व के निर्वहन से अनुपस्थित शिक्षकों का निलंबन उचित

हाईकोर्ट ने 22 पृष्ठों के आदेश में शिक्षकों के दायित्व पर विस्तृत प्रकाश डाला

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचा : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की अनुपस्थिति से जुड़े मामले में स्पष्ट किया कि यदि शिक्षक समय पर विद्यालय नहीं पहुंचते, तो इससे बच्चों के निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार अधिनियम, 2009 (आरटीई एक्ट) का मूल उद्देश्य ही विफल हो जाता है।

इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने निरीक्षण के दौरान विद्यालय से अनुपस्थित पाए गए प्राथमिक शिक्षकों के निलंबन में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। उक्त आदेश न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की एकलपीठ ने इंद्रा देवी और लीना सिंह चौहान द्वारा दाखिल याचिकाओं का निस्तारण करते हुए कहा कि याचियों के निलंबन का आधार प्रथम दृष्टया उचित

है। दोनों शिक्षिकाएं सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत हैं और निरीक्षण के समय अपने-अपने विद्यालयों में अनुपस्थित पाई गई थीं, जिसके आधार पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, बांदा ने उन्हें निलंबित किया था।

कोर्ट ने 22 पृष्ठों के विस्तृत आदेश में शिक्षकों की भूमिका और सामाजिक दायित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षक ज्ञान के स्तंभ होते हैं और भारतीय संस्कृति में उन्हें 'गुरु' का दर्जा प्राप्त है। ब्रह्माण्ड पुराण और महात्मा गांधी के विचारों का उल्लेख करते हुए कोर्ट ने कहा कि चरित्रहीन शिक्षक उस नमक के समान है जिसमें स्वाद न हो। इसके अलावा कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों अविनाश नागरा बनाम नवोदय विद्यालय समिति और परिमल कुमार बनाम झारखंड राज्य का हवाला देते हुए दोहराया कि शिक्षक का दायित्व केवल पाठ्य शिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों में बौद्धिक और नैतिक मूल्यों का विकास करना भी उसका कर्तव्य है।

कोर्ट ने कहा कि शिक्षक समाज के नैतिक और बौद्धिक ढांचे को आकार देते हैं और उनकी गरिमा में गिरावट के दूरगामी दुष्परिणाम हो सकते हैं। प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की व्यावहारिक स्थिति पर चिंता जताते हुए न्यायालय ने कहा कि यह सर्वविदित तथ्य है कि प्रदेश के अनेक प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षक समय पर नहीं पहुंचते और इससे संबंधित बड़ी संख्या में मामले प्रतिदिन न्यायालय के समक्ष आ रहे हैं।

कोर्ट ने कहा कि शिक्षकों की यह लापरवाही संविधान के अनुच्छेद 21-ए के तहत बच्चों को प्रदत्त मौलिक अधिकार का उल्लंघन करती है।

इन्हीं टिप्पणियों के साथ कोर्ट ने निलंबन आदेशों में हस्तक्षेप से इनकार करते हुए अनुशासनिक प्राधिकारी को निर्देश दिया कि वह याचियों के विरुद्ध लंबित कार्यवाही दो माह के भीतर कानून के अनुसार पूर्ण करें, साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार को तीन माह के भीतर शिक्षकों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए एक ठोस नीति तैयार करने का भी निर्देश दिया।

परोपकार

प्रयागराज में गुरुवार की सुबह घने कोहरे से घिरे संगम में एक व्यक्ति पक्षियों को दाना चुगाते हुए। ● एजेंसी

दही में मिला मरा चूहा, सील किया गया ढाबा

गाजीपुर, एजेंसी : जिले में गाजीपुर-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित एक ढाबे पर दही में मरा हुआ चूहा मिलने के बाद ढाबे को सील कर दिया गया है। अधिकारियों ने गुरुवार को यहां बताया कि गाजीपुर कोतवाली क्षेत्र में गाजीपुर-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित सम्राट ढाबे पर मुहम्मदाबाद तहसील के किसी व्यक्ति ने खाना खाया था और वहां उसने दही में मरा चूहा देखा तथा इसका वीडियो बनाकर उसने सोशल मीडिया पर डाल दिया। उन्होंने बताया कि वीडियो वायरल होने पर इसका संज्ञान लेते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक अपनी टीम सहित ढाबे पर जांच करने पहुंचे और पाया कि वहां रसोई घर व खाद्य सामग्री के रखरखाव में मानकों का ध्यान नहीं रखा गया था तथा चारों ओर गंदगी थी। अधिकारियों के मुताबिक, दही में चूहा पाए जाने की भी जांच की और उसके बाद उन्होंने ढाबे को सील कर दिया। हालांकि गाजीपुर कोतवाली के निरीक्षक महेंद्र सिंह ने बताया कि उनके यहां इस बाबत कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई तथा ढाबे पर जांच की उन्होंने पुष्टि की।

भारतीय संस्कृति में सभी धर्मों और समुदायों के प्रति सम्मान

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को हिमालयन सांस्कृतिक केन्द्र में विश्व अल्पसंख्यक अधिकार दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करने के साथ अल्पसंख्यक समुदाय के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आई मुस्लिम महिलाओं ने उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने पर मुख्यमंत्री धामी का अभिनंदन करते हुए आभार व्यक्त किया। महिलाओं ने कहा कि मुख्यमंत्री धामी एक भाई के रूप में प्रदेश और अल्पसंख्यक समुदाय के लिए कार्य कर रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के लिए सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। कहा कि आज का दिन भारत की एकता और अखंडता के संरक्षण के लिए हमारे मौलिक कर्तव्यों को याद करने का अवसर है। भारतीय संस्कृति में सदियों से समानता और सभी धर्मों तथा समुदायों के प्रति सम्मान की परंपरा रही है। भारत में अनेकों संस्कृतियों, परंपराओं, भाषाओं और खान-पान की विविधता के बावजूद एकता की भावना रही हैं। वसुधैव कुटुम्बकम के महान सिद्धांत को आत्मसात करते हुए भारत ने हमेशा समूची दुनिया को एक परिवार के रूप में माना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास के मंत्र के साथ सभी समुदायों को आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में करतारपुर साहिब कॉरिडोर का निर्माण, लंगर से सभी प्रकार के करों को हटाना, जियो पारसी योजना, बौद्ध सर्किट का विकास, जैन अध्ययन केंद्र की स्थापना, हज यात्रा की प्रक्रिया को डिजिटल और पारदर्शी बनाने एवं तीन तलाक जैसी कुप्रथा का अंत जैसे निर्णय लिए गए हैं।

आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में आजम खां बरी

रामपुर, अमृत विचार : पूर्व सांसद आजम खां को जिला प्रशासनिक अधिकारियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में राहत मिल गई है। गुरुवार को एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट के न्यायिक अधिकारी ने उन्हें दोषमुक्त कर दिया है। गुरुवार को आजम खां वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुए। जिसके बाद सपाइयों ने राहत की सांस ली है।

आप प्रवक्ता फैसल लाला ने दो अप्रैल 2019 को कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें कहा था कि मोहम्मद आजम खां ने 29 मार्च 2019 को सपा कार्यालय में भाषण दिया था। जिसकी वीडियो क्लिप भी पुलिस को दी गई थी। जिसमें आजम खां पर जनता को जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी, एसडीएम सदर तथा सिटी मजिस्ट्रेट के खिलाफ भड़काने का आरोप था। आरोप था कि आजम खां ने चारों अधिकारियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी की है।

जस्टिस मनोज होंगे उत्तराखंड हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस

संवाददाता, नैनीताल/ नई दिल्ली

- सुप्रीम शीर्ष कॉलेजियम की पांच हाईकोर्ट में नए चीफ जस्टिस की सिफारिशें
- कॉलेजियम ने मेघालय, झारखंड सिक्किम और पटना हाईकोर्ट के लिए भी सिफारिश की

अमृत विचारः सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने देश के पांच उच्च न्यायालयों में नए मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए महत्वपूर्ण सिफारिशें की हैं। इस सूची में उत्तराखंड उच्च न्यायालय का नाम भी शामिल है।

प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली कॉलेजियम ने बैठक में यह निर्णय लिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता को वर्तमान मुख्य न्यायाधीश की सेवानिवृत्ति के बाद उत्तराखंड हाईकोर्ट मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की गई है। उत्तराखंड हाईकोर्ट के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी. नरेंद्र आगामी 9 जनवरी 2026 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उनके पद छोड़ने के बाद वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता कार्यभार संभालेंगे।

उत्तराखंड के अलावा, कॉलेजियम ने मेघालय, झारखंड, सिक्किम और पटना हाईकोर्ट के लिए भी नए मुख्य न्यायाधीशों के नामों की सिफारिश की है। अब इन सिफारिशों को अंतिम मंजूरी के लिए केंद्र सरकार के पास भेजा जाएगा, जिसके बाद राष्ट्रपति द्वारा आधिकारिक नियुक्ति की जाएगी।

खीरी में रिश्ते से नाखुश भाई ने होने वाले जीजा को मारी गोली

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार : बहन की शादी तय होने से नाराज भाई ने होने वाले जीजा की गोली मारकर हत्या कर दी और उसका शव पटेलनगर स्थित फन मॉल के पीछे एक खाली मैदान में फेंक गया।

पुलिस दो आरोपियों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है। गुरुवार सुबह टहलने निकले कुछ लोगों ने फन मॉल के पीछे मैदान में एक युवक का खून से लथपथ शव पड़ा देखा तो पुलिस को सूचना दी। सीओ सिटी विवेक तिवारी मौके पर पहुंचे। शव का निरीक्षण करने पर गोली के निशान पाए। मृतक की शिनाख्त कोतवाली पलिया के गांव बेहननपुरवा निवासी अहमद जान उर्फ आशु (23) के रूप में हुई है। सूचना पाकर परिजन भी पहुंच गए। परिजनों ने बताया आशु की शादी शहर के मोहल्ला नौरंगाबाद निवासी एक युवती से तय हुई थी। युवती का भाई लगातार विरोध कर रहा था। परिजनों का आरोप है कि इसी रंजिश में युवती के भाई खुर्शीद ने अपने साथियों के साथ मिलकर आशु की गोली मारकर हत्या कर दी। पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद परिजनों ने बताया आशु मंगलवार को बहन को छोड़ने मोहम्मदी गया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

- दो हत्यारोपियों पर नामजद रिपोर्ट दर्ज, पुलिस जांच में जुटी

घटनास्थल को लेकर संदेह

जिस स्थान पर शव बरामद हुआ है, वहां आसपास घनी आबादी है। ऐसे में स्थानीय लोगों में चर्चा है कि हत्या घटनास्थल पर नहीं बल्कि किसी अन्य स्थान पर की गई और बाद में शव को यहां लाकर फेंक दिया गया। लोगों का कहना है कि यदि मौके पर गोली चली होती तो आवाज जरूर सुनाई देती, लेकिन किसी ने गोली चलने की आवाज नहीं सुनी। पुलिस अब बरामद तीनों मोबाइल फोन को जांच का मुख्य आधार मान रही है।

हरिद्वार में बालक को भिक्षुक होने से बचाया

हरिद्वार, अमृत विचारः हरिद्वार में मानव तस्करी रोधी इकाई (एएचटीयू) ने आठ वर्षीय बालक को लाचारी में भिक्षुक बनने से बचा लिया।दरअसल एएचटीयू टीम रूटीन अभियान के दौरान बुधवार देर रात सुभाष घाट के पास पहुंची तो वहां कड़ाके की ठंड में ठिठुरता और भूख से व्याकुल यह बालक मिला। दिल्ली निवासी इस बालक ने बताया कि 10 दिन पूर्व उसका सौतेला पिता उसे घुमाने के बहाने हरिद्वार लाया था और मोती बाजार के पास खरीदारी का बहाना बनाकर उसे वहीं छोड़कर भाग गया और लौटा नहीं। मासूम ने काफी दिनों तक उसी स्थान पर अपने सौतेले पिता का इंतजार किया, लेकिन भूख, ठंड और बेबसी के कारण उसे भिक्षुकों के साथ बैठकर उनके सहारे मिलने वाले भोजन और कंबलों पर निर्भर होना पड़ा।

रोमांचक दुनिया

आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा अरोरा बनने का क्रम

पृथ्वी के ध्रुवों पर रोमांचक रंग-बिरंगी रोशनी का नजारा

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः भले ही यह सौर चक्र सूर्य की सतह पर भीषण विस्फोटों का रहा हो, लेकिन इसका रोमांचक नजारा पृथ्वी की ध्रुवों पर आकर्षक रंग बिरंगी रोशनी (अरोरा) के रूप में खूब देखने को मिल रहा है। सौर वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले दिनों में भी रंग बिरंगी रोशनियों का दीदार जारी रहेगा।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के पूर्व निदेशक एवं सौर वैज्ञानिक डॉ. वहाबउद्दीन के अनुसार, यह सौर चक्र सूर्य की सतह पर विफोटो के साथ भू चुंबकीय सौर तूफानों से भरा रहा। इस सौर चक्र में सूर्य पर सक्रियता

नॉर्वे के समीप आइसलैंड से ली गई अरोरा की तस्वीर।

पिछले डेढ़ साल पहले शुरू हो गई थी, जो अभी तक जारी है। नवंबर का महीना सर्वाधिक सौर तूफानों के नाम रहा। इस पूरे सौर चक्र में अत्यधिक सक्रियता ने तीन दशकों का रिकॉर्ड तोड़ डाला है। हालांकि इससे पहले सौर चक्र 17 में सौर विस्फोट काफी अधिक रहे थे जो सौर चक्र 21 में भी सक्रिय देखे गए। मगर 22वें सौर चक्र की शुरुआत में हालत बदल गए और सौर सक्रियता संतुलन बिगड़ गया।

जान लीजिए कि, एक सौर चक्र औसतन 11 वर्ष का होता है जिसमें करीब डेढ़ वर्ष सूर्य की सक्रियता यानी विस्फोट के रूप में देखने को मिलती है। जिस कारण सौर तूफान अधिक उठते हैं, जो हमारी पृथ्वी के ध्रुवों तक पहुंचते है। सौर तूफानों से सैटेलाइट, हवाई उड़ानों और इलेक्ट्रिक व इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को खतरा पहुंचता है, लेकिन पृथ्वी के ध्रुवों से सौर तूफानों के टकराने से अरोरा बनते हैं। जिस कारण ध्रुवों पर मनमोहक नजारा देखने को मिलता है, जो इन खूब नजर आ रहे है। डॉ. वहाबउद्दीन का कहना है कि आने वाले दिनों में अरोरा के रंग ध्रुवों पर खूब नजर आने वाले हैं।

चार सन स्पॉट ग्रुप, बड़े विस्फोटों की आशंका

डॉ. वहाबउद्दीन बताते हैं कि अभी सूर्य की सतह पर चार सन स्पॉट ग्रुप बने हुए हैं जिनमें बड़े विस्फोटों की आशंका बनी हुई है जिसके कारण सौर तूफानों के उठने की संभावना रहेगी। इसके चलते ध्रुवों पर अरोरा की रंग-बिरंगी रोशनी नजर आती रहेंगी। उम्मीद है कि कुछ समय बाद इस सौर चक्र के सक्रियता के साथ ही विस्फोटों का दौर भी थम जाएगा। साथ ही, सूर्य अपनी सामान्य अवस्था में नजर आने लगेगा।

श्रद्धांजलि सभा/ब्रह्म भोज

बड़े दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि
हमारे पूज्य पिता जी

श्री रविन्द्रनाथ कुनार

का देहांत 10.12.2025 हो गया उनका
क्षौर कर्म दिनांक 19.12.2025 (शुक्रवार) को
श्रद्धांजलि सभा एवं ब्रह्म भोज दिनांक 20.12.2025 (शनिवार) को
शमशान बंधु, संबंधी एवं अन्य भोज दिनांक 21.12.2025 (रविवार) को
दोपहर 1.00 बजे से
मैत्रायी क्लब, नार्थ ऑफिस पारा, डोरंडा, रांची में
आयोजित किये जायेंगे

श्रद्धावनत

सबीता कुनार (धर्मपत्नी)
पार्थो कुनार - श्वेता कुनार (पुत्र-पुत्रवधु)
अरिंदम कुनार - सुनीति कुनार (पुत्र-पुत्रवधु)
अदित्य कुनार, आयुष कुनार (पौत्र)
एवं समस्त परिवार

+91 9631660415/9897100010/9582209092

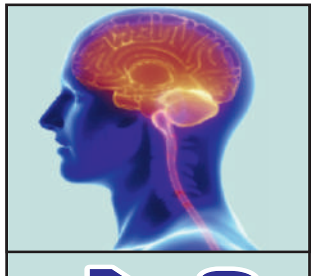

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता
M.Ch.
Neurosurgery
(AIIMS)
Senior
Consultant
Neurosurgeon
मस्तिष्क एवं रीढ़ रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389

सुविधायें
- सिर की चोट का इलाज व आपरेशन
- रीढ़ की हड्डी की चोट का इलाज व आपरेशन
- ब्रेन ट्यूमर, दिमागी की गांठ तथा ब्रेन हेमरेज का आपरेशन
- दूरबीन विधि द्वारा हाइड्रो सिफेलस (दिमाग में पानी भरना) का इलाज व आपरेशन
- सिर दर्द (माइग्रेन) व मिर्गी के दौरे का ईलाज
- दिमाग के फोड़े का इलाज व आपरेशन
- गर्दन (सर्वाइकल) व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिम डिस्क का ईलाज व ऑपरेशन
- रीढ़ की नस का ट्यूमर (स्पाइनल ट्यूमर) का आपरेशन
- बच्चों के पीठ की गांठ का आपरेशन
- अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप द्वारा ईलाज
- रीढ़ की हड्डी व दिमाग की टी.बी. का इलाज व ऑपरेशन
- लकवा तथा पैरालायसिस का इलाज

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाइन सुपर स्पेशलिटी सेन्टर
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
समय : प्रातः 10 12 बजे तक एवं सायं 6 से 8 बजे तक
लकवा के मरीजों के लिए 24 घंटे इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर
7017678157, 8077790358
7417389433, 9897287601

सड़क हादसे में बाइक सवार दो दोस्तों की मौत

देवरनियां में सेमीखेडा-बरौर रोड पर अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

संवाददाता, देवरनियां

अमृत विचार : बाइक से जा रहे दो दोस्तों को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे दोनों गंभीर रुप से घायल हो गए। दोनों की उपचार के दौरान अस्पताल में मौत हो गई है। अज्ञात वाहन का पता नहीं लग सका है ।

जानकारी के अनुसार पीलीभीत के गजरौला निवासी लीलाधर, इज्जतनगर में रेलवे में कर्मचारी हैं। इनके पुत्र सौरभ(22) की देवरनियां के गांव हिस्मा निवासी दिनेश कुमार (18) से दोस्ती थी। सौरभ मंगलवार को दिनेश के पास हिस्मा आया था । देर शाम दोनों एक ही बाइक से सेमीखेडा जा रहे थे । सेमीखेडा-बरौर रोड

मृतक दिनेश ।

मृतक सौरभ।

पर गांव ढकिया के पास किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी । इससे दोनों गंभीर रुप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे परिजन दोनों को बरेली के एक निजी अस्पताल ले गए । जहां बृहस्पतिवार इलाज के दौरान दोपहर में दोनों की मौत हो गई। दोनों की मौत से उनके परिवार में कोहराम मच गया। देवरनियां पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया है।

- **टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश में जुटी पुलिस**

दिनेश कुमार फोटोग्राफी का काम करता था । दिनेश कुमार तीन भाई-बहनों में सबसे छोटा था । कोतवाली प्रभारी ने बताया कि टीम आसपास के सीसीटीवी फुटेज की मदद से अज्ञात वाहन की पहचान करने में लगी है।

फरीदपुर में फतेहगंज पूर्वी थाना क्षेत्र के ग्राम नगरौली निवासी मोहर सिंह (55) को गुरुवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी वह कंजा वाली ज्यारत के पास घायल अवस्था में मिले थे। पुलिस ने जिला अस्पताल भेजा जहां उपचार के दौरान मोहर सिंह ने दम तोड़ दिया ।

जायरीनों ने दरगाह पर चादरपोशी की

सिरौली, अमृत विचार : सिरौली में हज़रत शाह निर्गुन मियां का उर्स का मेला शुरू हो गया है। गुरुवार को भारी संख्या में जायरीन पहुंचे जहां उन्होंने चादरपोशी कर देश में अमन चैन की दुआ मांगी ।

मान्यता है कि सिरौली के हज़रत शाह निर्गुन मियां की दरगाह के आसपास सांप बिच्छू निकलते हैं लेकिन वह किसी को भी नुकसान नहीं पहुंचते हैं। यह मेला हिंदू मुस्लिम एकता का प्रतीक है। मीना बाजार में महिला पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अलावा मेले की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पुलिस चौकी में पुलिस कर्मियों की व्यवस्था रहती है। 20 दिसंबर से दंगल का आगाज होगा। सभासद मुस्तकीम अली ने बताया कि पहले गुरुवार को मेले में अधिक भीड़भाड़ रही। मेला कमेटी वाले मियां, मोहम्मद जकिर,मोहम्मद तौफीक,मोहम्मद फैसल खान,रशीद मियां,अत्तन मियां, शाहिद अली एवं मेला कमेटी के लोगों ने मेले में भीड़ उमड़ने की बात कही है।

प्रशिक्षण को कार्य में उतारें आंगनबाड़ी

भोजीपुरा में साप्ताहिक प्रशिक्षण के बाद आंगनबाड़ियों के साथ मौजूद सीडीओ देवयानी और अन्य अफसर। • अमृत विचार

संवाददाता, भोजीपुरा

अमृत विचार : आंगनबाड़ी के आवासीय प्रशिक्षण का उद्देश्य तभी सफल होगा जब आंगनबाड़ी कार्यकत्री उसे अपने कार्य में उतारें। यह बात मुख्य विकास अधिकारी देवयानी यादव ने कही। वह गुरुवार को ग्राम्य विकास संस्थान भोजीपुरा में आयोजित आंगनबाड़ी के आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने

- **आंगनबाड़ी आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में बोलीं सीडीओ**

आंगनबाड़ियों से कहा कि व्यवहार में भी प्रशिक्षण को उतरें तभी उदेश्य में सफलता मिलेगी। प्रशिक्षण जीवन का महत्वपूर्ण विषय है। सरकार प्रशिक्षण पर धन खर्च कर रही है तो प्रशिक्षणार्थियों को गहनता अध्ययन कर अपने जीवन में उतारना चाहिए। जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार ने कहा प्रशिक्षण में आने वाली सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्री प्रशिक्षण कार्यक्रम में लापरवाही न बरतें। उन्होंने विभागीय योजनाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की। जिला प्रशिक्षण अधिकारी डा सुनील कुमार वर्मा ने प्रशिक्षण की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की।

इस अवसर पर पर संजीव कुमार गंगवार, विकास परियोजना अधिकारी भानुप्रताप सिंह व ट्रेनर यशवंत सक्सेना मौजूद रहे।

राधे नगर में पशुओं के इलाज को लगाया कैंप

बिशारतगंज, अमृत विचार राधे नगर गांव की आवाज अमृत विचार ने सुनी तो अगले ही दिन पशु पालन विभाग की टीम खुरपका और मुंह पका पशुओं के इलाज के लिए पहुंची और उनका उपचार किया। ब्लॉक क्षेत्र के राधे नगर गांव में पशुओं में मुंह पका खुरपका रोग फैलने से पशुपालको की परेशानी बढ़ी हैं।

गुरुवार को विभाग द्वारा गांव में कैंप लगाया गया जहां 20 लोगों के करीब 80 पशुओं को दवा दी गई। इनमें दो बुखार एवं दर्जन भर से ज्यादा मुंह पका और खुरपका के शिकार पशु पाए गए। पशु चिकित्सा अधिकारी मझगवां नरेश शर्मा ने माना कि गांव में वास्तव में खुरपका और मुंहपका की समस्या है।

नाले का लेंटर डाला ऊंचा व्यापारियों ने किया विरोध

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : कस्बे के पुरैना मोहल्ले में नगरपालिका परिषद की ओर से नाले का निर्माण कराया जा रहा है, ताकि नगर का पानी बदायूं रोड की ओर जाने के बजाय ताड़गंज स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तक पहुंचाया जा सके। दो दिन पूर्व ठेकेदार ने नाले के एक हिस्से का निर्माण कर उस पर लेंटर डलवाया था। मगर लेंटर सड़क से करीब एक फुट ऊंचा डालने के कारण नाला सड़क सतह से ऊपर हो गया। इसको लेकर मोहल्लेवासियों और व्यापारियों ने विरोध जताया।

उनका कहना था कि बरसात में सड़क पर पानी भरने की समस्या हो जाएगी और पानी घरों में घुसेगा। सूचना पर नगर पालिका परिषद चेयरमैन सैय्यद आबिद अली मौके पर पहुंचे और नाले की ऊंचाई अधिक पाए जाने पर उन्होंने ठेकेदार को लैंटर तोड़कर नाले की ऊंचाई सड़क तल के बराबर करने के लिए एक फुट नीचे रखने के निर्देश दिए। निर्देश के बाद ठेकेदार ने लैंटर तुड़वाकर सुधार कार्य शुरू कर दिया है। चेयरमैन ने बताया कि ताडगंज मोहल्ले में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण प्रस्तावित है। इसलिए नगर का पानी ताडगंज प्लांटतक ले जाने के लिए नाले का निर्माण हो रहा हैं। लैंटर तोडने और सड़क के बराबर डाला जाएगा।

बेटी को ससुराल बुलाने गई मां को पीटा, चार पर रिपोर्ट

कैंट, अमृत विचार : बदायूं से बेटी को बुलाने उसकी ससुराल आई मां के साथ बेटी के ससुराल वालों ने मारपीट की और मां बेटी को जान से मारने की धमकी देकर घर से भगा दिया। पीड़िता ने कैंट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बदायूं के दातागंज थाना क्षेत्र के गांव गाजीपुर निवासी निशा पुत्री हंसपाल ने बताया कि उसकी मां कमलेश 16 दिसंबर को उसे बुलाने चौबारी थाना कैंट स्थित उसकी ससुराल आई थी। पति अनिल, सास मीना, देवर अरुण तथा जेठ अर्जुन ने महिला को उसकी मां के साथ भेजने से मना कर दिया। और उन लोगों ने मां के साथ गाली गलौज व विरोध करने पर मारपीट शुरू कर दी और घर से बाहर निकाल दिया।

प्रेमी के खिलाफ गवाही देने से पूर्व फंदे पर झूली

भमोरा ,अमृत विचार : दो साल पहले प्रेमी के साथ फरार हुई युवती के परिजनो ने प्रेमी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवा कर युवती की शादी कर दी थी। गुरुवार को प्रेमी के खिलाफ फास्टट्रैक कोर्ट में विवाहिता के बयान होने थे।इसके पहले ही रात में विवाहिता ने फंदा लगाकर जान दे दी।

ग्राम खेड़ा निवासी कालू साहू ने बताया उनकी पुत्री को दो साल पूर्व गांव निवासी ज्ञानी बहला फुसलाकर भगा ले गया था। तब वह नाबालिग थी। पास्को एक्ट में भमौरा थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। इसके बाद उन्होंने बेटी की शादी कादरचौक थाना के लभारी गांव निवासी दिनेश के साथ कर दी। मुकदमे में गवाही के लिए ही बेटी मायके आई थी। गुरुवार को कोर्ट में बयान दर्ज होने थे। लेकिन वह प्रेमी के खिलाफ गवाही नहीं देने की जिद पर अड़ी थी। बुधवार रात बेटी नन्ही ने घर में बने टीनशेड में फंदा लगाकर अपनी जान दे दी।

नन्हीं की मां बसंती ने बताया रात दो बजे आंख खुली तो बेटी चारपाई पर नहीं थी। तलाश करने पर देखा कि वह टीनशेड में फंदे पर लटक रही थी। इसे देखकर घर में कोहराम मच गया। डायल 112 को सूचना कर घटना से अवगत कराया सूचना पर पहुंची थाना पुलिस के साथ फॉरेंसिक टीम व नायब तहसीलदार आंवला रजनीश सक्सेना ने पंचनामा पर शव पीएम को भेजा। नन्ही 6 भाई बहनों में दूसरे नंबर की थी।

Lifelines OF BAREILLY MEDICAL अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO+TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
डा. दीक्षा गंगवार
एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ. (गोल्ड मेडलिस्ट)
(के.जी.एम.यू. लखनऊ)
निःशुल्क परामर्श हेतु संपर्क करें
+91 78952 78992
समय : प्रातः 9 से 10 बजे तक, सायं 4 से 5 बजे तक
पता : स्व. केसर सिंह गंगवार कार्यालय, अशर्फी बैंकट हाल, 100 फुटा रोड, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
- प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) • गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) • गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) • पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 9897838286

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808

सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

न्यूज डायरी

सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम में जुटीं महिलाएं

बिशारतगंज, अमृत विचार : सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिशारतगंज में गुरुवार को सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम मनाया गया। इसमें कार्यक्रम अध्यक्षा श्रीमती उषा सतीजा उपाध्यक्ष भाजपा आंवला व मुख्य अतिथि श्रीमती निधि दुर्गवंशी प्रधानाचार्य अभिनव विद्यालय अतरछेड़ी, मुख्य वक्ता आरती यादव प्रधानाचार्य गंगाराम सरस्वती ज्ञानपीठ सीनियर सेकेंडरी स्कूल ब्लॉक प्रमुख आलमपुर जाफराबाद ने सभी को समाज परिवर्तन का संकल्प दिलाया कार्यक्रम में नगर की प्रमुख माताएं बहने उपस्थित रहीं और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम ने सभी का मन मोहित कर दिया।

महिला सशक्तिकरण और शिक्षा पर दिया जोर

नवाबगंज, अमृत विचार :सेठ दुलीचंद सरस्वती शिशु मंदिर में गुरुवार को महिला सप्तम कार्यक्रम में महिलाओं को शिक्षित करने के साथ-साथ उन्हें सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष प्रेमलता राठौर ने की। मुख्य अतिथि भाजपा महिला मोर्चा की जिला महासचिव डॉ. मीनाक्षी गंगवार ने रानी लक्ष्मीबाई, रानी दुर्गावती, अहिल्याबाई होल्कर, लता मंगेशकर और सुधा मूर्ति जैसी विभूतियों का उदाहरण देते हुए छात्राओं से उनसे प्रेरणा लेने का आह्वान किया। भाजपा की पूर्व जिला अध्यक्ष विमला शुक्ला ने कहा कि समाज के समग्र विकास के लिए महिलाओं का सशक्त होना आवश्यक है। इस मौके पर विद्यालय अध्यक्ष दीपक सूरी, प्रधानाचार्य हरिप्रसाद गंगवार, डॉ. चोखेलाल, देवेश देवल आदि रहे।

विधायक ने निर्धनों को बांटे कंबल

नवाबगंज, अमृत विचार : कड़कती ठंड से राहत पहुंचाने के लिए गुरुवार को ब्लॉक सभागार में कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक डॉ. एमपी आर्य ने दर्जनों निर्धन व असहाय लोगों को कंबल वितरित किए। कार्यक्रम में तहसीलदार दुष्यंत प्रताप सिंह, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि डा. आशुतोष गंगवार, रोहित गंगवार, टी.आर. गंगवार, रघुवीर सिंह वीरे, नितीश उपाध्याय, ग्राम विकास अधिकारी नरेश राठौर सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन बीडीओ महेश चंद शाक्य ने किया।

पालपुर कमालपुर में किया अन्नपूर्णा भवन का उद्घाटन

कैट, अमृत विचार : ब्लॉक क्यारा के ग्राम पंचायत पालपुर कमालपुर में गुरुवार को अन्नपूर्णा भवन (सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान) का लोकार्पण व उद्घाटन किया गया। सामूहिक रूप से बिथरी चैनपुर विधायक डॉ राघवेंद्र शर्मा तथा भाजपा नेता अरविंद चौहान के द्वारा फीता काटकर दुकान का शुभारंभ कर दुकान की चाबी सरकारी दुकानदार रामसेवक को सौंपी गई। ग्राम प्रधान तोताराम राना ने बताया, कि अन्नपूर्णा भवन का निर्माण मनरेगा योजना के तहत किया गया है। इस दौरान बीडीओ क्यारा सुखपाल सिंह, एडीओ पंचायत संजीव कुमार पाराशरी, पंचायत सचिव दीपा सैनी, विक्रम सिंह यादव , वीर बहादुर सिंह लोधी आदि रहे।

भूमि विवाद में चलीं लाठियां, नौ घायल

शेरगढ़,अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव बरीपुरा में जमीनी विवाद के चलते दो पक्षों में जमकर लाठी डंडे चले। जिसमें एक युवती समेत दोनों पक्षों के नौ लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को मेडिकल परीक्षण को भेजा है। थाना क्षेत्र के गांव बरीपुरा निवासी मोहम्मद आरिफ ने बताया कि जमीन को लेकर चचेरे भाइयों से एक साल से विवाद चल रहा है। बृहस्पतिवार को वह लोग घर में घुस आए और लाठी डंडों से हमला कर दिया। जिसमें उनके भाई और पिता समेत पांच लोग घायल हो गए। इसमें

दूसरे पक्ष की एक युवती समेत चार लोग घायल हो गए। सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मामले में दोनों पक्षों की ओर से तहरीर दी गई है। पुलिस ने घायलों को मेडिकल परीक्षण को भेजा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल की मार्कशीट वर्ष 2025 अनुक्रमांक 1250775349 व अन्य दस्तावेज दिनांक 01.12.2025 को कचहरी जाते समय रास्ते में कहीं गिर गये है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिले है। **केतन सैनी पुत्र मुकेश सैनी निवासी मोहल्ला हयातपुरा नि. दुर्गा कालोनी, शाहजहांपुर। मो. 8881340411, 9235526195**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने बड़े पुत्र शाकिर बेग व पुत्रवधू रेहाना व उनके बच्चों लाईवा, शाजिल व इब्राहिम को गलत चाल-चलन व दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल- अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **मुकदद्र बेग पुत्र बहार बेग निवासी 151, रोड नं. 01 रहपुरा चौधरी थाना इज्जतनगर, जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपनी पुत्रवधु गोमती पत्नी स्व. अजय को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगी। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **श्याम किशोर पुत्र मूलचन्द निवासी ग्राम जेठरा थाना खमरिया जिला खीरी।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

NOTICE

I, Vijayalakshmni Kaveri, Mother of Army No. 23101622A Rank SEP Name Bharathi K Presently residing at House No. 4/13, Vill-Javan Kottai, Krishnagiri- Teh. Krishnagiri-Dist Tamil Nadu-State, Pin 635112 have changed my name from Vijayalakshmi to Vijayalakshmi Kaveri as per Aadhar records vide affidavit declaration date 12 Dec. 2025, Advocate and Notary Keshav Ram Tiwari, Shahjahanpur (UP)

NOTICE

I, Kaveri Arunasalam, Father of Army No.23101622A Rank SEP Name Bharathi K presently residing at House No. 4/13, Vill-Javan Kottai, Krishnagiri-Teh. Krishnagiri-Dist, TamilNadu-State, PIN-635112. Have changed my name from Kaveri to Kaveri Arunasalam as per Aadhar records vide affidavit declaration date 12 Dec 2025 Advocate and Notary : Keshav Ram Tiwari, Shahjahanpur (UP)

सूचना

मेरा एक मूल बैनामा जो दिनांक 24.4.2004 जिसका विवरण सब रजिस्टर कार्यालय बरेली पृष्ठ संख्या 99 से 110 तक दस्तावेज संख्या 3411 वर्गमीटर 132 खसरा नंबर 111 मोहनपुर तहसील जिला बरेली जिसको उषा शर्मा पत्नी दिनेश चंद्र शर्मा द्वारा अश्वनी शर्मा पुत्र दिनेश चंद्र शर्मा के हक में निष्पादित किया था उक्त बैनामे की मूल प्रति मुझ से मेरे घर सिविल लाइन्स से कहीं गुम हो गई है। उक्त संपत्ति मैंने अश्वनी शर्मा से क्रय की थी। **सुधीर मेहरोत्रा पुत्र स्वर्गीय श्री राज किशन मेहरा निवासी 179/23 सिविल लाइन्स, बरेली। मो.नं. 9219602961**

सूचना

मेरा एक मूल बैनामा जो दिनांक 31.3.2003 जिसका विवरण सब रजिस्टर कार्यालय बरेली पृष्ठ संख्या 59 से 66 तक खंड 405 क्रम संख्या 1820 वर्गमीटर 132 खसरा नंबर 111 मोहनपुर तहसील जिला बरेली जिसको उषा शर्मा पत्नी दिनेश चंद्र शर्मा द्वारा प्रशांत शर्मा पुत्र दिनेश चंद्र शर्मा के हक में निष्पादित किया था उक्त बैनामे की मूल प्रति मुझ से मेरे घर सुभाष नगर में कहीं गुम हो गई है उक्त संपत्ति मैंने प्रशांत शर्मा से क्रय की थी। **लाल सिंह पुत्र स्वर्गीय दीवान सिंह निवासी 231 किताब बाबू का हाता स्टेट के पास सुभाष नगर, बरेली। मो.नं. 9219602961**

न्यूज ब्रीफ

भुता में मुर्गा लड़ा रहे नौ जुआरी गिरफ्तार

भुता, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव शेखापुर में नदी किनारे आपस में मुर्गों को लड़वा कर रूपये की हार जीत रखकर खेल रहे 9 जुआरी पुलिस ने गिरफ्तार किया। मौके से 20 मोटरसाइकिल, ईको कार सहित अन्य सामान बरामद किया है। ग्राम शेखापुर के जंगल में नदी किनारे बेखौफ होकर मुर्गों को आपस में लड़वा कर पैसों की बाजी लगाकर खेल रहे थे। पुलिस की पूछताछ में जुआरियों ने अपने नाम ,तारिक अली, आजम, चरण सिंह, अफरोज, अजय राठौर, छोटेलाल, अल्तमश, इरफान, मतलूम आदि बताये हैं। अन्य जुआरी भागने में कामयाब रहे।

गांव में बढ़े सर्दी, जुकाम और बुखार के मरीज

शेरगढ़, अमृत विचार : क्षेत्र में घने कोहरे के साथ बढ़ी ठंड ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। बृहस्पतिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सैकड़ों की संख्या में मरीज उपचार को पहुंचे। फार्मासिस्ट प्रमोद कुमार ने बताया कि बृहस्पतिवार को ओपीडी में 199 नए मरीजों का पंजीकरण किया गया जबकि तकरीबन 195 पुराने पर्चों के मरीजों को दवा वितरित की गई। उन्होंने बताया कि इस समय सर्दी जुकाम बुखार खांसी आदि के मरीजों की संख्या में इजाफा है। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार को क्षेत्र के गांवों से पहुंचे 30 लोगों को रेबीज की वैक्सीन लगाई गई।

ऑनलाइन 5 लाख की ठगी, मुकदमा दर्ज

भमोरा, अमृत विचार : इफको टाउनशिप निवासी शिवपाल पुत्र छोटेलाल ने बताया कि 12 दिसंबर को सुबह गैस कंपनी का कर्मचारी बताते हुए फोन आया। केवाईसी करने के लिए लिंक भेजकर उसे डाउनलोड करने को कहा। बताया कि इसी के बाद दो बैंक खाते से 5 लाख रुपये उड़ा लिए गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कांग्रेस नगर अध्यक्ष बने असद जैदी

सैंथल, अमृत विचार : कस्बे के असद जैदी को सैंथल कांग्रेस कमेटी का नगर अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। असद के नगर अध्यक्ष बनने पर कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल रहा। कार्यकर्ताओं ने फूल मालाएं पहनाकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर शारिक हसनैन, वाहिद अली, सैफी, फहीम सलमानी, संजले अंसारी, हुजैफ अली पठान, शोएब अली, सईदुल हसन और शाकिर अली आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हाईवे के ढाबों के सामने सड़क पर वाहन खड़े मिले तो होगी कार्रवाई

फतेहगंज पश्चिमी से मीरगंज तक एसडीएम, सीओ हाईवे ने किया निरीक्षण

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

हाईवे पर ढाबे के पास निरीक्षण करते एसडीएम सीओ हाईवे। ● अमृत विचार

- होटल संचालकों को किया गया जागरूक, यमुना एक्सप्रेस वे पर हादसे के बाद प्रशासन सक्रिय

अमृत विचार: हाईवे पर सुरक्षा इंतजाम चाकचौबंद रखने के मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया है। लखनऊ दिल्ली हाईवे पर फतेहगंज पश्चिमी क्षेत्र में एसडीएम व सीओ हाईवे के नेतृत्व में पुलिस ने हाईवे किनारे होटल और ढाबों के सामने खड़े ट्रकों को हटवाकर ढाबा संचालकों से ट्रकों को सड़क पर न खड़ा करने के निर्देश दिये हैं। अफसरों ने एएनए कट को बंद करने के निर्देश दिये हैं।

यमुना एक्सप्रेस वे पर हुए दुर्घटना के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस अफसरों को हाईवे और एक्सप्रेस वे पर सुरक्षा व्यवस्था इंतजाम चाक चौबंद रखने को आगाह किया। बुधवार को दिये निर्देश के बाद गुरुवार को ही एसडीएम आलोक कुमार, सीओ हाइवे शिवम आशुतोष सिंह के नेतृत्व में फतेहगंज पश्चिमी थाना प्रभारी अभिषेक कुमार और टोल प्लाजा की टीम ने हाईवे संचालकों को जागरूक करने के साथ उन्हें चेतावनी भी दी।

इस दौरान पुलिस ने ढाबों के सामने सड़क पर खड़े ट्रकों को हटवाया। होटल संचालकों को निर्देश दिये कि कोई भी ट्रक कार जीप बस होटल में आए, तो उसे सड़क पर न खड़ा होने दे। कोहरे और ठंड के समय सड़क पर खड़े वाहन दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। झुमका तिराहे से धनेटा फाटक तक पड़ने वाले लगभग 30 ढाबों का निरीक्षण के दौरान ढाबा संचालकों को हिदायत दी कि वे ढाबो के सामने ट्रक को खड़ा न करवाएं। वाहनों को खड़ा कराने के लिए, ढाबा संचालक अपनी पार्किंग बनवाएं। सीओ ने हिदायत दी कि निरीक्षण में किसी ढाबा होटल के सामने ट्रक कार बस खड़ी दिखाई दी तो वाहन के साथ साथ ढाबा संचालक पर भी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान पुलिस टीम से दो ढाबा संचालकों ने पार्किंग बनाने में असमर्थता जताई तो पुलिस ने उन्हें सख्त चेतावनी जारी की है। पुलिस टीम के जाने के बाद टोल प्लाजा के पास होटलों और ढाबों के सामने ट्रक खड़े होने लगे थे। सीओ ने प्रभारी निरीक्षक को हाइवे को अवैध वाहनों से मुक्त कराने का निर्देश दिए हैं।

निरीक्षण में अफसरों ने पाया कि कहीं कहीं साइन बोर्ड की आवश्यकता है उसे पूरा किया जाएगा।अनाधिकृत कट/ दुर्घटना ब्लैक स्पॉट का हाइवे सर्वे किया गया। जहां जो साइन बोर्ड/ टेबल टॉप ब्रेकर/ स्टड्स लगाने के आदेश दिए हैं।

नगर निगम और जीएसटी कार्रवाई से व्यापारियों में रोष

बैठक में मंथन करते व्यापारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : राष्ट्र जागरण उद्योग व्यापार मंडल की कोर कमेटी की बैठक गुरुवार को जनकपुरी में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता तरुण साहनी ने की। इस दौरान व्यापारियों ने नगर निगम और जीएसटी विभाग की कार्रवाई को लेकर मंथन कर विरोध जाहिर किया।

राष्ट्र जागरण उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष राजकुमार राजपूत ने कहा नगर निगम बिना नोटिस और सूचना के व्यापारियों की दुकानें सील कर रहा है, जबकि व्यापारी खुद शहर के विकास में सहयोगी बनना चाह रहे हैं। टैक्स भी ईमानदारी से देता है, जो बिल भेजे जाते हैं इनमें कई त्रुटियां होती हैं। जल्द निगम अधिकारियों के भेंट कर वार्ता की जाएगी। महानगर अध्यक्ष विशाल मेहरोत्रा ने कहा जीएसटी विभाग भी बेवजह नोटिस भेजकर व्यापारियों का उत्पीड़न कर रहा है। इसको लेकर भी व्यापारी जल्द ही जीएसटी विभाग के एडिशनल कमिश्नर से मिलकर अपना पक्ष रखेंगे। वहीं अतिक्रमण अब टैक्स देने वाले व्यापारी को बहुत नुकसान पहुंचा रहा है। रविवार को युवा टीम की घोषणा की जाएगी। बैठक में अनिल पाटिल, रजत अग्रवाल, अमित मिश्रा, प्रखर अग्रवाल, संजीव औतार अग्रवाल, भगवान स्वरूप, सुधीर अग्रवार, गिरीश मक्कड़, प्रीतम सिंह, मयंक कठेरिया, उबैद उर रहमान शम्सी, कन्हैया राजपूत व राजेंद्र राजपूत मौजूद रहे।

फरीदपुर में बाजार से हो रोडवेज बसों का संचालन

फरीदपुर, अमृत विचार: अक्टूबर में रोडवेज बस से महिला के कुचलने के बाद प्रशासन ने रोडवेज बस का बाजार से होकर चल रहा संचालन बंद करा दिया। इससे नगर वासियों को बरेली मुख्यालय तक पहुंचने में परेशानी हो गई। इसका संचालन शुरु कराने को लेकर व्यापार मंडल ने एसडीएम को ज्ञापन भेजा है। उ प्र उद्योग व्यापार मंडल ने एसडीएम मल्लिका नैन को समस्याओं को लेकर भेजे ज्ञापन में कहा कि नगर के मुख्य बाजार से बड़े वाहन अब भी निकल रहे हैं जबकि रोडवेज बसों का संचालन बंद कर दिया गया। बसों का संचालन होने से नगरवासी उससे सुरक्षित मुख्यालय तक पहुंच सकते थे उन्होंने कहा कि नगर में बुध बाजार और अन्य दिनों में प्रशासन चाहे तो बाजार में भीड़ को नियंत्रित कर सकता है। उन्होंने नगर के अंदर से बडे वाहनों का संचालन बंद करने और रोडवेज बसों का संचालन शुरु करने की मांग की है। ज्ञापन भेजने वालों में व्यापार मंडल के अनुज पांडे,महावीर जायसवाल, अनुज शुक्ला,विनोद आदि रहे।

रिद्धिमा में नवोदित कवियों की बही साहित्य सरिता

रिद्धिमा में हुए साहित्य सम्मेलन में मौजूद कवि। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: एसआरएमएस रिद्धिमा में गुरुवार शाम "साहित्य सरिता" के तहत चतुर्थ कवि सम्मेलन आयोजित हुआ।

साहित्य सरिता का आरंभ प्रियांशु त्रिपाठी ने किया। उन्होंने कहा- 'गोकुल बरसाना की कहानी एक तरफ, यमुना जी का शीतल पानी कवि रामू सिंह ने 'ज्ञात रहता है हमें यह, कब गलत, हम कब सही हैं और रहती याद बातें, सुनाया। कवियत्री अनीता मौर्या 'जिस घर में बुजुर्गों का बसेरा नहीं होता, उस घर में खुशियों का सवेरा नहीं होता सुनाकर घर में बुजुर्गों की अहमियत को बताया। विवेक ठाकुर ने देशभक्तों की भुजाओं को झंकृत करने वाला पाठ किया। अभिषेक अनंत ने 'मैं हूं अम्मा के करजवा का टुकड़ा, सुनाकर बेटियों का महत्व बताया। मुकेश मीत ने 'पैरों तले की जमीं, बनाये राखिया राम जी, सुनाया। संचालन कवि रोहित राकेश ने किया।

एक्सीडेंट जोन पर सुरक्षा निरीक्षण

संवाददाता, आंवला

आंवला थाना परिसर में होटल, ढाबा संचालक व व्यापारियों के साथ बैठक करते इंस्पेक्टर

अमृत विचार : सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए इंस्पेक्टर आंवला कुंवर बहादुर सिंह ने गुरुवार को थाना परिसर में होटल, ढाबा और बारातघर संचालकों के साथ बैठक की। उन्होंने संस्थानों के बाहर वाहन खड़ा न करने की चेतावनी दी और कहा कि नियमों का पालन न करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

इंस्पेक्टर ने बताया कि क्षेत्र के विभिन्न एक्सीडेंटल जोन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान दुर्घटनाओं के कारणों की जानकारी लेकर सुधार कार्य शुरू कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि आवश्यकता अनुसार सड़कों पर ब्रेकर लगाए जाएंगे और अन्य यातायात व्यवस्थाएं भी दुरुस्त की जाएंगी। निरीक्षण के दौरान आंवला-बदायूं रोड पर देवीपुल, कनगांव चौराहा, आंवला-भमोरा रोड पर होली फैमिली स्कूल सहित पुरैना रेलवे स्टेशन रोड पर डिवाइडर और तहसील गेट मुख्य रूप से शामिल रहे। इंस्पेक्टर ने बताया कि तेज गति या ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों पर नकेल कसने के लिए थाना स्तर पर दो सीसी टीमों का गठन किया गया है। प्रत्येक टीम में एक दरोगा और पाँच सिपाही शामिल किए गए हैं। इन टीमों के प्रभारी एसआई रामवीर सिंह और राजेश कुमार होंगे।

हाइवे पर वाहनों का चालान कर किया जागरूक

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : क्रिटिकल कॉरिडोर टीम अब हाईवे पर परिवर्तन की कार्रवाई का कार्य करेगी । सीसी टीम ने गुरुवार को हाईवे पर वाहनों के चालान कर लोगों को यातायात के नियमों की जानकारी भी दी । एसएसपी के द्वारा हर थाने पर एक सीसी टीम का गठन किया है । थाना फतेहगंज पूर्वी के सीसी टीम के प्रभारी संगम शर्मा ने बताया की टीम का मुख्य उद्देश्य लोगों को यातायात नियमों की जानकारी देना है । रोड मैपिंग, चेकिंग करना और हेलमेट के प्रति जागरुक करने का कार्य भी टीम द्वारा किया जा रहा है । थाने पर इस टीम में सचिन चौधरी ,आकाश ठाकुर, दीपक चौधरी, शैलेंद्र सिंह को भी शामिल किया गया है ।

नेहरू युवा मंडलों में विवाद शिकायत पर बैठी जांच

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- गाजीपुर से आए उप निदेशक ने दो दिन में बरेली में रहकर की पड़ताल
- उप निदेशक पर कार्यक्रमों में पक्षपात और फर्जीवाड़े का लगाया आरोप

अमृत विचार : केंद्रीय खेल मंत्री को युवा भारत बरेली की उप निदेशक पुष्पा सिंह की कार्यप्रणाली को लेकर नेहरू युवा मंडल समिति फरीदपुर इनायत खां के अध्यक्ष अमन पटेल ने शिकायती पत्र भेजा। शिकायत के बाद गाजीपुर से उप निदेशक कपिल देव बरेली पहुंचे और दो दिनों तक प्रकरण से संबंधित सभी दस्तावेजों की समीक्षा की। जांच के दौरान उन्होंने पुष्पा सिंह से सभी आरोपों पर लिखित स्पष्टीकरण लिया और प्रपत्रों का भौतिक सत्यापन किया। उन्होंने कहा कि पूरी जांच रिपोर्ट मुख्यालय को भेजी जाएगी और मामले में आगे की कार्रवाई वहीं तय करेगी।

अमन पटेल ने पत्र में आरोप लगाया कि उप निदेशक पुष्पा सिंह पंजीकृत युवा मंडलों को किसी भी कार्यक्रम की जानकारी नहीं देतीं और कार्यक्रम केवल अपने पसंदीदा लोगों के माध्यम से संचालित किए जा रहे हैं। आरोप है कि अधिकांश कार्यक्रम दिशा-निर्देशों के विपरीत आयोजित किए गए हैं। इसके अलावा, युवा मंडलों के लिए मिलने वाली सामग्री भी सीधे व्यक्तिगत लोगों में वितरित कर दी गई। आरोप है कि वे अपने गृह जनपद में रहकर बरेली में कार्यक्रम चला रही हैं।

इस मामले पर पुष्पा सिंह ने स्पष्ट किया कि सभी आरोप निराधार हैं। उनका गृह जनपद श्रावस्ती है और वर्ष 2021 में बरेली स्थानांतरण हुआ। उन्होंने कहा कि सभी कार्यक्रम नियमों के अनुसार आयोजित किए जाते हैं। वाट्सएप ग्रुप के माध्यम से इसकी सूचना सभी पंजीकृत युवा मंडलों तक पहुंचाई जाती है।

न्यूज डायरी

महिला उत्पीड़न कानून पर आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

बरेली, अमृत विचार : वलासिक कॉलेज ऑफ लॉ में गुरुवार को राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से यौन अपराध और महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम, 2013 के विषय पर जागरूकता फैलाने के लिए कार्यक्रम का आयोजन हुआ। छात्रा अनन्या शंखधार व स्वाती शर्मा ने कहा कि कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न का मुद्दा केवल कानूनी ही नहीं, बल्कि सामाजिक एवं नैतिक दृष्टि से भी अत्यंत गंभीर है। एनएसएस प्रभारी मोहम्मद हस्सान रजा खान ने कहा सशक्त नारी ही सशक्त समाज की नींव है। सभी छात्र-छात्राओं ने नारी सम्मान एवं नारी सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

मिशन शक्ति के तहत आयोजित किया जागरूकता कार्यक्रम

मीरगंज, अमृत विचार : राजेंद्र प्रसाद डिग्री में 10 से 18 दिसम्बर तक नारी उत्पीड़न रोकथाम सप्ताह का आयोजन जागरूकता और संवेदनशीलता के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा, स्वास्थ्य तथा आत्मसम्मान के प्रति सचेत करना रहा। इस अवसर पर विभिन्न जागरूकता गतिविधियां, विचार-विमर्श एवं मार्गदर्शक संवादों के माध्यम से महिलाओं के विरुद्ध होने वाले उत्पीड़न को रोकने के उपायों पर प्रकाश डाला गया। सप्ताह के अंतर्गत छात्राओं की शिकायतों को सुरक्षित एवं गोपनीय रूप से दर्ज कराने हेतु प्रॉक्टर कार्यालय के बाहर शिकायत पेटी की स्थापना की गई।

जिला अस्पताल में मरीजों को बांटे गर्म कपड़े और कंबल

बरेली, अमृत विचार : भीषण ठंड में सामाजिक संस्था समर्पण एक प्रयास ने जिला अस्पताल परिसर में गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में मरीजों और तीमारदारों को 1100 कंबलों के साथ टोपी, मफलर और मौजों का वितरण किया। मुख्य अतिथि एडीएम फाइनेंस संतोष कुमार सिंह और एएसपी सोनाली मिश्रा ने जरूरतमंदों को कंबल एवं गर्म वस्त्र देकर कार्यक्रम का आरंभ किया। एडीएम फाइनेंस संतोष कुमार सिंह ने कहा कि सेवा और सहयोग से न केवल समाज मजबूत होता है, बल्कि आत्मिक संतोष भी प्राप्त होता है। एएसपी सोनाली मिश्रा ने कहा कि वे अपना जन्मदिन भी समाज के वंचित वर्ग की सहायता कर मनाएंगी।

यूपी बार काउंसिल चुनाव : श्रीश मेहरोत्रा को मिला समर्थन

नवाबगंज, अमृत विचार : बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के सदस्य पद के चुनाव में प्रत्याशी श्रीश मेहरोत्रा उर्फ रम्मी गुरुवार को तहसील परिसर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अधिवक्ताओं से मुलाकात कर समर्थन और मतदान की अपील की। एडवोकेट प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष शिशुपाल सिंह गंगवार, सचिव पुष्पाल सिंह, कोषाध्यक्ष वीरेन्द्र पटेल समेत पूर्व अध्यक्ष हाजी माजिद हुसैन जैदी, सुधाकर लाल रस्तोगी, रविन्द्र पाल सिंह गंगवार, युवा अधिवक्ता राजीव गंगवार, संजीव गंगवार, संतोष कुमारी, आस्था मेहरोत्रा, रघुनंदन सिंह गंगवार, नूरी जैदी, मोहम्मद हारून अंसारी सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने उन्हें पूर्ण समर्थन देने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर के.के. गंगवार, जेबा फातिमा, मयूरी सिंह, डॉ. कमल किशोर, राजेश गुप्ता के अलावा अधिवक्ता प्रिया शंकर, अशर्फी लाल गंगवार, भुवनेश गंगवार, अनिल दिवाकर, नौरोज हसन अंसारी, उमेश गंगवार, विपिन पांडे, शैलेंद्र शर्मा, भीम गंगवार आदि मौजूद रहे।

इस्कॉन ने मनाया संरचना फेस्टिवल

फेस्टिवल में बोलते वक्ता। ● अमृत विचार

बरेली, अमृत विचार: इस्कॉन की ओर से गुरुवार रात पीलीभीत रोड के एक लॉन में संरचना फेस्टिवल का आयोजन हुआ। कार्यक्रम मंदिर के सहयोगी दानदाताओं, समर्थकों एवं शुभचिंतकों के सम्मान एवं आभार प्रकट करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

जिसमें लगभग 600 लोग रहे। मुख्य अतिथि नॉर्थ इंडियन डिवीजन काउंसिल के चेयरमैन एचजी सुन्दर गोपाल रहे। इस्कॉन बरेली के जनरल मैनेजर भीम अर्जुन दास भी उपस्थित रहे। जिन्होंने आयोजन की व्यवस्थाओं एवं संरचना महोत्सव के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इस मौके पर के शिव अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

पड़ोसियों के हमले से महिला का सिर फटा

नवाबगंज, अमृत विचार : थाना नवाबगंज क्षेत्र के ग्राम लाखाखेड़ा तालिब हुसैन में एक महिला के साथ मारपीट की गयी। पीड़िता रेखा देवी का आरोप है कि उसके पड़ोसी सत्यवीर, नेमचंद, ब्रजेश, हितेश व प्रेमवती आए दिन उससे गाली-गलौज करते रहते हैं। पीड़िता के अनुसार 16 दिसंबर की शाम सत्यवीर शराब के नशे में उसके घर में घुस आया और अभद्र गालियां देने लगा। पीड़िता ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी।

मनरेगा : रोजगार सेवकों को प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

भुता, अमृत विचार : विकासखंड भुता में मनरेगा योजना के अंतर्गत उपायुक्त (श्रम रोजगार) मोहम्मद हबीब अंसारी द्वारा ब्लॉक भुता से रोजगार सेवक पप्पू खां , मोहम्मद अकमल, को मनरेगा श्रमिकों की केवाईसी का कार्य समय अनुसार पूरा करने पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है। तथा बिथरी ब्लॉक के पोथीराम मौर्य को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रशासन द्वारा समय अनुसार जल्द से जल्द केवाईसी का कार्य अच्छी तरह से पूर्ण करने पर रोजगार सेवकों को सम्मानित किया जाएगा।

लापरवाही — कड़ाके की ठंड के बीच गोवंशों की सुरक्षा और उनके खानपान की व्यवस्था का अफसरों ने लिया जायजा

ठंड में गोशालाओं का निरीक्षण, मीरगंज में हरा चारा नदारद

- एसडीएम ने किया चिटौली की कान्हा गोशाला का किया निरीक्षण

संवाददाता, बरेली

फतेहगंज पश्चिमी में चिटौली कान्हा गोशाला का निरीक्षण करते मीरगंज एसडीएम।

अमृत विचार : कड़ाके की ठंड के बीच गोवंशों की सुरक्षा और उनके खानपान की व्यवस्था का जायजा लेने के लिए जिले भर में एसडीएम और तहसीलदारों ने गोशालाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर व्यवस्थाओं की परख हुई, जबकि मीरगंज में हरे चारे की कमी और एक गोवंश के बीमार पाए जाने से लापरवाही उजागर हुई, जिस पर अधिकारियों ने आवश्यक निर्देश दिए।

गोशाला में नहीं मिला हरा चारा, एक गोवंश मिला बीमार, मीरगंज : एसडीएम ने कान्हा गोशाला चिटौली का निरीक्षण किया तो उन्हें पशु हरा चारा खाते नहीं मिले। उन्होंने जानकारी तो पता चला कि गोशाला में हरा चारा ही नहीं है। गोशाला में एक गोवंश बीमार मिला। जिसका इलाज होता मिला। गोशाला में मिली कमियों को दूर करने के निर्देश एसडीएम ने दिये। शेष व्यवस्थाएं उन्हें दुरुस्त मिलीं।

नायब तहसीलदार ने आधी रात में किया गौशाला का निरीक्षण, देखा गोवंशों का रखरखाव

कैंट, अमृत विचार : नायब तहसीलदार रात में नगर पंचायत ठिरिया निजावत खां में बुधवार को गौशाला और नगर पंचायत द्वारा की गई अलाव की व्यवस्था को परखने को पहुंचे। उन्होंने गोवंशों के रखरखाव की सुविधा को ठीक बताया लेकिन नगर पंचायत द्वारा अलाव जलाने के इंतजाम नहीं किए गए है। नगर पंचायत द्वारा एक ही इलाके में कई जगह अलाव लगवाए लेकिन अन्य जगहों पर नगर पालिका के अलाव की व्यवस्था संदिग्ध है। उन्होंने कहा कि जांच खत्म नहीं हुई है। यह जारी है। जांच रिपोर्ट एसडीएम सदर को दी जाएगी।

गुरुवार को एसडीएम आलोक कुमार ने नगर पंचायत फतेहगंज पश्चिमी द्वारा संचालित कान्हा गौशाला चिटौली का औचक निरीक्षण किया गया । यहां 85 गोवंश पंजीकृत हैं जबकि मौके पर 100 गोवंश मिले। केयरटेकर ने बतायाकि तीन दिन पहले 15 नए गोवंश आए हैं। इनका अभी जियोटैग नहीं हुआ है। एसडीएम ने इन पशुओं का जियोटैग कर पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिये। साफ-सफाई ठीक मिली बिजली पानी की व्यवस्था उचित मिली।

एडीएम और एसडीएम ने गोशाला देखी

फरीदपुर, अमृत विचार : एडीएम प्रशासन पूर्णिमा सिंह व एसडीएम फरीदपुर मल्लिका नैन द्वारा ग्राम सिमरा केसौपुर व ग्राम पचौमी में गोशाला का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय टीन शेड में अंदर हाईलोजन लाइट लगवाने हेतु मौके पर ग्राम प्रधान को निर्देशित किया। जिससे गोवंशों के लिए टीन शेड में गर्माहट से राहत मिल सके। फरीदपुर नगर में रेन बसेरा का भी निरीक्षण किया गया। शीतलहर भ्रमण के दौरान फरीदपुर नगर में जरूरत मंद लोगों में कम्बल वितरण किए गये।

ठंड मे गोवंशीय पशुओं की देखभाल के निर्देश, क्योलड़िया : एसडीएम ने भदपुरा ब्लॉक के गांव ज्योति जागीर मटकापुर गोशालाओं का जायजा लिया और हरा चारा,दाना, भूसा अलाव की व्यवस्था ठीक करने के निर्देश दिये हैं। गुरुवार को एसडीएम उदित पवार ने पंचायत सचिव सप्लाई इंस्पेक्टर के साथ मीटिंग की और ठंड को देखते हुए गोशाला में गोवंशीय पशुओं की देखभाल और उनके लिए अलाव की व्यवस्था करने को कहा। सप्लाई इंस्पेक्टर सलील भटनागर ने ब्लाक के सभी कोटेदारों से 40:40 बोरे लेकर पशुओं के लिए झूले बनवाने को कहा। एसडीएम ने ज्योतिजागीर मटकापुर की गोशाला के निरीक्षण में भूसा हरा चारा की कमी मिलने पर सचिव को फटकारा । इस दौरान रमा शंकर विशाल दीक्षित, अमित कुमार आर्य, संगीता देवी, विवेक चौधरी, पशु चिकित्सक धर्मेंद्र कुमार उपस्थित रहे ।

पर्यावरण संरक्षण के साथ पॉलीथिन रि-साइक्लिंग की चुनौतियों पर वनमंत्री के साथ की चर्चा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

वनमंत्री संग चर्चा करते भारत तिब्बत सहयोग मंच के ब्रज प्रांत के पदाधिकारी।

अमृत विचार : भारत तिब्बत सहयोग मंच के ब्रज प्रांत अध्यक्ष शैलेंद्र विक्रम ने गुरुवार को वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार से उनके कार्यालय में मुलाकात की और पर्यावरण संरक्षण के साथ पॉलीथिन रि-साइक्लिंग की चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया।

शैलेंद्र विक्रम ने वनमंत्री के समक्ष आम जनता के लिए पॉलीथिन निस्तारण का सरल और प्रभावी समाधान सुझाया। कहा कि यदि आम नागरिक घरों में निकलने वाली पतली पॉलीथिन को इधर-उधर फेंकने के बजाय खाली प्लास्टिक की बोतलों में भरकर कबाड़ में बेचें तो यह रि-इक्लिंग का सबसे आसान माध्यम बन सकता है। इससे न केवल नालियां चोक होने से बचेंगी, बल्कि कचरा बीनने वालों के लिए भी इसे एकत्र करना सुगम होगा। आमजन पॉलीथिन एकत्र करके जलाने का काम करता है तो वायु प्रदूषण को खतरा अत्यधिक होता है। इसलिए प्लास्टिक की बोतलों में पॉलीथिन भरकर उसे ठोस रूप देना चाहिए। वन मंत्री ने इस सुझाव की सराहना करते हुए इसे जन-जागरूकता के माध्यम से समाज में फैलाने पर जोर दिया। भारत तिब्बत सहयोग मंच के युवा विभाग जिलाध्यक्ष अरविंद पाल व मीडिया प्रभारी आशीष बघेल आदि मौजूद रहे।

छोटे गांवों को मिली सौगात, विकास को पांच गुना प्रोत्साहन राशि मिलेगी

पंचायत प्रतिपूर्ति योजना के तहत जिले की 156 ग्राम पंचायतें चयनित

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- पेयजल, स्वच्छता, ओडीएफ प्लस जैसे कार्यों पर खर्च किया जाएगा पैसा

अमृत विचार : राज्य सरकार ने गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल करते हुए डेढ़ हजार से कम आबादी वाली जिले की 156 ग्राम पंचायतों को बड़ी सौगात दी है। स्वयं के संसाधनों से आय अर्जित करने वाली इन पंचायतों को उनकी पिछली वर्ष की आय के मुकाबले पांच गुना प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। पंचायत प्रतिपूर्ति एवं प्रोत्साहन योजना के तहत मिलने वाली यह धनराशि राज्यांश से उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे गांवों में विकास को नई गति मिलेगी।

जिला पंचायत राज अधिकारी कमल किशोर के अनुसार छोटी आबादी वाली ग्राम पंचायतों को मिलने वाला नियमित बजट बेहद सीमित होता है, जो पंचायत सहायक, केयर टेकर के मानदेय और अनुरक्षण जैसे जरूरी खर्चों में ही खत्म हो जाता है। विकास कार्यों के लिए धन का अभाव बना रहता है। इसी समस्या को दूर करने के लिए सरकार ने यह योजना शुरू की है। इसके तहत जनसेवा केंद्र शुल्क, कूड़ा संग्रहण, तालाब पट्टा, दुकानों का किराया, जल शुल्क जैसे माध्यमों से आय अर्जित करने वाली पंचायतों को प्रोत्साहन दिया जाता है।

जिले में चयनित सभी 156 पंचायतों की वार्षिक आय छह से 17 हजार रुपये तक है, जिसे पांच गुना बढ़ाकर विकास में लगाया जा सकेगा। इनमें टॉप फाइव पंचायतों में बिथरी चैनपुर की फरीदापुर इनायता खां, क्यारा की ठिरिया ठकुरान, शेरगढ़ की पिपौली और फतेहगंज पूर्वी की डुंगरापुर, क्यारा की ऐना शामिल हैं।

मानदेय नहीं, केवल विकास कार्यों में खर्च होगा पैसा

डीपीआरओ के अनुसार प्रोत्साहन राशि का उपयोग ग्राम प्रधान या अन्य किसी के मानदेय में खर्च नहीं होगा। यह राशि विकास, अनुरक्षण और पेयजल, स्वच्छता, ओडीएफ प्लस जैसे कार्यों में इस्तेमाल होगी। ओएसआर की निगरानी और पारदर्शिता के लिए विशेष पोर्टल और एप बनाया जाएगा, जो पंचायतों के खातों से लिंक रहेगा। इसकी देखरेख राज्य स्तर से होगी। इस पहल से कम आबादी वाली पंचायतें स्वावलंबी बन सकेंगी। इनकी आय में वृद्धि होगी। सार्वजनिक सेवाओं की गुणवत्ता सुधरेगी।

रुहेलखंड विश्वविद्यालय में 50वीं एथलेटिक्स प्रतियोगिता आज से

प्रेसवार्ता में जानकारी देते क्रीड़ा सचिव प्रो. एस.एस. बेदी। • अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय के 50 वें स्वर्णिम स्थापना वर्ष पर विश्वविद्यालय परिसर में दीनदयाल उपाध्याय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 50 वीं अंतर महाविद्यालयी एथलेटिक्स प्रतियोगिता शुक्रवार से होगी। प्रेसवार्ता में क्रीड़ा सचिव प्रो. एस.एस. बेदी ने बताया कि प्रतियोगिता 21 दिसंबर तक आयोजित होगी। कहा कि इस स्वर्णिम वर्ष में विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने अब तक 50 से अधिक पदक जीतकर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए शुक्रवार को प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। जिसमें 25 लाख रुपये के चेक वितरित किए जाएंगे। इसके अलावा विश्वविद्यालय इस वर्ष से प्रत्येक खेल के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर (कैंप) आयोजित करेगा, जिससे खिलाड़ियों की तैयारी और प्रदर्शन में सुधार हो सके। क्रीड़ा सचिव डॉ. नीरज कुमार ने बताया कि एथलेटिक्स प्रतियोगिता में लगभग 26 टीमों ने प्रविष्टियां दी हैं। इसमें 200 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। डॉ. विजय सिंघल, डॉ. इंद्रप्रीत कौर, डॉ. इरम नईम, रामप्रीत, तपन वर्मा, आदित्य आदि मौजूद रहे।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
लखीमपुर खीरी

पत्रांक 3641 /16ए/ई–टेण्डर–प्रा0खं0/2025–26 दिनांक 05.12.2025

–ई–प्रोक्योरमेण्ट निविदा सूचना–

महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 में ''मार्ग श्रेणी'' हेतु पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	जनपद / खण्ड का नाम	कार्य का नाम	कार्य की लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	ठेकेदार की पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	7	8	9	10
1.	खीरी / प्रा0खं0	गढी इब्राहीमपुर सम्पर्क मार्ग कि0मी0–1 में 1ग3मी0 स्पान के कल्वर्ट का कार्य	32.50	3.25	944.00	02 माह	A, B, C, D,
2.	खीरी / प्रा0खं0	मिन्नापुर सम्पर्क मार्ग कि0मी0–1 में 1ग3मी0 स्पान के कल्वर्ट का कार्य	33.00	3.30	944.00	02 माह	A, B, C, D,
3.	खीरी / प्रा0खं0	रसूलपुर सम्पर्क मार्ग कि0मी0–1 में 1ग3मी0 स्पान के कल्वर्ट का कार्य	32.80	3.28	944.00	02 माह	A, B, C, D,

बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 26.12.2025 से 05.01.2026 तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 05.01.2026 को समय अपराह्न 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 05.01.2026 को अपराह्न 12:30 बजे खोली जायेगी।

UP – 242621 दिनांक: 17/12/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(तरूणेन्दु त्रिपाठी)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,
लखीमपुर खीरी

ता. पेशी 29.12.2025
एफ.सी.जे. फार्म नं. 33 भाग-7
हेतु संदर्शित की सूचना (साधारण प्रारूप)
न्यायालय श्रीमान नायब तहसीलदार
पसगवां महोदय मोहम्मदी खीरी

वाद संख्या 714 सन् 2025 ई. पंकज कुमार बनाम शिव शंकर लाल महेन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव पुत्र शिवशंकर लाल नि. ग्राम महमूदपुर नाजिर पर. पसगवां तह. मोहम्मदी जिला खीरी

चूंकि उपरोक्त नामित ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उक्त आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने लिए 2025 के 12 – 29 दिवस को 10:00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यक रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो और ऐसा करने में असफल रहने उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से चुना जायेगा। व अवधारित किया जायेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर सहित आज 200 के दिवस को निकाली गई।

दिनांक 18.12.25 **न्यायालय नायब तहसीलदार पसगवां, खीरी**

शिक्षा का अधिकार : आवेदन के लिए इस महीने और करना होगा इंतजार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : शिक्षा के अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों में बच्चों के प्रवेश को लेकर आवेदन के लिए अभिभावकों को इस माह इंतजार करना होगा। आरटीई के तहत प्रवेश आवेदन प्रक्रिया 1 दिसंबर से शुरू होनी थी, लेकिन शासन स्तर से पोर्टल का अपडेट किया जा रहा है। जिसकी वजह आवेदन प्रक्रिया में देरी हो रही है।

निजी स्कूलों में बच्चों के दाखिले के सपने संजोये आर्थिक रूप से कमजोर अभिभावक प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। पिछले वर्ष आवेदन प्रक्रिया 1 दिसंबर से शुरू हो गई थी। इस बार अभी आवेदन प्रक्रिया शुरू न होने से कारण कुछ अभिभावक बीएसए कार्यालय पहुंच रहे हैं। कार्यालय की ओर से उन्हें जनवरी में ऑनलाइन प्रक्रिया से आवेदन किए जाने की बात बताई जाती है। जिला समन्वयक आरटीई आशीष ने बताया कि पोर्टल अपडेट होने की वजह से इस माह में आवेदन फार्म नहीं शुरू हुए । उम्मीद है कि जनवरी के पहले सप्ताह से ही प्रवेश प्रक्रिया के आवेदन शुरू हो जाएंगे। जिले में 1635 मान्यता प्राप्त विद्यालय हैं। सभी विद्यालयों में आरटीई के तहत 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित की गई हैं। जिसके लिए जिले में आरटीई तहत 14003 सीटों के लिए आवेदन लिए जाएंगे। ज्यादादतर अभिभावक कॉन्वेंट स्कूलों में बच्चों को पढ़ाना चाहते हैं, जिसकी वजह से उनका ध्यान हिंदी मीडियम के मान्यता प्राप्त विद्यालयों की ओर नहीं जाता है। जिसकी वजह से इन विद्यालयों में सीटें खाली रह जाती हैं।

बालसभा में प्रमाण पत्र संग मौजूद छात्र। • अमृत विचार

बालसभा में बच्चों को पढ़ाया गया संस्कारों का पाठ

बरेली, अमृत विचार : पुष्पा देवी मदनलाल इंटर कॉलेज की बालसभा में बच्चों को संस्कारों का पाठ पढ़ाया गया। उन्हें बताया गया कि संस्कार हमें जीवन के प्रारंभ से मिलते हैं। अच्छे विचार ही आगे चलकर हमारे संस्कारों में परिवर्तित हो जाते हैं। फिर वे हमारे भावी जीवन का आधार बनते हैं। श्री राम का जीवन इसीलिए महान बन सका, क्योंकि उन्हें अपने परिजनों और गुरुजनों से श्रेष्ठ मार्गदर्शन, संरक्षण, शिक्षण और सत्संग मिला। बाल रामायण के रचयिता डॉ दीपंकर गुप्त ने प्रधानाचार्य विजय कुमार और शिक्षकों में आदित्य कुमार, विपिन शर्मा, पीयूष वर्मा एवं सहायक अध्यापिका उमा देवी को श्री राम पटका पहनाकर और बाल रामायण की प्रतियां भेंटकर सम्मानित किया। सनातन संस्कृति ज्ञान प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को भी प्रमाण पत्र एवं बाल रामायण की प्रतियां प्रदान की गईं।

अन्नू और अनामिका ने छलांग लगाकर सभी को पछाड़ा

फरीदपुर, अमृत विचार : फ्यूचर कॉलेज फरीदपुर के प्रांगण में गुरुवार को ब्लॉक स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का उद्घाटन खंड शिक्षा अधिकारी एवं फ्यूचर कॉलेज के अध्यक्ष मुकेश गुप्ता ने किया। प्रतियोगिता में ब्लॉक फरीदपुर के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में 100 मीटर की दौड़ में पचौमी प्राथमिक विद्यालय के विवेक तथा लोंगपुर विद्यालय की मोनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी दौड़ में नवादा स्कूल के अनमोल तथा नगरिया कला की सुमन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर की दौड़ में नगरिया विक्रम के सूरज तथा नगरिया कला की अनुराधा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर की दौड़ में नगरीय विक्रम के आशुतोष तथा डंडरूआ विद्यालय की सोनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 600 मीटर की दौड़ में लोंगपुर के आकाश तथा नगरिया कला की अनुराधा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद में नगरिया विक्रम के सूरज तथा नवादा बिलसंडी की हिमांशी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ऊंची कूद में नगरिया विक्रम के अन्नू तथा नवादा बिलसंडी की अनामिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। गोला फेक में नगरिया विक्रम के सूरज राठौर तथा नवादा बिलसंडी की हिमांशी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को बीईओ शीशपाल सिंह ने पुरस्कृत किया।

कार्यालय ग्राम पंचायत मनहेरा वि.खं.बिथरी चैनपुर, बरेली

निविदा सूचना

अधिकृत फर्मों को सूचित किया जाता है कि विकास खंड बिथरी चैनपुर की ग्राम पंचायत मनहेरा मे मनरेगा कार्ययोजना/ ग्राम निधि के अनुसार वर्ष 2025-26 मे प्राप्त धनराशि से 1- मोर सिंह के घर से नन्हे के घर तक सी सी व नाली निर्माण कार्य। 2- नत्थू के घर से गुड्डू के घर तक सी सी व नाली निर्माण कार्य। 3-बुद्धसेन के घर से शब्बीर अहमद के घर तक सी सी व नाली निर्माण कार्य। 4-रामेश्वर के घर से मुन्ने के घर तक सी सी व नाली निर्माण कार्य जिसके लिय ,सीमेंट, बजरफुट रेता , ईट एव अन्य अनुमन्य वस्तुओ की पूर्ति हेतु सीलबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। नियम व शर्ते किसी भी दिवस मे ग्राम पंचायत कार्यालय पर देखी जा सकती है।

सचिव - मोरपाल प्रधान- मंजूर अहमद

कार्यालय ग्राम पंचायत रजपुरी नवादा, वि.खं. बिथरी चैनपुर, बरेली

निविदा सूचना

सभी अधिकृत फर्मो व विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत रजपुरी नवादा वि. खं. बिथरी चैनपुर में ग्राम निधि, राज्य वित्त व केन्द्रीय वित्त/SBM व OSR से वित्तीय वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत निम्न विवरण के अनुसार उच्च कोटि की ईट, सीमेन्ट, बजरफुट, बजरी, ईट की रोड़ी आदि सामग्री की सीलबंद निविदाएं दिनांक 24.12.2025 को दोपहर 12 बजे तक पंचायत कार्यालय में डाली जा सकती है। मोहरबंद निविदांए निविदादाता व उसके प्रतिनिधि के समक्ष दिनांक 24.12.2025 को सार्वजनिक रूप से ग्राम पंचायत सचिव की अध्यक्षता में दोपहर 2 बजे खोली जायेगी। कराये जाने वाले कार्यो का विवरण इस प्रकार है :-

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	अमलोनीपुर में सत्यपाल के घर से रामवीर के घर तक नाला मरम्मत कार्य	2,35,000
2.	अमलोनीपुर में राम औतार के घर से झब्बू सिंह के घर तक इण्टर लॉक व नाली निर्माण कार्य	4,85,000
3.	अमलोनीपुर में वेदपाल के घर से वीरपाल के घर तक नाली निर्माण	2 लाख
4.	बढैपुरा में कश्यप गली में इण्टरलॉक/सीसी व नाली निर्माण कार्य	2 लाख
5.	अमलोनीपुर में सत्यपाल के घर से रामसहाय के घर तक नाली निर्माण कार्य	2.25000

किसी भी/समस्त निविदाओं को स्वीकार करने एवं निरस्त करने का अधिकार सचिव, ग्राम पंचायत को निहित होगा। निविदा से सम्बन्धित कोई भी विवाद मा. न्यायालय जनपद बरेली में ही मान्य होगा।

माया देवी-ग्राम प्रधान सचिव-चन्द्रभान सिंह

कार्यालय नगर पंचायत कॉंट, जनपद - शाहजहॉंपुर

पत्रांक:-96/न.पं.कॉंट/नि.का./2025-26 **निविदा सूचना** दिनांक 18.12.2025

समस्त ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत कॉंट, जनपद-शाहजहांपुर में वित्तीय वर्ष 2023-2024 में सीवरेज एवं जल निकासी योजना के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से कराये जाने वाले सिविल निर्माण कार्य हेतु दिनांक 08.01.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे तक सीलबन्द निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों की बिक्री दिनांक 07.01.2026 को सायं 05:00 बजे तक किसी भी कार्यालय दिवस में निर्धारित निविदा शुल्क जमा करके क्रय किये जा सकते है। धनराशि मु. 5.00 लाख रुपये से अधिक की निविदा दिनांक 09.01.2026 को प्रात: 11:00 बजे अपर जिलाधिकारी कार्यालय में खोली जायगी। शेष निविदाये दिनांक 09.01.2026 को अपरान्ह 03:30 बजे नगर पंचायत कांट कार्यालय में खोली जायगी। आगणन व अन्य नियम एवं शर्ते कार्यालय में किसी कार्य दिवस में देखे जा सकते है। उक्त तिथियों में अवकाश होने की स्थिति में अगले कार्य दिवस की तिथि मान्य होगी।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित/आगणन राशि	धरोहर धनराशि 2%	निविदा मूल्य जिसमें जी.एस.टी. मूल्य 18 प्रतिशत सम्मिलित है	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	मो. केलेवाली चौपाल में अहमद दराज के मकान से वली दराज के मकान तक नाला का निर्माण कार्य।	4,91,109.40	9830.00	481+87=568	दो माह
2.	मो. केलेवाली चौपाल में रेहाना के मकान से हाजी कवि दराज के मकान तक नाला का निर्माण कार्य।	4,17,603.14	8360.00	418+75=493	दो माह
3.	मो. तकिया में छुट्टन के मकान से मोवीन के मकान तक नाला का निर्माण कार्य।	4,20,615.65	8420.00	421+76=497	दो माह
4.	मो. तकिया में सत्तार के मकान से साजिद के मकान तक नाला का निर्माण कार्य।	4,20,545.80	8420.00	421+76=497	दो माह
5.	मो. तकिया में कमरुल के मकान से वब्ले के मकान तक नाला का निर्माण कार्य।	4,17,603.14	8360.00	418+75=493	दो माह
6.	मो. तकिया में लल्ला के मकान से अजीम के मकान तक नाला का निर्माण कार्य।	4,20,615.65	8420.00	421+76=497	दो माह
7.	मो. तकिया में पप्पू आढ़ती के मकान से जाहिदा के मकान तक नाला का निर्माण कार्य।	4,19,109.40	8385.00	419+75=494	दो माह
8.	मो. तकिया में गुडडू खां के मकान से लल्ला खां के मकान तक नाला का निर्माण कार्य।	4,20,615.65	8420.00	421+76=497	दो माह
9.	मो. तकिया में नूर अहमद के मकान से चॉंद मियॉं के मकान तक नाला का निर्माण कार्य।	4,20,615.65	8420.00	421+76=497	दो माह
10.	मो. तकिया में नाजिर अली मार्केट के कोने से होते हुए बाबू के मकान तक नाला का निर्माण कार्य।	4,19,109.40	8385.00	419+75=494	दो माह
11.	मो. तकिया में लल्लू हाजी जी के मकान से तंजीम के मकान तक नाला का निर्माण कार्य।	4,17,603.14	8360.00	418+75=493	दो माह
12.	मो. नवीपुर में नजमी के मुर्गी फार्म से मौलाना वशीरुद्दीन के मकान तक नाली का निर्माण कार्य।	8,42,948.38	16860.00	843+152=995	दो माह
13.	मो. नवीपुर में जिलानी के मकान से असलम के मकान तक नाली का निर्माण कार्य।	8,31,693.64	16640.00	832+150=982	दो माह

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत कॉंट, शाहजहॉंपुर

अध्यक्ष
नगर पंचायत कॉंट, शाहजहॉंपुर

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ/पीलीभीत वृत्त,
लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 8947/7 निविदा (सी0डी0–2) (ई–टेण्डर) – 08/2025–26 दिनांक 04.12.2025

ई0–निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ / पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा निर्माण खण्ड–2, लो0नि0वि0, बदायूँ के क्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ई–निविदा प्रतिशत दरों पर आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र बेवसाइट / पोर्टल पर दिनांक 23.12.2025 से दिनांक 06.01.2026 की मध्यान्ह 12: 00 बजे तक उपलब्ध रहेगें एवं तकनीकी विड दिनांक 06.01.2026 को अपरान्ह 12: 30 बजे खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	लागत (लाख रू0 में)			विड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय
1	2	3	4	5	6	7	8
		अनुमानित निर्माण लागत	05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत	कुल अनुमानित लागत			
1	जनपद बदायूँ में वर्ष 2025–26 में कृषि विपणन सुविधाओं हेतु राजस्व ग्राम/बसावटों को पक्के सम्पर्क मार्ग से जोड़ने के अंतर्गत बिल्सी से सुकटिया मार्ग का निर्माण कार्य।	104.00	8.00	112.00	7.60	2714.00	12 माह

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग इन किया जा सकता है।

UP – 242596 दिनांक: 17/12/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(वन्दना सोनकर)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–2,
लो0नि0बि0, बदायूँ

(के0 के0सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ / पीलीभीत वृत्त,
लो0नि0वि0, बरेली,

कार्यालय ग्राम पंचायत कुंवरगांव, उसावां (बदायूँ)

पत्रांक : 04/निविदा/मनरेगा/ग्रा.पं./2025-26 दिनांक : 18.12.2025

अल्पकालीन निविदा

विकास खण्ड उसावां की ग्राम पंचायत कुंवरगांव में मनरेगा योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यो हेतु ईट, रोड़ा, सीमेन्ट, रोड़ी, बजरी, रेता, बदरपुर एवं इण्टरलॉकिंग ईट आदि की आपूर्ति की इच्छुक समस्त फर्मे, पंजीकृत विक्रेताओं को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि दिनांक 27.12.2025 समय 11:00 बजे तक निविदा शर्तो तथा सामग्री की मात्रा की जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय में ग्राम पंचायत सचिव से जानकारी कर निग्रत सायं 4:00 बजे निविदा दाता अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष ग्राम पंचायत कार्यालय पर नियत कमेटी द्वारा खोले जाने एवं आपूर्ति की जाने वाली सामग्री हेतु किसी भी कार्य दिवस से सम्बंधित ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। निविदा प्रपत्र ग्राम पंचायत कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में एवं निर्धारित अवधि में निर्धारित शुल्क 100/- प्रति फार्म प्राप्त कर सकते है।

ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य का विवरण निम्नवत् है :-

क्र.सं.	ग्राम पंचायत का नाम	कार्य का नाम	कार्य की माप एवं सं. (लXचौ)	धनराशि
1.	कुंवरगांव	कुंवरगांव चिरानी में खेमकरन धोबी के खेत से मलखान के खेत तक खडन्जा निर्माण कार्य	150x4 मी.	329871
2.	कुंवरगांव	कुंवरगांव चिरानी में मलखान जाटव के खेत से कुंवरगांव सी. सी. रोड तक खडन्जा निर्माण कार्य	150x4 मी.	327360
3.	कुंवरगांव	कुंवरगांव चिरानी में पुलिया से खेमकरन धोबी के खेत तक खडन्जा निर्माण कार्य	160x4 मी.	351139

निविदा अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा तथा किसी भी वाद विवाद में मा. न्यायालय बदायूँ ही मान्य होगा।

ग्राम प्रधान/पंचायत सचिव
ग्राम पंचायत कुंवरगांव
उसावां (बदायूँ)

विपक्ष ने लोकतंत्र को गुंडातंत्र बना दिया : शिवराज

चौहान ने जी राम जी विधेयक पर विपक्ष के व्यवहार की सख्त आलोचना की

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में ग्रामीण रोजगार गारंटी विधेयक पर चर्चा के दौरान अपमानजनक व्यवहार करने को लेकर विपक्ष की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने अपने आचरण से लोकतंत्र को भीड़तंत्र तथा गुंडातंत्र में बदल दिया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को सिर्फ नाम की चिंता लेकिन हमारा ध्यान काम पर है।

विपक्ष के हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित होने के कुछ घंटों बाद भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए चौहान ने पूछा कि विपक्ष कानून के नाम पर आपत्ति क्यों कर रहा है। कहा, मैं संसद में कांग्रेस और इंडी गठबंधन के सांसदों के अपमानजनक व्यवहार की कड़ी निंदा करता हूं। विपक्ष ने अपने व्यवहार से लोकतंत्र को अपमानित किया, संसदीय परंपराओं को तार-तार कर दिया और लोकतंत्र को गुंडातंत्र में बदल दिया। विपक्षी सदस्यों ने कानून के मूल नाम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005 को हटाए जाने को लेकर संसद में विरोध प्रदर्शन किया।

चौहान ने कहा, उन्होंने कागज फाड़ दिए, मेजों पर चढ़ गए। क्या यह बापू के आदर्शों की हत्या नहीं है। क्या यह अनैतिक और अशोभनीय आचरण नहीं था।मंत्री ने यह भी पूछा कि क्या बापू (महात्मा गांधी) संसद में विपक्ष के इस तरह के अपमानजनक व्यवहार को स्वीकार करेंगे। चौहान ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के आचरण ने लोकतंत्र और संसदीय मर्यादा को कमजोर किया है तथा उन्होंने लोकतंत्र की भावना की पूरी तरह से अवहेलना की है।

मनरेगा का नाम बदलने पर संसद में रार

मनरेगा का नाम बदलने के विरोध में संसद परिसर में प्रदर्शन करते विपक्षी नेता।

सत्ता में आए तो मनरेगा को वापस लाएंगे : कांग्रेस

विपक्षी दल ने कहा- देश से महात्मा गांधी का नाम मिटाना चाहती है भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

राज्यसभा में बृहस्पतिवार को कांग्रेस के कई सांसदों ने मनरेगा का स्थान लेने के लिए सरकार की ओर से लाए गए विधेयक के नाम को बदलने के पीछे सत्तारूढ़ दल की ओर से देश से महात्मा गांधी का नाम मिटाने का प्रयास करार दिया और इसे संसद की प्रवर समिति को भेजने की मांग की। उन्होंने कहा कि जब उनकी पार्टी सत्ता में आएगी तो विधेयक को मूल स्वरूप में लागू करेगी।

उच्च सदन में 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' पर चर्चा में भाग लेते हुए कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा कि इस योजना के तहत मजदूरों की मजदूरी को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक से जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा के राज में सबसे ज्यादा नुकसान मजदूरों को हुआ है।

उन्होंने कहा कि इस योजना में सरकार ने रोजगार के दिनों को बढ़ाकर 125 दिन करने का 'लालीपॉप' दिया है क्योंकि राज्य सरकारों के पास पैसा ही नहीं है कि वह इस योजना के लिए पैसा दें। सिंह ने कहा कि यह विधेयक ग्राम स्वराज की मूल भावना के विपरीत लाया गया है। उन्होंने इस विधेयक का मूल नाम बरकरार रखने की मांग की।

चर्चा में भाग लेते हुए कांग्रेस के प्रमोद तिवारी ने कहा कि सरकार ने इस विधेयक के जरिये ऐसी शर्त लगा दी हैं जिससे मनरेगा को खत्म कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोकसभा में अपने एक भाषण में इस योजना को लेकर अपनी मंशा जता चुके थे। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा में अपने एक भाषण में मनरेगा को कांग्रेस की विफलता का स्मारक बताया था।

नेशनलब्रीफ

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने दिया बिहार मंत्रिमंडल से इस्तीफा

पटना। भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन ने बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया है। राज्य सरकार की ओर से बृहस्पतिवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई। अधिसूचना के अनुसार, सड़क निर्माण तथा शहरी विकास एवं आवास जैसे अहम विभाग संभाल रहे नितिन नवीन ने 16 दिसंबर से मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। नवीन को 14 दिसंबर को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। कैबिनेट सचिवालय विभाग की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि शहरी विकास एवं आवास विभाग की जिम्मेदारी उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा को सौंपी गई है, जबकि सड़क निर्माण विभाग दिलीप जायसवाल को दिया गया है। पांच बार के विधायक नितिन नवीन पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। वह इससे पहले भी बिहार सरकार में दो बार मंत्री रह चुके हैं।

बर्खास्त एचआईवी संक्रमित बीएसएफ जवान बहाल होगा

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बीएसएफ के उस जवान को बहाल करने का आदेश दिया है, जिसे एचआईवी से संक्रमित होने के आधार पर सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। कोर्ट ने कहा कि यदि याची की स्वास्थ्य स्थिति ऐसी है कि वह जनरल ड्यूटी नहीं निभा सकता तो उसे उसकी योग्यता के अनुसार अन्य समकक्ष पद पर वैकल्पिक नियुक्ति दी जाए। न्यायमूर्ति सी हरि शंकर और न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ला की पीठ बीएसएफ कर्मी की सेवा में बहाली की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें नौ अप्रैल, 2019 के बर्खास्तगी आदेश और उसके खिलाफ अपील को रद्द करने के आदेश को निरस्त करने का अनुरोध किया गया था।

पाकिस्तानी आतंकी को शरण देने में दो आरोपी दोषी करार

नई दिल्ली। दिल्ली की पटियाला हाउस स्थित एनआईए की विशेष अदालत ने आतंकवाद की साजिश से जुड़े एक हाईप्रोफाइल मामले में गुरुवार को दो व्यक्तियों को दोषी करार दिया। इनकी पहचान जहूर अहमद पीर और नजीर अहमद पीर के रूप में हुई है जिन्हें यूएपीए की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी पाया गया है। अदालत आठ जनवरी को इनकी सजा की अवधि पर बहस सुनेगी। इन दोनों पर यूएपीए की धारा 18 (साजिश), धारा 19 (शरण देना) और धारा 39 (आतंकवादी संगठन को समर्थन देना) के तहत आरोप तय किए गए थे। एनआईए के अनुसार इन दोनों ने पाकिस्तानी आतंकवादी बहादुर अली को शरण देने और समर्थन प्रदान करने के साथ आतंकवादी कृत्यों की साजिश रची।

वह नौकरी करने से इन्कार करे या जहन्नुम में जाए... ये उसकी मर्जी

नीतीश के नकाब उतारने के विवाद पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने की टिप्पणी

नई दिल्ली/पटना, एजेंसी

महिला चिकित्सक का नकाब हटाने को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बृहस्पतिवार को चौथे दिन भी विवादों के घेरे में रहे। इस मामले में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का बचाव करते हुए बृहस्पतिवार को नया विवाद खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा कि यह महिला पर निर्भर है कि वह सरकारी नौकरी ठुकरा दे या जहन्नुम में जाए। यह भी कहा कि नीतीश कुमार ने कुछ भी गलत नहीं किया है। वहीं दूसरी तरफ विपक्ष ने नीतीश कुमार से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की।

नीतीश कुमार के महिला चिकित्सक का नकाब हटाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। यह घटना मुख्यमंत्री सचिवालय में हुई थी, जहां कुमार आयुष चिकित्सकों को नियुक्ति पत्र दे रहे थे। जब महिला अपना नियुक्ति पत्र लेने आई, तो नीतीश कुमार ने उसका नकाब देखा और पूछा, यह क्या है, इसके बाद उन्होंने उसका नकाब हटा दिया। बृहस्पतिवार को केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने नीतीश कुमार के बचाव में तर्क दिया, अगर कोई नियुक्ति पत्र लेने जा रहा है, तो क्या उसे अपना चेहरा नहीं दिखाना चाहिए, क्या यह कोई इस्लामिक देश है। नीतीश कुमार ने अभिभावक की भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, अगर आप पासपोर्ट बनवाने जाते हैं तो क्या आप अपना चेहरा नहीं दिखाते। जब आप हवाई अड्डा जाते हैं, तो क्या अपना चेहरा नहीं दिखाते।

उन्होंने कहा, लोग पाकिस्तान और इंग्लिशस्तान की बातें करते हैं, लेकिन यह भारत है। भारत में कानून का राज है। सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार ने सही किया। महिला के इस घटना के बाद नौकरी स्वीकार करने से इन्कार किए जाने की खबरों पर केंद्रीय मंत्री ने कहा, वो इन्कार करे या जहन्नुम में जाए, ये उसकी मर्जी है।

कोलकाता में महिलाओं ने नीतीश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन किया।

नीतीश बिना शर्त माफी मांगें : जावेद अख्तर

मशहूर गीतकार जावेद अख्तर ने कहा, वह पर्दे की परंपरा का समर्थन नहीं करते लेकिन इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। उन्होंने कहा, जो भी मुझे थोड़ा बहुत भी जानता है, उसे पता है कि मैं पर्दा परंपरा के कितना खिलाफ हूं, लेकिन इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि मैं नीतीश कुमार द्वारा एक मुस्लिम महिला डॉक्टर के साथ किए गए बर्ताव को किसी भी तरह से स्वीकार कर लूं, नीतीश कुमार को उस महिला से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए।

विपक्ष नीतीश कुमार पर हमलावर, सार्वजनिक माफी की मांग

- बिहार के कटिहार से कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने गिरिराज और नीतीश कुमार की कड़ी आलोचना की। अनवर ने कहा, ये निम्न स्तर के लोग हैं, इनकी सोच बहुत घटिया है। वे यह नहीं समझते कि हमारा देश धर्मनिरपेक्ष है। हर किसी को अपने धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता है। जो कुछ नीतीश कुमार ने किया वह शर्मनाक और दुखद है।
- राकांपा (एसपी) सांसद फौजिया खान ने कहा, यह बेहद दुखद है कि किसी महिला का यह निजी फैसला होता है कि वह कितना शरीर ढके और नकाब हटाना किसी महिला को निर्वस्त्र करने के समान है। फौजिया ने कहा, नीतीश कुमार को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए थी, लेकिन इसके बजाय वे कह रहे हैं कि जो हुआ वह सही था।
- पीडीपी की नेता इल्तिजा मुफ्ती ने गिरिराज सिंह की टिप्पणी के जवाब में 'एक्स' पर कहा, इस आदमी के गंदे मुंह को साफ करने के लिए सिर्फ फिनाइल ही काम आएगा। हमारी मुस्लिम माताओं और बहनों के हिजाब और नकाब को छूने की हिम्मत मत करना। वरना हम मुस्लिम औरतें तुम्हें ऐसा सबक सिखाएंगी जिसे तुम और तुम्हारे जैसे लोग हमेशा याद रखोगे। सिंह के बयान के बारे में पूछे जाने पर, कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा, उन्हें मानसिक बीमारी का इलाज करवाने की जरूरत है।

एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा- ये महिलाओं की गरिमा पर हमला

नीतीश कुमार की बढ़ती आलोचना के बीच वैश्विक मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल ने एक बयान जारी कर इस कदम को महिला की गरिमा, स्वायत्तता और पहचान पर हमला बताया। एमनेस्टी ने कहा, जब कोई जनप्रतिनिधि किसी महिला का हिजाब जबरदस्ती खींचता है, तो इससे जनता को यह संदेश जाता है कि ऐसा व्यवहार स्वीकार्य है। इस कृत्य की स्पष्ट निंदा और जवाबदेही होनी चाहिए।

लालकिला विस्फोट के मामले में नौवां आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। एनआईए ने लालकिला क्षेत्र विस्फोट के सिलसिले में जम्मू कश्मीर के रहने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो आत्मघाती उमर-उन-नबी का करीबी सहयोगी है। यह इस मामले में नौवीं गिरफ्तारी है।

अधिकारियों ने बताया कि यासिर अहमद डार ने 10 नवंबर को हुए उस धमाके की साजिश में सक्रिय भूमिका निभायी थी, जिसमें 15 लोगों की मृत्यु हो गई और कई अन्य घायल हो गए थे। एनआईए ने बताया कि साजिश में सक्रिय रूप से शामिल डार ने आत्मघाती अभियानों को अंजाम देने की शपथ ली थी। एनआईए के एक प्रवक्ता ने कहा, ''इस मामले में गिरफ्तार किया गया नौवां व्यक्ति यासिर अहमद डार श्रीनगर (जम्मू कश्मीर) के शोपियां का रहने वाला है। उसे एनआईए ने नई दिल्ली से पकड़ा और गिरफ्तार कर लिया।

पीएसीएल की 3,400 करोड़ की संपत्ति जब्त

नई दिल्ली। ईडी ने चंडीगढ़ स्थित पीएसीएल के खिलाफ धनशोधन जांच के तहत 3,400 करोड़ रुपये से अधिक की नई संपत्तियों को जब्त किया है। पीएसीएल पर 48,000 करोड़ रुपये की पोंजी स्कीम को संचालित करने का आरोप है।

एजेंसी ने बताया कि इस मामले में अब तक जब्त संपत्तियों का मूल्य 5,602 करोड़ रुपये हो गया है। ईडी ने कहा कि उसने जालंधर में 3,436.56 करोड़ रुपये मूल्य की 169 अचल संपत्तियों को अस्थाई रूप से जब्त कर लिया।

निजी भागीदारी का रास्ता साफ परमाणु ऊर्जा विधेयक पारित

नई दिल्ली, एजेंसी

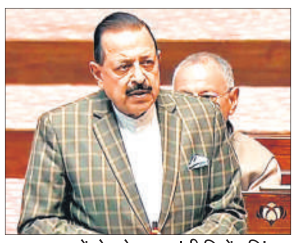
राज्यसभा में बोलते राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह।

- ध्वनिमत से दी गई मंजूरी, विपक्ष के संशोधनों को किया खारिज

संसद ने परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी की अनुमति देने के प्रावधान वाले विधेयक को मंजूरी प्रदान कर दी। राज्यसभा ने भारत के रुपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन (शांति) विधेयक, 2025 को चर्चा एवं परमाणु ऊर्जा राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह के जवाब के बाद ध्वनिमत से पारित कर दिया। विपक्षी सदस्यों द्वारा पेश किए तमाम संशोधनों को भी ध्वनिमत से खारिज कर दिया। लोकसभा इस विधेयक को बुधवार को ही पारित कर चुकी है।

विधेयक पर चर्चा के दौरान जहां सत्ता पक्ष के सदस्यों ने विधेयक को ऐतिहासिक और 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण करार दिया वहीं विपक्ष ने आरोप लगाया कि इसमें आपूर्तिकर्ता के उत्तरदायित्व का प्रावधान नहीं है तथा यह संवेदनशील क्षेत्र में निजी कॉरपोरेट समूहों के लिए रास्ता खोलने वाला है। जितेंद्र सिंह ने कहा कि इस विधेयक में कुछ ऐसे प्रावधान हैं, जो पहले भी थे, लेकिन सत्तापक्ष का विरोध करने के चक्कर में विपक्षी सदस्य अपने समय के प्रावधानों का ही विरोध कर देते हैं।

विपक्ष ने प्रवर समिति में भेजने की मांग की

नई दिल्ली। राज्यसभा में विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों ने परमाणु ऊर्जा विधेयक का विरोध करते हुए इसे व्यापक विचार-विमर्श के लिए प्रवर या स्थायी समिति में भेजने की मांग की। उच्च सदन में विपक्ष ने विरोध करते हुए इसे मानवता के खिलाफ बताया। बीआरएस सदस्य केआर सुरेश रेड्डी ने विधेयक को व्यापक चर्चा के लिए प्रवर समिति में भेजने की मांग की।

प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों को हटाने के प्रावधान वाले विधेयकों संबंधी समिति का कार्यकाल बढ़ा

प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को गंभीर आरोपों में लगातार 30 दिन तक हिरासत में रहने की स्थिति में पद से हटाने के प्रावधान वाले तीन विधेयकों पर विचार करने वाली संसदीय समिति को रिपोर्ट देने के लिए आगामी बजट सत्र के अंतिम सप्ताह के पहले दिन तक का समय दिया गया है। समिति की अध्यक्ष अपराजिता सारंगी ने लोकसभा में संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक के संबंध में यह प्रस्ताव रखा जिसे सदन ने ध्वनिमत से मंजूर कर लिया। गत 12 नवंबर को 31 सदस्यीय संयुक्त समिति का गठन किया गया था तथा भाजपा सांसद सारंगी को समिति का प्रमुख नियुक्त किया गया।

प्रदूषण: दिल्ली में नो पीयूसी नो फ्यूल नियम हुआ लागू

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में बिगड़ते वायु प्रदूषण से निपटने को प्राधिकारियों द्वारा उठाए गए कदमों के तहत गुरुवार से दिल्ली के बाहर पंजीकृत गैर बीएस-6 निजी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लागू हो गया और साथ ही उन वाहनों को पेट्रोल पंप पर ईंधन नहीं मिलेगा, जिनके पास प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) नहीं हैं। पेट्रोल पंप वैध प्रमाणपत्र के बिना वाहनों को ईंधन नहीं दे रहे हैं और इसे स्वचालित नंबर प्लेट रीडर कैमरे, पंपों पर वॉयस अलर्ट और पुलिस की मदद से लागू किया जा रहा है।

जिन वाहनों के पास पीयूसी नहीं होगा, उन्हें पेट्रोल नहीं मिलेगा यानी नो पीयूसी, नो फ्यूल। दिल्ली की सीमाओं सहित 126 जांच चौकियों पर 580 पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त प्रभावी क्रियान्वयन के लिए परिवहन विभाग की कई प्रवर्तन टीम को पेट्रोल पंपों और सीमा चौकियों पर तैनात किया गया है।

कड़े उपायों के बाद भी वायु गुणवत्ता बिगड़ी

दिल्ली में गुरुवार को धुंध की चादर छा गई, जिससे दृश्यता कम हो गई और प्रदूषण की स्थिति और खराब हो गई। 24 घंटे का औसत एक्यूआई बहुत खराब रहा और इसका स्तर एक दिन पहले के 334 से बढ़कर 373 हो गया।

विमान के टायर फटने के बाद कोचीन में आपात लैंडिंग

कोच्चि। सऊदी अरब के जेद्दा से 160 यात्रियों को लेकर केरल के कोझिकोड जा रहे विमान को टायर फटने के बाद बृहस्पतिवार को एहतियात के तौर पर यहां कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतार लिया गया। जेद्दा हवाई अड्डे के रनवे पर किसी वस्तु के कारण टायर में खराबी आने की आशंका है।

एअर इंडिया एक्सप्रेस के मुताबिक विमान कोच्चि में सुरक्षित उतारने के बाद यात्रियों को सड़क मार्ग से कोझिकोड भेजा गया। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि केवल टायर फटे थे और लैंडिंग गियर में कोई समस्या नहीं थी। इससे पहले कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड ने कहा कि उड़ान को तकनीकी समस्या के कारण कोच्चि की ओर मोड़ा गया।

दूसरी पत्नी का भरण-पोषण पहली पत्नी के अधिकार को खत्म नहीं करता : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता,प्रयागराज

- इलाहाबाद हाईकोर्ट का मुस्लिम विवाह से जुड़े मामले में फैसला

अमृत विचारः इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुस्लिम विवाह में भरण-पोषण से जुड़े एक मामले में स्पष्ट किया है कि यदि पति दूसरी पत्नी का भरण-पोषण करने में सक्षम है, तो वह पहली कानूनी तौर पर विवाहिता पत्नी को गुजारा भत्ता देने से इनकार नहीं कर सकता, विशेषकर तब जब पहली पत्नी अपनी आजीविका के लिए पूरी तरह माता-पिता पर निर्भर हो।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति हरवीर सिंह ने परिवार न्यायालय, अलीगढ़ के उस आदेश को बरकरार रखते हुए दिया, जिसमें मोहम्मद आसिफ (पति) को अपनी पहली पत्नी को 20,000 रुपए प्रतिमाह भरण-पोषण देने का निर्देश दिया गया था। पति ने इस आदेश को हाईकोर्ट के समक्ष चुनौती देते हुए दावा किया कि उसकी वार्षिक आय मात्र 83,000 रुपए है और भरण पोषण के रूप में इतनी अधिक राशि देना उसके लिए संभव नहीं है। हालांकि पत्नी की ओर से तर्क दिया गया कि अपीलकर्ता अपने पिता के साथ संयुक्त रूप से एक व्यवसाय का संचालन करता है, उसके पास वैध जीएसटी पंजीकरण है और उसने दूसरी शादी भी कर रखी है, जबकि पहली पत्नी बेरोज़गार है और जीवनयापन के लिए पूरी तरह अपने माता-पिता पर निर्भर है, ऐसे में फैमिली कोर्ट का आदेश न तो अत्यधिक है और न ही मनमाना।

रिकॉर्ड पर मौजूद तथ्यों का अवलोकन करने पर कोर्ट ने पाया कि अपीलकर्ता वास्तव में अपने पिता के व्यवसाय से जुड़ा है और जीएसटी विभाग में विधिवत पंजीकृत है। कोर्ट ने माना कि वह दूसरी पत्नी का भरण-पोषण करने में सक्षम है, लेकिन यह क्षमता पहली कानूनी पत्नी के भरण-पोषण के दावे को नजरअंदाज़ करने का आधार नहीं बन सकती है। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के शमीमा फारूकी बनाम शाहिद खान मामले का हवाला देते हुए निष्कर्ष दिया कि ऐसे आधारों पर वैध रूप से विवाहिता पत्नी के भरण-पोषण की जिम्मेदारी समाप्त नहीं की जा सकती।

गंभीर आरोपों के कैदियों को वित्तीय सहायता अब नहीं

नई दिल्ली। गरीब कैदियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने वाली केंद्रीय गृह मंत्रालय की योजना का लाभ जघन्य अपराधों के आरोपी विचाराधीन कैदियों को नहीं मिलेगा। संशोधित दिशा-निर्देशों में ये घोषणा की गई है।

इससे पहले, ये लाभ केवल भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, पीएमएलए, एनडीपीएस एक्ट और यूएपीए आदि के तहत आरोपों का सामना करने वालों को ही उपलब्ध नहीं थे। गृह मंत्रालय के संशोधित दिशा-निर्देशों के मुताबिक, आतंकवाद, राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने वाले अपराध, दहेज हत्या, बलात्कार, मानव तस्करी या पॉक्सो के तहत अपराध में शामिल लोगों को भी लाभ नहीं मिलेगा।

स्कूली-उच्च शिक्षा संस्थानों में समन्वय की पहल

वीआईटी का मंथन 2025

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : विद्यालय-विश्वविद्यालय के अंतर को पाटने के लिए वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय ने शनिवार 13 दिसंबर को मंथन 2025 का आयोजन किया। यह कार्यक्रम हजरतगंज के महात्मा गांधी मार्ग स्थित क्लार्क्स अवध में हुआ। इसका उद्देश्य स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच बेहतर सहयोग बनाना था।

मंथन 2025 में 70 विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने भाग लिया। स्कूली शिक्षा में उनके योगदान के लिए वीआईटी ने प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि वीआईटी भोपाल विवि शिक्षा, शोध और नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए जाना जाता है। प्रसिद्ध लेखक, प्रेरक वक्ता, सामाजिक उद्यमी तथा डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर के सह-संस्थापक एवं सीईओ सृजन पाल सिंह ने मंथन 2025- उज्ज्वल भविष्य के लिए अपनी यात्रा को प्रज्वलित करें विषय पर संबोधन दिया। इस दौरान शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों और तकनीक से जोड़ने, विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाने को तकनीकी, गैर-तकनीकी और सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने तथा विद्यालयी पाठ्यक्रम को विवि की अपेक्षाओं के अनुसार बनाने जैसे विषयों पर चर्चा की गई।

इस कार्यक्रम ने विद्यालय प्रमुखों और विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों को एक-दूसरे से विचार साझा करने और भविष्य में सहयोग के नए अवसर तलाशने का अवसर दिया। कार्यक्रम के माध्यम से वीआईटी विवि ने शिक्षा में नवाचार, अकादमिक सहयोग और शिक्षकों की क्षमता बढ़ाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

वीडियो दिखाएंगे और पूछेंगे कि मानवता क्या होती है : कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

आवारा कुत्तों का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता द्वारा आवारा कुत्तों के साथ अमानवीय बर्ताव करने की टिप्पणी पर उससे कहा कि अगली सुनवाई पर एक वीडियो दिखाया जाएगा और आपसे पूछा जाएगा कि मानवता क्या होती है। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और संदीप मेहता की पीठ को बताया कि सुनवाई के लिए गुरुवार को बैठने वाली तीन न्यायाधीशों की विशेष पीठ को रद्द कर दिया गया है।

न्यायमूर्ति नाथ ने कहा कि मामले पर अगली सुनवाई सात जनवरी को होगी। सिब्बल ने कहा कि समस्या यह है कि एमसीडी ने इस बीच कुछ नियम बनाए हैं जो पूरी तरह विपरीत हैं। उन्होंने पीठ से मामले की सुनवाई शुक्रवार को करने का आग्रह करते हुए कहा कि अधिकारियों के पास कुत्तों के आश्रय स्थल भी नहीं हैं। जो किया जा रहा है वह बहुत अमानवीय है। न्यायमूर्ति मेहता ने आवारा कुत्तों की समस्या का संदर्भ देते हुए कहा कि अगली तारीख पर हम आपकी सुविधा के लिए वीडियो चलाएंगे और आपसे पूछेंगे कि मानवता क्या होती है।

परिस्थितिजन्य साक्ष्य से सजा तभी संभव जब दोष सिद्ध हो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को कहा कि किसी आपराधिक मामले में आरोपी को दोषी ठहराने के लिए परिस्थितिजन्य साक्ष्य तभी उपयोग में लाए जा सकते हैं, जब वे केवल उसके दोषी होने की ओर ही संकेत करें।

न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने वर्ष 2004 के हत्या के एक मामले में आरोपी एक व्यक्ति की दोषसिद्धि और आजीवन कारावास की सजा को रद्द करते हुए इस कानूनी सिद्धांत को दोहराया कि केवल 'अंतिम बार एक साथ देखे जाने का सिद्धांत' उन मामलों में दोषसिद्धि को बरकरार रखने के लिए अपर्याप्त है जो पूरी तरह परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित हैं। पीठ की ओर से न्यायमूर्ति मिश्रा ने फैसला लिखते हुए कहा, आपराधिक न्यायशास्त्र में यह एक सुव्यवस्थित सिद्धांत है कि किसी आरोपी को परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर तभी दोषी ठहराया जा सकता है, जब वे उसकी निर्दोषता से पूरी तरह असंगत हों और केवल उसके दोषी होने की ओर ही संकेत करें। फैसले में कहा गया है कि जिस मामले में प्रत्यक्ष साक्ष्य का अभाव हो, उसमें आरोपी के खिलाफ इस्तेमाल की जा रही दोषसिद्ध करने वाली परिस्थितियां ऐसी होनी चाहिए, जो केवल अपराध की परिकल्पना की ओर ले जाएं और आरोपी की निर्दोषता की हर दूसरी संभावना को खारिज कर दें। पीठ ने अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों की श्रृंखला में महत्वपूर्ण कमियां पाए जाने के बाद अपीलकर्ता मनोज उर्फ मुन्ना को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया।

एसआईआर समयसीमा बढ़ाने के आवेदनों पर विचार करे निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को निर्वाचन आयोग से उत्तर प्रदेश और केरल में एसआईआर के लिए समयसीमा बढ़ाने के अनुरोध वाली याचिकाओं पर विचार करने को कहा। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ को वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने बताया कि अकेले उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची से 25 लाख नाम हटा दिए गए हैं। सिब्बल ने कहा, कुछ मामलों में पति का नाम तो है लेकिन पत्नी का नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि मतदाता सूची संशोधन की समयसीमा भी समाप्त हो रही है। आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने इन दलीलों का विरोध करते हुए कहा कि ये मामले निर्वाचन आयोग पर छोड़ दिए जाने चाहिए।

अमृत विचार

शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025

संघर्ष से मुझमें आत्मविश्वास पैदा हुआ, जो पहले मुझमें नहीं था।
–सुभाष चंद्र बोस

सुधार का विस्तार हो

दिल्ली-एनसीआर की दमघोंटू हवा पर न्यायालय की सक्रियता और उसके निर्देशों का स्वागत है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रदूषण हर साल दोहराई जाने वाली समस्या बन चुकी है। इसे काबू करने के लिए तत्काल जरूरी उपायों के अलावा वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग दीर्घकालिक उपायों की रणनीति की समीक्षा कर उसे अभी से मजबूत करे, ताकि अगले वर्ष ऐसी स्थिति न आए। सवाल यह नहीं कि अदालती आदेश के बाद दिल्ली की हवा सुधरेगी या नहीं; बड़ा प्रश्न यह है कि क्या यह सुधार टिकाऊ होगा और क्या इसका दायरा दिल्ली से आगे बढ़ेगा? क्योंकि महज दिल्ली ही देश नहीं है। देश के दर्जनों शहर- कानपुर, लखनऊ, पटना, गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद की हवा दिल्ली से कम विषैली नहीं। इन शहरों के लिए अदालत कब विचार करेगी और सरकारें कब चेतेंगी?

हवा को शुद्ध करने से पहले उसकी अशुद्धि मापना अनिवार्य है। देश के लगभग 50 प्रतिशत शहरों में पीएम 2.5 का मापन ही नहीं होता। 64 प्रतिशत जिले मॉनिटरिंग नेटवर्क से बाहर हैं। महानगरों में भी 22 से 55 प्रतिशत शहरी इलाके कवरेज से बाहर हैं और मात्र 2 प्रतिशत आबादी ही किसी मॉनिटरिंग स्टेशन के दो किलोमीटर के दायरे में रहती है। जब देश का दो प्रतिशत से भी कम हिस्सा सीधे मॉनिटरिंग कवरेज में हो और 10 किलोमीटर त्रिज्या जोड़ने पर भी यह हिस्सा दस प्रतिशत तक पहुंचे तो इतने कम सैंपल से राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता का आकलन कैसे विश्वसनीय होगा? 289 शहरों के मैनुअल मॉनिटरिंग स्टेशन सप्ताह में केवल दो बार एयर सैंपल लेते हैं। यह तकनीकी अक्षमता नीतिगत अंधेपन को जन्म देती है। मैनुअल स्टेशनों को स्वचालित, रियल-टाइम सेंसर में बदले बिना और डेटा की गुणवत्ता सुनिश्चित किए बिना न चेतावनी समय पर जा सकती है, न उपचार सटीक होगा। आज स्थिति यह है कि देश की केवल 15 प्रतिशत आबादी ही रियल-टाइम मॉनिटरिंग के 10 किलोमीटर दायरे में है। इस कवरेज को 50 प्रतिशत तक ले जाने के लिए हजारों नए स्टेशन चाहिए और इसके लिए स्पष्ट टाइमलाइन, बजट और जवाबदेही तय करनी होगी। इस अक्षमता के चलते 85 प्रतिशत शहर समय पर एयर-क्वालिटी अलर्ट जारी करने में अक्षम हैं। इसके लिए डेटा इंटीग्रेशन, नगर-स्तरीय कंट्रोल रूम, स्कूलों-अस्पतालों के लिए प्रोटोकॉल और मोबाइल-आधारित चेतावनी प्रणालियां जरूरी हैं। उतना ही जरूरी है मॉनिटरिंग स्टेशनों का नियमित ऑडिट। क्या वे तय मानक प्रोटोकॉल पर काम कर रहे हैं, सेंसर कैलिब्रेट हैं या नहीं, यह पारदर्शी ढंग से सार्वजनिक किया जाए।

प्रदूषण नियंत्रण की जिम्मेदारी महज पर्यावरण मंत्रालय पर छोड़ कर वाणिज्य, ऊर्जा, स्वास्थ्य, उद्योग, रेलवे, शिक्षा और शहरी विकास मंत्रालयों की भी स्पष्ट भूमिकाएं तय होनी चाहिए। प्रदूषण कोई स्थानीय आपदा नहीं, यह राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल है। इसे केवल न्यायालयों के भरोसे छोड़ना शासन की विफलता मानी जाएगी। अतीत गवाह है, सुप्रीम कोर्ट या उच्च न्यायालयों की फटकार से कुछ तात्कालिक कदम उठते हैं, पर जड़ में जाकर समस्या सुलझाने की राजनीतिक-प्रशासनिक इच्छाशक्ति अक्सर कमजोर पड़ जाती है।

प्रसंगवश

‘रख दे कोई जरा सी खाके वतन कफन में’

19 दिसंबर 1927 को आज के ही दिन काकोरी कांड के अमर क्रांतिकारी रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां एवं ठाकुर रोशन सिंह हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर झूल गए। उनकी इस शहादत ने नौजवानों के दिलों में आजादी की ज्वाला को भड़का दिया। अंग्रेज सरकार के खिलाफ पूरे देश में गहरा आक्रोश फैल गया। नौजवान सिर पर कफन बांधकर जंगे आजादी में कूद पड़े।

देश की पराधीनता के दिन थे। भारत माता परतंत्रता की बेड़ियों में जकड़ी हुईं थीं। अंग्रेज शासकों के देश की जनता पर दमन एवं अत्याचार दिन-प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे थे। पूरे देश में लोगों के दिलों में आजादी की आग सुलग रही थी। देश की आजादी के लिए नौजवानों ने सशक्त क्रांति का मार्ग अपनाया। सशस्त्र क्रांति के लिए हथियारों की जरूरत थी। हथियार खरीदने के लिए धन कहां से जुटाया जाए? यह समस्या क्रांतिकारियों के सामने मुंह बाए खड़ी थी। काफी विचार-विमर्श के बाद क्रांतिकारियों ने सरकारी खजाने को लूटने का निर्णय लिया।

सुरेश बाबू मिश्रा
लेखक

प्रखर, क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में इस खजाने को लूटने की योजना बनाई गई। अमर क्रांतिकारी रामप्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खां, राजेंद्र लाहिड़ी इस योजना में शामिल थे। योजना के अनुसार सहारनपुर से लखनऊ जाने वाली पैसेंजर ट्रेन के द्वितीय श्रेणी के डिब्बे में कुछ नौजवान क्रांतिकारी यात्रियों के रूप में सवार हुए। जैसे ही ट्रेन काकोरी स्टेशन से आगे बढ़ी क्रांतिकारियों ने चैन पुलिंग कर ट्रेन को रोक लिया। उस स्थान पर कुछ सशस्त्र क्रांतिकारी नौजवान पहले से ही खड़े थे। यह घटना नौ अगस्त 1925 में काकोरी स्टेशन के पास घटी, इसलिए इतिहास में इसे काकोरी कांड के नाम से जाना जाता है।

क्रांतिकारियों की इस दुःसाहसिक वारदात को देखकर अंग्रेज दंग रह गए। अंग्रेज शासकों का दमन चक्र तेज हो गया। देशभर में क्रांतिकारियों की धर पकड़ तेज हो गई। रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, रोशन सिंह और राजेंद्र लाहिड़ी सहित 22 नौजवान क्रांतिकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। इन्हें अलग-अलग जेलों में कैद कर उनके खिलाफ सरकारी खजाने की लूट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा चलाया गया। 18 महीने तक चले मुकदमे के बाद राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, रोशन सिंह और राजेंद्र लाहिड़ी को फांसी की सजा सुनाई गई। शेष क्रांतिकारियों को आजन्म कारावास की सजा मिली।

19 दिसंबर सन 1927 को राम प्रसाद बिस्मिल को गोरखपुर जेल में फांसी दी गई। फांसी के तख्ते पर खड़े होकर उन्होंने एक शेर पढ़ा, “अब न अहले वलवले हैं और न अरमानों की भीड़, एक मिट जाने की हसरत अब दिले बिस्मिल में है।” अशफाक उल्ला खां को फैजाबाद जिले में फांसी पर लटकाया गया। फांसी का फंदा चूमने से पहले उन्होंने यह शेर कहा, “कुछ आरजू नहीं है, है आरजू तो यह है, रख दे कोई जरा-सी, खाके-वतन कफन में।” फिर भारत माता की जय का नारा लगाते हुए वे फांसी के तख्ते पर झूल गए। ठाकुर रोशन सिंह को इलाहाबाद जेल में 19 दिसंबर को फांसी दी गई। जैसे ही जेलर का बुलावा आया, वे हाथ में गीता पकड़े मुस्कराते हुए चल दिए। फांसी के तख्ते पर चढ़ते ही उन्होंने ‘वंदे मातरम्’ का उद्घोष किया और शहीद हो गए। चौथे नौजवान क्रांतिकारी राजेंद्र लाहिड़ी को तेजी से बढ़ रहे जनाक्रोश से भयभीत अंग्रेज अफसरों ने गोंडा जेल में घोषित तिथि से दो दिन पहले ही फांसी दे दी। फांसी को फंदे को चूमने से पूर्व उन्होंने वंदे मातरम् का जयघोष किया। फिर उन्होंने मुस्कराते हुए फांसी का फंदा गले में डाल लिया।

अब मनरेगा पर मचा सियासी घमासान

विवेक सक्सेना
अयोध्या

मोदी सरकार ने मनरेगा का नाम और कई प्रावधान बदले हैं। नया नाम विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड अजीविका मिशन (ग्रामीण) अर्थात वीबी–जी रामजी कर देने से विपक्ष हमलावर है।

मोदी सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का नाम और कई प्रावधान बदले हैं। इससे संसद में बवाल मच गया है। मनरेगा का नया नाम विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड अजीविका मिशन (ग्रामीण) अर्थात वीबी-जी रामजी कर देने से विपक्ष हमलावर है। शुरुआत में इस योजना का नाम नेशनल रूरल एंप्लायमेंट गारंटी एक्ट (नरेगा) था। वर्ष 2009 में यूपीए सरकार ने इसमें बदलाव किया और महात्मा गांधी का नाम जोड़ा।

इसके बाद यह महात्मा गांधी नेशनल रूरल एंप्लायमेंट गारंटी एक्ट (मनरेगा) कहलाने लगी। दोनों एक ही योजना हैं और नाम बदलने का उद्देश्य गांधीजी के ग्राम स्वराज के विचारों से इसे जोड़ना था। आजकल लोग इसे आमतौर पर मनरेगा ही कहते हैं। यह योजना साल 2005 में यूपीए सरकार के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की अगुवाई में शुरू हुई। उस समय गांवों में काम की कमी के कारण लोग शहरों की ओर पलायन कर रहे थे।

इस योजना का उद्देश्य गांवों में गरीबी कम करना, बेरोजगारी दूर करना और लोगों को गांव में ही सम्मानजनक काम और कमाई देना था। पहले की कई योजनाओं, जैसे- जवाहर रोजगार योजना और संपूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना को मिलाकर इसे नया और मजबूत रूप दिया गया था। गांवों में रहने वाले जरूरतमंद और मेहनतकश परिवारों के लिए मनरेगा एक ऐसी सरकारी योजना है, जो जीवन का सहारा बन चुकी है। यह योजना ग्रामीण इलाकों में बेरोजगारी और गरीबी से लड़ने का सबसे मजबूत हथियार है।

दुनिया की सबसे बड़ी रोजगार गारंटी योजना के रूप में जानी जाने वाली मनरेगा लाखों लोगों को साल भर में काम और कमाई का भरोसा देती है। यह न केवल रोजगार उपलब्ध कराती है, बल्कि गांवों का विकास भी करती है। अब केंद्र सरकार इस योजना का नाम बदलने जा रही है। अब इसको शॉर्ट में जी राम जी कहा जा रहा है, जिसको लेकर बवाल मचा है। सरकार का तर्क है कि इससे खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था दोनों को संतुलित तरीके से मजबूती मिलेगी। रोजगार गारंटी 100 से बढ़ाकर 125 दिन करने का भी प्रावधान है। ग्रामीण परिवारों को 125 दिन का रोजगार मिलेगा, लेकिन राज्यों को खर्च का 10-40% वहन करना होगा। फसल के मौसम में काम नहीं मिलेगा, जिससे कृषि कार्यों में मजदूरों की कमी न हो।

केंद्र सरकार ने ग्रामीण रोजगार व्यवस्था को नए सांचे में ढालने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सरकार का दावा है कि यह बिल ‘विकसित भारत 2047’ के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप ग्रामीण रोजगार और आजीविका को मजबूत करेगा। नए बिल में यह भी प्रस्ताव है कि बुवाई और कटाई के मौसम के करीब 60 दिनों में इस योजना के तहत काम नहीं दिया जाएगा, ताकि कृषि कार्यों के दौरान मजदूरों की कमी न हो। वहीं इस बदलाव पर सियासी बहस तेज हो गई है।

बीजेपी सांसद दिनेश शर्मा ने कहा कि ‘राम’ शब्द पर विपक्ष का विरोध उनकी सोच दर्शाता है। योजना में सुधार जैसे ग्राम पंचायत योजनाओं को पीएम गति शक्ति से जोड़ना, जल संरक्षण पर जोर, बुआई-कटाई में काम रोकना और बायोमेट्रिक सत्यापन से फर्जीवाड़ा रुकना ग्रामीण आय व इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करेगा। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा और मजदूरों को अधिक रोजगार उपलब्ध होगा।

विपक्ष ने इस बिल को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला है। विपक्ष का कहना है कि इससे राज्यों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा और गरीबों का नुकसान होगा। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि यह कानून मनरेगा को केंद्र के नियंत्रण का औजार बना देगा। बजट और नियम केंद्र तय करेगा, जबकि राज्यों पर अतिरिक्त बोझ डाला जाएगा। राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को यह योजना हमेशा खटकती रही और 10 सालों से इसे कमजोर करने की कोशिश करते रहे हैं। आज वो मनरेगा का नामो-निशान मिटाने पर आमादा हैं।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने सरकार पर योजनाओं के नाम बदलने की ‘सनक’ का आरोप लगाया। समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि नाम बदलने से जमीनी हकीकत नहीं बदलेगी, बल्कि राज्यों के सामने आर्थिक संकट खड़ा होगा। बिहार में भी इस बिल को लेकर सियासत गर्म है। राजद प्रवक्ता चितरंजन गगन ने कहा कि केंद्र सरकार का कोई नया विजन नहीं है और वह यूपीए काल की योजनाओं का नाम बदलकर अपनी उपलब्धि बता रही है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि महात्मा गांधी केवल एक नाम नहीं, बल्कि प्रेरणा हैं। बापू रामराज की स्थापना की बात कहते थे। पता नहीं ‘विकसित भारत- जी राम जी’ के नाम पर विपक्ष क्यों भड़क गया। उनका संकल्प था कि सबसे अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का कल्याण हो। उन्होंने दावा किया कि यह बिल गरीबों के सम्मान और गांधीजी के सपनों को साकार करने की दिशा में बड़ा कदम है।

यह भी उल्लेखनीय है कि मजदूरी के दिवस बढ़ाने के साथ राज्यों को वर्ष में 60 दिन काम रोकने का अधिकार दिया गया है। इसकी मांग भी होती थी। सरकार इस अधिनियम में बदलाव के जरिए ग्रामीण विकास को एक ऐसी दिशा देना चाहती है, जिससे विकसित भारत के लक्ष्य को आसानी से हासिल किया जा सके। उचित यह होगा कि संसद में इस विधेयक के गुण-दोष के आधार पर व्यापक बहस हो, जिससे कि इस अधिनियम को कहीं प्रभावी रूप दिया जा सके। सुधार की पहल के अतिरंजित विरोध से बचा जाना चाहिए।

आमने सामने

अधिकारियों का काम था कि फोटो से सत्यापित करके लाते। उन (नीतीश कुमार) के दिमाग में रहा होगा कि वही हैं या कोई अलग हैं, इसलिए हिजाब हटा दिया होगा। इसे अलग तरह से नहीं लेना चाहिए। नकाब पर आप लोग इतना कह रहे हैं। कहीं चेहरा-वेहरा छू लेते तब क्या करते आप लोग?
–संजय निषाद
मंत्री, उत्तर प्रदेश

ये इनकी महिला विरोधी सोच को दिखाता है। एक गलत काम को सही साबित करने के लिए एक महिला की इज्जत को, उसके सम्मान को दरकिनार किया जा रहा है। चाहे वो बीजेपी हो या बीजेपी के सहयोगी दल। उत्तर से लेकर दक्षिण तक, ये सब महिला विरोधी मानसिकता वाले लोग हैं।
–प्रियंका चतुर्वेदी
नेता, शिवसेना (यूबीटी)

2025 के तीन बड़े आर्थिक सुधार और उम्मीदें

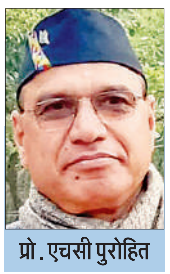

प्रो. एचसी पुरोहित
दून विश्वविद्यालय

2025 भारत में तीन बड़े आर्थिक सुधारों के लिए याद किया जाएगा। इसमें आयकर स्लैब का बदलाव, जीएसटी दरों में कटौती तथा श्रम कानून में सुधार प्रमुख हैं। इन सुधारों से अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई मिलने की उम्मीद है।

2025 भारत में तीन बड़े आर्थिक सुधारों के लिए याद किया जाएगा, क्योंकि इन सुधारों से अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई मिलेगी। इसमें आयकर स्लैब का बदलाव, जीएसटी दरों में कटौती तथा देश की श्रम शक्ति को समर्पित लंबे अंतराल के बाद श्रम कानून में सुधार की तीन श्रम संहिताएं प्रमुख हैं। इन सुधारों का असर दिखना शुरू हो गया है। आज विश्व में तकनीकी क्षेत्र की प्रमुख टेक कंपनियां भारत में निवेश के लिए आकर्षित हो रही हैं। हाल के वर्षों में गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और अमेज़न जैसी दिग्गज कंपनियों ने भारत में कई अरब डॉलर निवेश की परियोजनाएं प्रारंभ करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। यह निवेश तकनीकी नवाचार को प्रोत्साहित करने, विनिर्माण को गतिशील बनाने के साथ ही रोजगार सृजन का बड़ा माध्यम बनेगा।

निवेशकों का यह उत्साह वैश्विक स्तर पर भारत की राजनीतिक एवं आर्थिक स्थिरता तथा अन्य देशों की तुलना में अधिक विश्वसनीयता को समझा जा सकता है। तकनीकी क्षेत्र की इन तीन कंपनियों द्वारा भारत में तेजी से उभरते डिजिटल बाजार में निवेश की योजना, भारत की विकासोन्मुखी और निवेश-अनुकूल नीति को भी प्रदर्शित करती है। तकनीकी परियोजनाओं की स्थापना से रोजगार सृजन के साथ-साथ एआई, क्लाउड, मशीन लर्निंग, डेटा प्रोसेसिंग-प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में युवाओं को तकनीकी कौशल प्राप्त करने के अवसर उपलब्ध होंगे, जो औद्योगिक एवं वाणिज्यिक गतिविधियों के सुचारु संचालन में सहायक होंगे। देश में डिजिटल केंद्रों के विस्तार से नागरिक सेवाओं का विस्तार और उनका सुचारु संचालन संभव होगा। विशेष तौर पर कृषि एवं औद्योगिक उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखला, स्वास्थ्य, ट्रैफिक, बैंकिंग, शिक्षा, बीमा इत्यादि सेवाओं के संचालन को एआई की मदद से गति मिलेगी, जिससे आर्थिक अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ना तय है।

भारत के उपभोक्ता वैश्विक आशावाद में सबसे आगे हैं, जैसा कि बीसीजी ग्लोबल कंज्यूमर रडार की रिपोर्ट से स्पष्ट है कि ऑटोमोबाइल और मोबाइल जैसी वस्तुओं के क्रय में उनका खर्च करने का इरादा है। रिपोर्ट से यह भी स्पष्ट है कि 62% भारतीय उपभोक्ता दैनिक जीवन की खरीदारी के लिए जेनरेटिव एआई (Generative AI) टूल का उपयोग कर रहे हैं, इस कारण भारत उपभोग के लिए एआई अपनाने में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश बन गया है।

भारत के उपभोक्ताओं का तकनीक के प्रति विश्वास और खर्च करने का इरादा भारत के घरेलू उपभोग चक्र में महत्वपूर्ण वृद्धि ला रहा है। इससे ऑटोमोबाइल, मोबाइल उपकरण और खुदरा क्षेत्रों को लाभ होने की संभावना है। उपभोक्ताओं की इस प्रवृत्ति का लाभ उठाने में वे ब्रांड या कंपनियां सर्वोत्तम स्थिति में होंगे, जो तकनीकी मदद से वस्तुओं का क्रय-विक्रय कर रहे हैं। भारतीय उपभोक्ताओं का तकनीक के प्रति यह लचीलापन देश का एक मजबूत आर्थिक आधार एवं पारदर्शी तंत्र का संदेश देता है।

हाल ही में एशियाई विकास बैंक (एडीबी) द्वारा जारी अनुमानों के अनुसार भारत की विकास दर 6.5 प्रतिशत से बढ़कर 7.2 प्रतिशत रहने की संभावना है। एडीबी की रिपोर्ट से पूर्व फिच और आरबीआई ने भी भारत की विकास को तेज गति से बढ़ने का पूर्वानुमान किया है। इसका प्रमुख कारण भारत की दीर्घकालीन सुधारवादी नीतियां हैं, जिनके कारण विनिर्माण क्षेत्र में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। साथ ही सेवा क्षेत्र का प्रदर्शन भी निरंतर सुधर रहा है, जो अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन को गतिशील बनाए रखने में सहायक हो रहा है।

इस वर्ष हुए तीन बड़े सुधारों का आर्थिक मोर्चे पर प्रभाव आने वाले समय में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। साथ ही विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) के जारी रहने से घरेलू विनिर्माण क्षेत्र को लगातार गति मिल रही है और इस योजना का असर पिछले कुछ वर्षों के निर्यात में भी दिखा है। अमेरिका द्वारा टैरिफ दर बढ़ने के बावजूद भी भारत का निर्यात 19.3 फीसदी बढ़कर छह माह के उच्चतम स्तर 38.13 अरब डॉलर पर पहुंचा है और व्यापार घाटा पांच माह के निचले स्तर पर 24.53 अरब डॉलर पर पहुंचा है, जबकि आयात 1.88 फीसदी घटकर 62.66 अरब डॉलर रह गया है। विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि और आर्थिक सुधारों से बेरोजगारी दर अप्रैल माह के बाद घटकर नवंबर में 4.7 फीसदी रह गई है, जैसा कि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के सर्वे इंगित कर रहे हैं।

अर्थव्यवस्था कि यह वृद्धि सिर्फ शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, इसका ग्रामीण इलाकों में भी व्यापक प्रभाव दिख रहा है। ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं की भी क्रय शक्ति में खासा इजाफा हो रहा है, जैसा कि नाबार्ड के आठवें ग्रामीण आर्थिक स्थिति एवं मत सर्वेक्षण (आरईसीएसएस) इशारा कर रहे हैं कि पिछले एक वर्ष में ग्रामीण क्षेत्रों में मांग में उल्लेखनीय सुधार, आय में बढ़ोतरी और जीवन स्तर में बेहतर बदलाव के स्पष्ट संकेत मिले हैं। नाबार्ड के अध्ययन से पता चलता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष खपत की रफ्तार तेज रही है और इसके और बढ़ने की उम्मीद है।

सोशल फोरम

कला के दो दिग्गज भाई बलराज और भीष्म

रंजन शर्मा
रिटायर ऑफिसर

बलराज साहनी और भीष्म साहनी : दो भाई, दो दिग्गज। कुछ रिश्ते सिर्फ खून के नहीं होते, वो इतिहास रचते हैं। बलराज साहनी और भीष्म साहनी ऐसे ही दो नाम हैं, जिन्होंने भारतीय सिनेमा और साहित्य को एक नई दिशा दी। बलराज साहनी, भारतीय सिनेमा के सबसे सशक्त और सहज अभिनेताओं में से एक थे। ‘दो बीघा जमीन’ का संघर्षशील किसान हो या ‘काबुलीवाला’ की इंसानियत, या ‘वक्त’ का ज़िम्मेदार पिता- उन्होंने हर किरदार को जीवन से भर दिया। उनकी आखिरी फिल्म ‘गर्म हवा’ आज भी विभाजन की त्रासदी को सबसे मार्मिक ढंग से दिखाती है। वे केवल एक अभिनेता नहीं, बल्कि एक चिंतक, लेखक और समाज के लिए आवाज़ उठाने वाले इंसान थे।

भीष्म साहनी, छोटे भाई, लेकिन साहित्य की दुनिया के विशाल स्तंभ। उपन्यास ‘तमस’ ने जैसे भारत के बंटवारे की पीड़ा को शब्दों में उकेर दिया। उन्होंने आम आदमी की कहानियों को गहराई और सच्चाई के साथ कहा। सिर्फ लेखक नहीं, मंच और फ़िल्मों के भी उम्दा कलाकार थे। ‘मोहन जोशी हाज़िर हों!’ और ‘मिस्टर एंड मिसेज अय्यर’ जैसी फिल्मों में उनका अभिनय भी यादगार रहा।

एक ने परदे पर कहानियां जीवंत कीं, तो दूसरे ने काग़ज़ पर, लेकिन दोनों के दिलों में एक ही आग थी- सच्चाई को सामने लाने की, समाज को जगाने की। इन दो महान आत्माओं की विरासत हमें आज भी प्रेरणा देती है। यही सच्ची कला की ताक़त है।

सामयिकी

युद्ध में आम इंसानों को निशाना बनाने पर चिंता

मौजूदा दौर में समूची दुनिया में लगातार गहराती हिंसा, युद्ध, जातीय संघर्ष और धार्मिक उन्माद चिंता का विषय बने हुए हैं। कई देशों में आम नागरिक सीधे निशाने पर हैं, कहीं घर उजड़ रहे हैं और कहीं सत्ता के संघर्ष में निर्दोष लोग बलि चढ़ रहे हैं। इस वैश्विक चिंता के दौर में हाल ही में जनसंहार की रोकथाम का जिम्मा संभालने के लिए संयुक्त राष्ट्र में नव नियुक्त सलाहकार चलोका बेयानी ने पूरी दुनिया को आगाह करते हुए कहा कि अनेक देशों में टकरावों और युद्धों के दौरान आम लोगों को जानबूझ कर निशाना बनाए जाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जिससे अत्याचार और गंभीर मानवाधिकार अपराधों का जोखिम तीव्र गति से बढ़ा है। उन्होंने नौ दिसंबर को जनसंहार के भुक्तभोगियों की समृति व गरिमा और इस अपराध की रोकथाम के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर इस बात पर भी चिंता जताई है कि अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के प्रति सम्मान में आ रही गिरावट एक बेहद खतरनाक संकेत है।

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

बेयानी की यह चेतावनी एक ओर जहां समस्या की गंभीरता को दर्शाने वाली है, वहीं पूरी मानवता के सामने संकट को व्यापक रूप में प्रस्तुत करती है। इसी के साथ यह तथ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि भारत को लेकर विश्व के किसी भी मंच पर इस प्रकार की कोई आशंका व्यक्त नहीं की गई है। इस बात पर हर देशवासी को गर्व होना चाहिए कि समूचा विश्व आज भी भारत को एक ऐसे देश के रूप में देखता है, जहां विविध संस्कृतियों, भाषाओं, खान-पान, जाति-धर्मों के बावजूद परस्पर सहयोग, शांति, समन्वय और लोकतांत्रिक संतुलन कायम है।

दुनिया में हमारा देश ही ऐसा है, जहां सैकड़ों भाषाएं, अनेक धर्म, दर्जनों जातियां और अनगिनत सांस्कृतिक धाराएं एक साथ बहती चली आ रही हैं। अनेक विविधताओं के बावजूद हमारा समाज आज भी सहअस्तित्व, भाईचारे और सहयोग की भावना को अपने में समेटे हुए है। हमारे गांवों से लेकर शहरों तक, सबका अलग पहनावा है। अलग बोली है। अपने-अपने त्योहार हैं। अलग खान-पान है, फिर भी सब एकजुटता से परिवार, समाज और देश को आगे बढ़ाने में जुटे हुए हैं। इसी मजबूत आधार पर देश खड़ा है और यह संदेश देता प्रतीत होता है कि अगर दृढ़ इच्छा हो तो विविधता को भी सबसे बड़ी ताकत बनाया जा सकता है।

इस बात को स्वीकारना होगा कि बीते कुछ सालों में देश के कुछ हिस्सों से हिंसा और सामाजिक तनाव की चंद घटनाएं सामने आई हैं। कहीं भीड़ के हाथों किसी की जान गई है। कहीं धार्मिक पहचान को लेकर आंशिक टकराव की स्थिति बनी है। कहीं उत्तेजक बयान देने वालों ने सामाजिक एकता में विष घोलने का प्रयास किया है, मगर ऐसी घटनाओं की संख्या, उनका प्रभाव और उनके फैलाव को हम भारत की विशाल जनसंख्या और व्यापक सामाजिक ढांचे के संदर्भ में देखें तो यह कोई बड़ी बात नजर नहीं आती। हमारा संविधान इस मामले में देश की ढाल बना हुआ है, जो प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, समान सुरक्षा और समान अवसर की गारंटी देता है।

संयुक्त राष्ट्र सलाहकार बेयानी ने यह भी स्पष्ट किया है कि जब किसी क्षेत्र में इन जोखिमों का स्वरूप लगातार हिंसक होने लगता है, तब उनका कार्यालय चेतावनियां जारी करता है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय स्थापित किया जाता है। इस प्रक्रिया में संयुक्त राष्ट्र के साथ-साथ अफ्रीकी संघ, यूरोपीय संघ जैसे क्षेत्रीय संगठनों और अन्य अंतर्राष्ट्रीय प्रणालियों से भी निकट संपर्क रखा जाता है। वह कहते हैं कि जब एक बार खतरे की घंटी बज जाती है, तो इसका अर्थ यह होता है कि संकट अपनी सीमा लांघने के बेहद करीब पहुंच चुका है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

सूर्य चिकित्सा

खरी है आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर

आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा में धूप स्नान या सूर्य की किरणों से उपचार की परंपरा हजारों वर्ष पुरानी है, जिसे आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर भी खरा पाया गया है। युवा वैज्ञानिक और शोधार्थी डॉ. प्रभात उपाध्याय ने इस विषय पर गहराई से अध्ययन किया तो सुखद व आश्चर्यजनक परिणाम सामने आए हैं। प्रकाश चिकित्सा विज्ञान (मेडिकल साइंस) में क्रांतिकारी हथियार के रूप में उभर रहा है। इसे फोटोमेडिसिन या प्रकाश चिकित्सा कहा गया है, जिससे प्रकाश की किरणें बीमारियों से लड़ने के लिए इस्तेमाल की जा रही हैं। यह न केवल त्वचा की समस्याओं का इलाज करती है, बल्कि मांसपेशियों को मजबूत करने, आंतों के सूक्ष्म जीवों को संतुलित करने और यहां तक कि कैंसर जैसी जटिल बीमारियों पर नियंत्रण पाने में सहायक सिद्ध हो रही है। शोधार्थी डॉ. उपाध्याय के शोध ने आंतों के सूक्ष्म जीवों और मांसपेशियों के बीच के रहस्य को उजागर किया है। साथ ही प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति से जुड़ाव और भारत में इसके उपयोगी अनुप्रयोगों पर विस्तार से बताया है। हाल ही में प्रकाशित शोध 'प्रकाश संवर्धन द्वारा आंतों के सूक्ष्म जीवों के माध्यम से मांसपेशियों को मजबूत करना' ने फोटो मेडिसिन को एक नई दिशा दी है। यह अध्ययन लखनऊ विश्वविद्यालय और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के शोधार्थी डॉ. प्रभात उपाध्याय और उनके सहयोगियों द्वारा किया गया। -मार्कण्डेय पाण्डेय

आधुनिक फोटो मेडिसिन का प्रारंभ

भारत में हजारों वर्ष से सूर्य चिकित्सा की विभिन्न प्रणालियां प्रचलित हैं, लेकिन आधुनिक दौर में 1970 के दशक में अमेरिका के मैसाचुसेट्स में लेजर तकनीक सामने आई। यहां पर स्थित वेलमैन सेंटर ने इसे चिकित्सा क्षेत्र में इसका प्रयोग शुरू किया। अब यह सेंटर विश्व का सबसे बड़ा शैक्षणिक अनुसंधान केंद्र है, जो प्रकाश के जीवविज्ञान और चिकित्सा पर प्रभावों की जांच करता है। यहां प्रकाशिकी, फोटॉनिकी, अभियंत्रण, रसायन विज्ञान, भौतिकी और उन्नत जैविक तकनीकों पर शोध चल रहे हैं। इस केंद्र के अनुसंधान से विकसित 26 से अधिक चिकित्सीय नवाचार वर्तमान में उपयोग में हैं। इनमें लगभग 20 प्रमुख प्लेटफॉर्म तकनीकें शामिल हैं, जिनके अनेक अनुप्रयोग हैं और 40 से अधिक स्टार्टअप कंपनियां इन पर आधारित हैं। उदाहरण के तौर पर लेजर द्वारा बाल हटाने, टैटू मिटाने, ऊतक मरम्मत (झुर्रियां, निशान और त्वचा की रंगत सुधारने) जैसी तकनीकें अब सामान्य चिकित्सा का हिस्सा बन चुकी हैं।

शोध में निकले नतीजे

- गैर-आक्रामक फोटो बायोमॉडुलेशन थेरेपी मांसपेशी सहनशक्ति बढ़ाती है।
- पेट पर प्रकाश लागू करने से आंत मांसपेशी अक्ष पुनर्गठित होता है।
- यह उपचार तीव्र व्यायाम से बिगड़े आंत माइक्रोबायोटा को संतुलित करता है।
- शॉर्टचेन फैटी एसिड उत्पादक बैक्टीरिया को बढ़ाता है।
- रोगजनक जीवाणुओं को घटाता है और जैव-विविधता में वृद्धि करता है।
- इससे मांसपेशियों की थकान घटती है और माइटोकॉन्ड्रिया की ऊर्जा उत्पादन क्षमता बढ़ती है।
- पहली बार सिद्ध हुआ है कि बाहरी प्रकाश बिना किसी औषधि या शल्य-प्रक्रिया के आंतों के सूक्ष्मजीवों को प्रभावित कर सकता है। यह खोज आयुर्वेद की "सूर्य चिकित्सा" की आधुनिक पुनर्व्याख्या के समान है।

प्राचीन ज्ञान व आधुनिक विज्ञान का संगम

भारत में प्रकाश चिकित्सा का इतिहास प्राचीन है। आयुर्वेद में सूर्य चिकित्सा या सूर्योपासना का उल्लेख मिलता है, जिसमें सूर्य की किरणों से शरीर के दोषों- वात, पित्त और कफ को संतुलित करने की विधियां बताई गई हैं। 'त्राटक' जैसी विधियां, जहां दीपक की लौ पर दृष्टि केंद्रित की जाती है। यह सभी विधियां आधुनिक फोटोथेरेपी के सिद्धांतों से मेल खाती हैं। हाल के अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि सूर्य प्रकाश शरीर के चक्रों को सक्रिय कर ऊर्जा संतुलन स्थापित करता है, जो फोटो बायोमॉडुलेशन के सिद्धांतों के समान है।

भारत में सस्ता, सुरक्षित चिकित्सा विकल्प

भारत में जहां लगभग 70 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण है, फोटो मेडिसिन विशेष रूप से उपयोगी हो सकती है। प्रकाश आधारित उपचार गैर आक्रामक हैं, इनमें न दर्द है न दवा का दुष्प्रभाव। उपकरण भी किफायती हैं। साधारण एलईडी युक्त चिकित्सा उपकरण 5 हजार से 10 हजार रुपये तक में उपलब्ध हैं। यह चिकित्सा विधि वृद्धावस्था में मांसपेशी कमजोरी, आंत-संबंधी विकार, थकान, मधुमेह और संक्रमण जैसी स्थितियों में सहायक सिद्ध हो सकती है। व्यायाम के साथ इनका प्रयोग मांसपेशियों की पुन:स्थापना की गति को लगभग 30 प्रतिशत तक बढ़ा सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह घाव भरने और संक्रमण नियंत्रण के लिए भी उपयोगी सिद्ध हो सकती है। डॉ. प्रभात उपाध्याय जैसे शोधकर्ता इस क्षेत्र में वैज्ञानिक दृष्टि से योगदान के साथ आयुर्वेदिक परंपराओं को आधुनिक प्रमाणों से जोड़ रहे हैं। भारत में प्रकाश चिकित्सा करोड़ों लोगों के लिए सुलभ, सस्ती और सुरक्षित स्वास्थ्य प्रणाली का रूप ले सकती है। वास्तव में प्रकाश ही भविष्य है, भारत उसका उज्ज्वल अध्याय लिखने की दहलीज पर है।

लेजर कृत्रिम प्रकाश पर आधारित है आधुनिक विज्ञान

आधुनिक विज्ञान लेजर और कृत्रिम प्रकाश पर केंद्रित है, वहीं आयुर्वेद प्राकृतिक प्रकाश को उपचार का साधन मानता है। त्रिफला जैसी औषधियों के साथ प्रकाश चिकित्सा का संयोजन भविष्य की समग्र (होलिस्टिक) चिकित्सा प्रणाली का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

जंगल की दुनिया

सिवेट पाम: भारत का रहस्यमयी निशाचर जीव

भारत की समृद्ध जैव-विविधता में सिवेट पाम एक ऐसा स्तनधारी है, जिसके बारे में आम लोगों को बहुत कम जानकारी है। यह भारत में पाई जाने वाली सबसे व्यापक सिवेट प्रजातियों में से एक है। अत्यधिक शुष्क पश्चिमी क्षेत्रों को छोड़कर यह लगभग पूरे देश में पाई जाती है। जंगलों के साथ-साथ ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में भी इसकी मौजूदगी देखी गई है। अपने निशाचर स्वभाव के कारण यह दिन में छिपी रहती है और रात के समय सक्रिय होकर भोजन की तलाश में निकलती है।

सिवेट पाम को ताड़ के फलों के प्रति विशेष लगाव होता है, इसी वजह से इसका नाम सिवेट पाम पड़ा। हालांकि इसे आम बोलचाल में सिवेट कैट या टॉडी कैट कहा जाता है, लेकिन यह बिल्ली परिवार का सदस्य नहीं है। इसका शरीर लंबा और पतला होता है, चेहरे पर नुकीली बनावट और लंबी, घनी पूंछ इसकी पहचान है। इसकी चाल-ढाल और फुर्ती इसे अन्य छोटे मांसाहारी जीवों से अलग बनाती है। इस प्रजाति की एक खास बात यह है कि यह मानव बस्तियों के आसपास भी आसानी से रह लेती है। पारंपरिक घरों की छप्पर वाली छतें, पुराने गोदाम, सूखी नालियां, बाहरी शौचालय और सुनसान कोने इसके पसंदीदा आश्रय स्थल होते हैं। दिन के समय यह इन्हीं स्थानों में छिपकर आराम करती है और रात ढलते ही भोजन की खोज में निकल पड़ती है। इसका भोजन मुख्य रूप से फल, कीड़े-मकोड़े और छोटे जीव होते हैं। निशाचर और अत्यंत सतर्क स्वभाव के कारण सिवेट पाम को प्रत्यक्ष रूप से देख पाना मुश्किल होता है। यही वजह है कि वन्यजीव विशेषज्ञ इसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए कैमरा ट्रैप और दूरस्थ निगरानी उपकरणों का सहारा लेते हैं। इन अध्ययनों से पता चलता है कि यह जीव पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। फलों को खाने के बाद बीजों को अलग-अलग स्थानों पर छोड़कर यह प्राकृतिक रूप से वनस्पतियों के प्रसार में योगदान देता है।

आज बदलते पर्यावरण, आवासों के नष्ट होने और मानवीय गतिविधियों के कारण सिवेट पाम के प्राकृतिक ठिकानों पर दबाव बढ़ रहा है। इसके बावजूद यह जीव मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व का एक अनोखा उदाहरण है। सिवेट पाम का संरक्षण न केवल इस प्रजाति के लिए, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी संतुलन को बनाए रखने के लिए भी अत्यंत आवश्यक है।

पृथ्वी की है एक चुंबकीय पूंछ

सुनकर अजीब लगता है कि पृथ्वी की एक पूंछ भी है और यह बहुत लंबी है। यह चुंबकीय पूंछ अंतरिक्ष में 20 लाख किलोमीटर लंबाई में फैली हुई है। यह पूंछ नंगी आंखों से दिखाई नहीं देती, लेकिन अंतरिक्ष में घूमने वाले हमारे उपग्रह और दूरबीन इसे देख सकते हैं। सौर मंडल में हमारी पृथ्वी ब्रह्मांडीय वातावरण की ताकतों के साथ कैसे अपना अस्तित्व कायम रखती है, यह पूंछ के बारे में वैज्ञानिक जानकारी जुटाने से मालूम होता है। पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र या मैग्नेटोस्फीयर एक कुदरती फिनॉमिना है, जो हमारे लिए एक अदृश्य ढाल है, जो हमें कॉस्मिक और गामा किरणों के अलावा एक्स-रेज के प्रभाव और सौर-तूफानों से बचाता है। इस चुंबकीय क्षेत्र के परिणामस्वरूप पृथ्वी के उत्तरी अक्षांशों में नीली-पीली रौशनी अर्थात ऑरोरा दिखने की शानदार ब्रह्मंडलीय घटनाएं होती हैं।

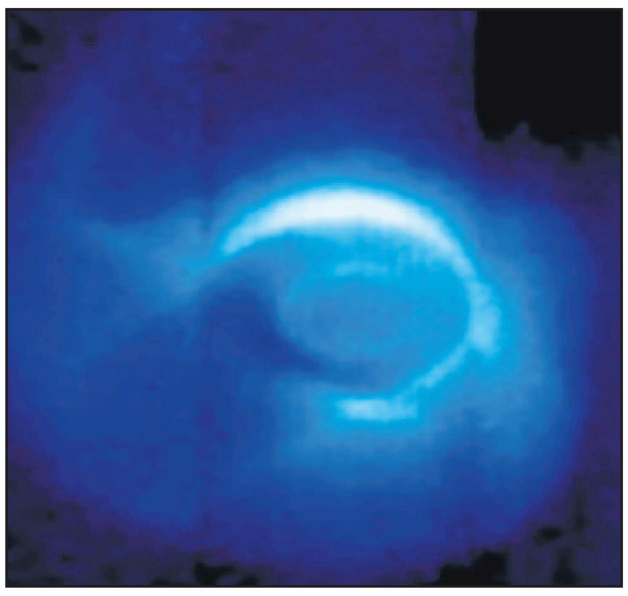

रणबीर सिंह
विज्ञान लेखक

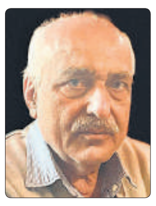

पृथ्वी के मैग्नेटोस्फीयर

मैग्नेटोस्फीयर पृथ्वी के बाहरी कोर के अंदर पिघली हुई धातुओं की गति अर्थात डायनामिक्स ऑफ अर्थ्स मैटेलिक कोर के कारण बनता है। यह चुंबकीय क्षेत्र सूर्य की सतह के नीचे मौजूद प्लाज्मा से बाहर की तरफ तेज आंधी के तरह निकलने वाले आवेशित ऊर्जा कणों सोलर कोरोनल मॉस इजेक्शन को फंसाता और निर्देशित करता है। पृथ्वी का अपना एक चुंबकीय क्षेत्र है, यह अच्छी तरह से ज्ञात है, लेकिन इस बाबत पूरे तौर से मालूम नहीं कि हमारे ग्रह और चुंबकीय क्षेत्र का रिश्ता कितना गहरा है और यह पूंछ की शक्ल में क्यों दिखाई देता है? इसकी वास्तविकता अब उन्नत अंतरिक्ष अन्वेषी उपकरणों द्वारा इसे देखे और दर्ज किए जाने के बाद ही मालूम हुई। अब यह अनेक खगोल विज्ञानियों का ध्यान आकर्षित कर रही है ताकि इसकी प्रकृति और भूमिका के बारे में अधिक तथ्य जुटाए जा सकें।

धूमकेतु या अन्य खगोलीय पिंडों पर देखी जाने वाली पूंछों के विपरीत, पृथ्वी की पूंछ अदृश्य और बहुत कम स्पष्ट है। यह पूंछ प्लाज्मा से बनी है, जो चार्ज कणों से बनी एक गैस है और जिसे मैग्नेटोस्फीयर पकड़ लेता है। जैसे ही सौर विकिरण या पवन पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र से टकराता है वे इस पृथ्वी के पिघले हुए मैटेलिक कोर प्लाज्मा को पीछे धकेलती हैं। इसी के प्रभाव से एक पूंछ बनती है, जो लाखों किलोमीटर तक खिंच जाती है।

पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र और सौर हवा के बीच इंटरैक्शन का के परिणाम को हम एक बूंद की उपमा से समझ सकते हैं। सौर हवा पृथ्वी के मैग्नेटोस्फीयर को एक आंसू के आकार में बदल देती है, जिसकी पूंछ पीछे की ओर फैली होती है। इससे अंतरिक्ष में एक जटिल और गतिशील संरचना बनती है, जोकि बहुत सुंदर दिखती है। इस विशाल संरचना को औपचारिक रूप से मैग्नेटोटेल नाम दिया गया है। यह पूंछ पृथ्वी ग्रह के वायुमंडल से बहुत दूर तक फैला हुआ है। यह स्थिर भी नहीं है और सौर-पवन की तीव्रता और दिशा परिवर्तन की वजह से लहराता भी है। अर्थात सौर हवाओं की ताकत के आधार पर यह पूंछ अपना आकार बदलती है। सौर हवा सूर्य से निकलने वाले चार्ज्ड कणों का एक निरंतर प्रवाह है, जोकि कभी तेज, कभी बहुत तेज और कभी अत्यंत प्रबल हो जाता है। जब ये कण पृथ्वी के मैग्नेटोस्फीयर के साथ इंटरैक्ट करते हैं, तो वे उतार-चढ़ाव पैदा करते हैं, जिसके परिणाम स्वरूप मैग्नेटोटेल खिंचता और सिकुड़ता है। जब सौर गतिविधि विशेष रूप से तीव्र होती है, जैसे कि सौर ज्वालाओं या कोरोनल मास इंजेक्शन के दौरान, तो मैग्नेटोटेल में काफी बदलाव हो सकता है। दशकों के अंतरिक्ष अन्वेषण के बावजूद, मैग्नेटोटेल की वास्तविक प्रकृति हमारे ग्रह की अंतरिक्ष के साथ सक्रिय होने के अनजान और रहस्यमय पहलुओं में से एक है।

अनजान और रहस्यमय मैग्नेटोटेल की वास्तविक प्रकृति

जब सोलर एक्टिविटी ज्यादा होती है, जैसे कि सोलर फ्लेयर्स के समय, तो पूंछ में बहुत ज्यादा बदलाव आ सकता है और इससे सैटेलाइट ऑपरेशन, कम्युनिकेशन और यहां तक कि पृथ्वी पर पावर ग्रिड भी प्रभावित हो सकते हैं। मैग्नेटोटेल और सोलर हवा के इंटरैक्शन की डायनामिक्स को समझना स्पेस वेदर का अनुमान लगाने और आधुनिक टेक्नोलॉजिकल सिस्टम को बचाने के लिए बहुत जरूरी है। पूंछ में प्लाज्मा पृथ्वी के रात वाले हिस्से से एक वापसी पैटर्न में सूर्या की तरफ बहता है, जिससे यह अंतरिक्ष में कणों की बहती नदी जैसा दिखता है। प्लाज्मा का सूर्य की ओर वापस प्रवाह एक जटिल प्रणाली का सिर्फ एक हिस्सा है और वैज्ञानिकों का मानना है कि यह पृथ्वी और सूर्य की शक्तियों के बीच संतुलन बनाए रखने में भूमिका निभाता है। हालांकि मैग्नेटोटेल सीधे पृथ्वी पर जीवन को प्रभावित नहीं करता है, लेकिन यह हमारे ग्रह के आसपास के व्यापक अंतरिक्ष परिवेश पर गहरा प्रभाव डालता है। असल में पृथ्वी की मैग्नेटो-शील्ड ही पृथ्वी को नुकसानदायक सौर और कॉस्मिक रेडिएशन से बचाकर धरती पर जीवन को फलने-फूलने देती है। स्पेस वेदर में मैग्नेटोटेल की एक महत्वपूर्ण भूमिका होने का अनुमान है। अभी जोर इस बात पर है कि पृथ्वी की मैग्नेटोटेल की मैपिंग की जाए। इस पूरी स्थिति को लेबोरेटरी में दोहराया गया है। इस तरीके को सिमुलेशन कहते हैं, जिसके नतीजे हमें यह समझने में मदद करते हैं कि मैग्नेटोटेल इन सौर हवा के बदलावों पर कैसे और कितनी तेजी से प्रतिक्रिया करती है। अमेरिका में गोडार्ड स्पेस फ्लाइट सेंटर के कम्युनिटी कोऑर्डिनेटेड मॉडलिंग सेंटर में सौर हवा और पृथ्वी के मैग्नेटोस्फीयर के इंटरैक्शन के लिए मिशिगन विश्वविद्यालय के बीएटीएस-आर-यूएस ग्लोबल मैग्नेटो-हाइड्रोडायनामिक मॉडल को उपर्युक्त सिमुलेशन स्टडी के लिए इस्तेमाल किया गया है। दूर के मैग्नेटोटेल के आकार से जुड़े एक लंबे समय से चले आ रहे सवाल को हल करने के अलावा, सिमुलेशन अध्ययन दिखाता है कि सौर हवा में बदलाव के प्रति इसकी प्रतिक्रिया बहुत तेज होती है। चूंकि मैग्नेटोटेल को नए कॉन्फिगरेशन में बदलने में एक या ज्यादा घंटे लगेंगे, इसलिए 10-15 मिनट की प्रतिक्रिया में कोई दूसरी, तेज प्रक्रिया शामिल होनी चाहिए। परिणाम बताते हैं कि यह प्रक्रिया पृथ्वी के डे-साइड मैग्नेटोपॉज पर मैग्नेटिक रिकनेक्शन है। सौर हवा का प्रवाह नए सिरे से जुड़े इंटरप्लेनेटरी और मैग्नेटोस्फेरिक मैग्नेटिक फील्ड लाइनों को सूर्य से दूर ले जाता है और उन्हें तुरंत मैग्नेटोटेल स्थानों पर जमा कर देता है, जो इनिशियल मॉस फंक्शन ओरिएंटेशन पर निर्भर करते हैं। नतीजतन, मैग्नेटोटेल के आकार, आकृति और संरचना पर भविष्य का काम दूर, डेसाइड मैग्नेटोपॉज पर रिकनेक्शन की प्रकृति के बारे में महत्वपूर्ण सुराग भी प्रदान कर सकता है। इनिशियल मॉस फंक्शन तारों के बनने के समय उनकी आबादी के लिए द्रव्यमान के डिस्ट्रीब्यूशन का वर्णन करता है, जो तारे बनने और गैलेक्सी के विकास को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इनिशियल मॉस फंक्शन एक अनुभवजन्य फंक्शन है, जो किसी दिए गए क्षेत्र में बने तारों के द्रव्यमान के शुरुआती डिस्ट्रीब्यूशन को दिखाता है। इसे आमतौर पर एक प्रोबेबिलिटी डेंसिटी फंक्शन के रूप में व्यक्त किया जाता है, जो तारे के बनने के दौरान एक विशिष्ट द्रव्यमान होने की संभावना को बताता है। इनिशियल मॉस फंक्शन खगोलविदों के लिए जरूरी है, क्योंकि यह अलग-अलग तारों के बनने और विकास को गैलेक्सी बनने और विकास के व्यापक संदर्भ से जोड़ने में मदद करता है।

बिजनेस ब्रीफ

आईसीआईसीआई बैंक को जीएसटी नोटिस जारी

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक को आयकर विभाग ने कम जीएसटी भुगतान को लेकर 238 करोड़ का नोटिस भेजा है। बैंक ने गुरुवार को शेयर बाजार को बताया कि उसे महाराष्ट्र माल एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिनियम, 2017 की धारा 73 के तहत संबंधित प्राधिकरण से एक आदेश मिला, जिसमें 237,90,04,448 रुपये की जीएसटी मांग है। इसमें 216,27,31,316 रुपये कर और 21,62,73,132 रुपये जुर्माना है। इसमें ब्याज भी है। यह पहले भी ऐसे ही मामले में जारी आदेशों और कारण बताओ नोटिस पर कानूनी लड़ाई लड़ रहा है। हालांकि, इस मामले में राशि अधिक होने के कारण इसकी जानकारी सार्वजनिक की गई है।

पीपीएसएल को काम की आरबीआई ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस की अनुषंगी कंपनी पेटीएम पेमेंट्स सर्विसेज लिमिटेड (पीपीएसएल) को भारतीय रिजर्व बैंक से ऑफलाइन भुगतान और सीमा पार लेनदेन के लिए पेमेंट एग्रीगेटर के रूप में काम करने की अनुमति मिल गई है। केंद्रीय बैंक ने पीपीएसएल को ऑनलाइन भुगतान की पिछले महीने अनुमति दे दी थी। पेटीएम ने गुरुवार को शेयर बाजार को बताया कि आरबीआई ने 17 दिसंबर को पीपीएसएल को ऑफलाइन भुगतान एवं सीमा-पार लेनदेन के लिए भुगतान एग्रीगेटर के रूप में संचालन की अनुमति प्रदान की।

ग्रामीण बैंकों के लिए नया प्रतीक चिह्न जारी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) के लिए नया प्रतीक चिह्न गुरुवार को जारी किया। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग ने एक राज्य एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के सिद्धांत पर, 11 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में स्थित 26 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) का एकीकरण किया है, जो एक मई 2025 से प्रभावी हो गया। यह सुधार अधिक सशक्त एवं कुशल आरआरबी के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वर्तमान में 28 आरआरबी 700 से अधिक जिलों में 22,000 से अधिक शाखाओं के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं। यह ग्रामीण समुदायों की सेवा करने वाली इन संस्थाओं की पहचान और दृश्यता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एनटीपीसी का 244 गीगावाट का लक्ष्य

नई दिल्ली। बिजली कंपनी एनटीपीसी 2037 तक 244 गीगावाट के लिए सात लाख करोड़ रुपये व्यय करेगी। एनटीपीसी ने गुरुवार को कहा कि कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) गुरदीप सिंह ने ऋणदाताओं की बैठक में कंपनी की वृद्धि और विस्तार योजनाओं को साझा किया। एनटीपीसी ने कहा कि उसकी 32 गीगावाट क्षमता विभिन्न निर्माण चरणों में है। कंपनी ने 2032 में 149 और 2037 में 244 गीगावाट का लक्ष्य तय किया है।

भारत, ओमान ने बने साझेदार, श्रम प्रधान क्षेत्र शुल्क मुक्त

वस्त्र, कृषि उत्पाद तथा चमड़े के सामान सहित भारत के 98% निर्यात ओमान में होंगे शुल्क मुक्त

- उद्योग मंत्री गोयल और ओमान के मंत्री कैस बिन मोहम्मद अल यूसुफ ने किए हस्ताक्षर
- भारतीय निर्यातकों को पश्चिम एशियाई क्षेत्र में विविधतापूर्ण निर्यात में मिलेगा मदद

मस्कट, एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी के सामने समझौते पर हस्ताक्षर करते केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और ओमान के मंत्री कैस बिन मोहम्मद अल यूसुफ।

भारत और ओमान ने गुरुवार को मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत वस्त्र, कृषि उत्पाद तथा चमड़े के सामान सहित भारत के 98 प्रतिशत निर्यात को ओमान में शुल्क मुक्त पहुंच प्रदान की जाएगी। यह समझौता ऐसे समय में हो रहा है जब भारत को अमेरिका में भारी शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। यह समझौता भारतीय निर्यातकों को पश्चिम एशियाई क्षेत्र में अपने निर्यात को विविधतापूर्ण बनाने में मदद करेगा, जो अफ्रीका और यूरोप का प्रवेश द्वार है।

व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ओमान के वाणिज्य, उद्योग और निवेश संवर्धन मंत्री कैस बिन मोहम्मद अल यूसुफ ने मस्कट में हस्ताक्षर किए। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक मौजूद थे। इस समझौते के 2026 की पहली तिमाही तक लागू होने की संभावना है। समझौते अनुसार, ओमान ने अपनी कुल शुल्क दरों की 98.08% श्रेणियों पर शून्य-शुल्क की पेशकश की है। इसमें ओमान को होने वाले भारत के 99.38% निर्यात है। रत्न एवं आभूषण, वस्त्र, चमड़ा, जूते, खेल सामग्री, प्लास्टिक, फर्नीचर, कृषि उत्पाद, इंजीनियरिंग उत्पाद, औषधि, चिकित्सा उपकरण और मोटर वाहन सहित सभी प्रमुख श्रम-प्रधान क्षेत्रों को शुल्क समाप्ति का लाभ मिलेगा। वर्तमान में ओमान में इन पर 5 से 100% तक आयात शुल्क लगता है। दूसरी ओर भारत अपनी कुल शुल्क श्रेणियों (12,556) में से 77.79% पर शुल्क उदारीकरण की पेशकश कर रहा है। इसमें मूल्य के आधार पर ओमान से होने वाले भारत के 94.81% आयात है। ओमान के लिए जिन उत्पादों में निर्यात रुचि है और जो भारत के लिए संवेदनशील हैं, वहां अधिकांश मामलों में शुल्क-दर कोटा (टीआरक्यू) आधारित शुल्क उदारीकरण की पेशकश की गई है।

ओमान में कंपनियों में आधे कर्मचारी होंगे भारतीय

समझौते के तहत खाड़ी देश ओमान में कार्यरत भारतीय कंपनियों के लिए नियमों में ढील दी गई। इससे कंपनियों को कुल कर्मचारियों में से 50% को भारत स्थित कार्यालय से नियुक्त की अनुमति होगी। यह प्रावधान सीईपीए का हिस्सा है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि सीईपीए की प्रमुख विशेषता भारतीय पेशेवरों के लिए आवाजाही की बेहतर व्यवस्था है। ओमान ने पहली बार पेशेवरों के आने-जाने (मोड 4) के नियमों में कई नई सुविधाएं दी हैं। इसके तहत कंपनियों के कर्मचारियों के लिए ओमान में काम करने का कोटा 20 से बढ़ाकर 50% कर दिया गया है। साथ ही संविदा आधार पर सेवा आपूर्तिकर्ताओं को 90 दिनों के बजाय दो साल तक ओमान में रहने की अनुमति मिलेगी और इसमें दो साल के और विस्तार की संभावना है।

निर्यातकों के लिए नए अवसर : फियो

नई दिल्ली। निर्यातकों का शीर्ष निकाय फियो ने कहा कि भारत और ओमान के बीच समझौता भारतीय निर्यातकों के लिए नया अवसर है और यह भारत के माल और सेवाओं के निर्यात की प्रतिस्पर्धी क्षमता को मजबूत करेगा। फियो के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा कि यह समझौता भारत के माल और सेवाओं के निर्यात की प्रतिस्पर्धा को मजबूत करेगा।

खाड़ी में रणनीतिक मौजूदगी होगी मजबूत : उद्योग

नई दिल्ली। उद्योग जगत ने कहा कि भारत और ओमान के बीच एफटीए न केवल व्यापारिक अवसर और निर्यात बढ़ाएगा, बल्कि खाड़ी देश में भारत की रणनीतिक मौजूदगी को भी मजबूत करेगा। उद्योग मंडल सीआईआई के महासचिव चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि हम इस समझौते का स्वागत करते हैं। यह भारत की आर्थिक भागीदारी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। फिक्की के अध्यक्ष अनंत गोयनका ने कहा कि यह पश्चिम एशिया के साथ भारत की आर्थिक भागीदारी को मजबूत बनाने वाला समझौता है। यह व्यापार और निवेश को बढ़ावा देगा। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि ओमान के साथ समझौता भारत के लिए बड़ी व्यापारिक सफलता से कहीं अधिक रणनीतिक मजबूती है, क्योंकि इसका उद्देश्य बाजार तक पहुंच, पेशेवर गतिशीलता और महत्वपूर्ण समुद्री एवं ऊर्जा गलियारे में नई दिल्ली के प्रभाव को मजबूत करना है।

ओमान ने 127 उप-क्षेत्रों में किए नियम आसान

सेवा क्षेत्र में ओमान ने 127 उप-क्षेत्रों में नियम आसान किए हैं। खाड़ी देश ने कंप्यूटर से संबंधित सेवाओं, व्यापार और पेशेवर सेवाओं, ऑडियो-विजुअल, अनुसंधान एवं विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं सहित कई क्षेत्रों में विस्तार किया है। कंप्यूटर संबंधी सेवाओं में सॉफ्टवेयर और आईटी प्रणाली का विकास, रखरखाव और प्रबंधन शामिल है। पेशेवर सेवाओं में लेखांकन, कराधान, वास्तुकला, इंजीनियरिंग, शहरी नियोजन, चिकित्सा, दंत चिकित्सा, पशु चिकित्सा, नर्सिंग और दाई सेवाएं हैं। इन प्रतिबद्धताओं से भारतीय सेवा प्रदाताओं के लिए महत्वपूर्ण नए अवसर खुलने, उच्च मूल्य वाले रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलने और दोनों देशों के बीच वाणिज्यिक जुड़ाव के विस्तार में सहायता मिलने की उम्मीद है।

भारत की दवाएं ओमान में होंगी शुल्क-मुक्त

भारत के दवा निर्यात को ओमान में मजबूती मिल सकती है, क्योंकि ओमान प्रमुख तैयार दवाओं और टीकों को शुल्क-मुक्त करेगा और घरेलू उत्पादों के लिए नियामक अनुमोदनों में तेजी लाएगा। पेनिसिलिन, स्ट्रेप्टोमाइसिन, टेट्रासाइक्लिन और एरिथ्रोमाइसिन जैसे मुख्य रसायन या कच्चा माल (एपीआई) को भी ओमान में बिना शुल्क के पहुंच मिलेगी। जिन दवाओं और उत्पादों को अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन, यूरोप की यूरोपियन मेडिसिन्स एजेंसी, ब्रिटेन की मेडिसिन्स एंड हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स रेगुलेटरी एजेंसी और ऑस्ट्रेलिया की थेरेप्यूटिक गुड्स एडमिनिस्ट्रेशन से मंजूरी मिल चुकी है, उन्हें बिना किसी पूर्व निरीक्षण के 90 दिनों के भीतर तेज प्रक्रिया के तहत बाजार में बिक्री की अनुमति दी जाएगी, बशर्ते सभी आवश्यक दस्तावेज जमा किए जाएं।

पहली बार समझौते में पारंपरिक औषधियां शामिल

ओमान के साथ हुए एफटीए में पहली बार भारत की पारंपरिक औषधियों को शामिल किया गया है। इससे खाड़ी देशों में आयुष उत्पादों के लिए बाजार पहुंच बढ़ेगी। समझौते का महत्वपूर्ण पहलू ओमान की पारंपरिक चिकित्सा के प्रति प्रतिबद्धता है, जो आपूर्ति के सभी तरीकों तक विस्तारित है। यह किसी भी देश द्वारा की गई पहली व्यापक प्रतिबद्धता है और इससे भारत के आयुष और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों को खाड़ी क्षेत्र में अपनी ताकत दिखाने का महत्वपूर्ण अवसर मिलेगा। आयुष मंत्रालय ने भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहल शुरू की हैं। भारत का कुल आयुष निर्यात 2014 में 1.09 अरब डॉलर था, जो 2020 में बढ़कर 1.54 अरब डॉलर हो गया।

डेयरी, सोना-चांदी, फुटवियर संवेदनशील सूची में

भारत ने सीईपीए के तहत घरेलू किसानों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के हितों की रक्षा के लिए कई संवेदनशील उत्पादों पर कोई शुल्क रियायत नहीं दी है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि संवेदनशील उत्पादों को छूट से बाहर रखा गया है। इसमें डेयरी एवं कृषि उत्पाद, चाय, कॉफी, रबर, तंबाकू उत्पाद, सोना-चांदी का बुलियन एवं आभूषण और जूते-चप्पल, खेल सामान और कई मूल धातुओं के स्क्रैप हैं। इन उत्पादों पर शुल्क रियायत नहीं दी गई है। शुल्क-दर कोटा (टीआरक्यू) व्यवस्था के तहत एक तय मात्रा (कोटा) तक आयात पर कम या शून्य शुल्क लागू होता है, जबकि उस सीमा से अधिक आयात होने पर सामान्य शुल्क देना होता है। इस श्रेणी में खजूर, संगमरमर एवं पेट्रोकेमिकल उत्पाद शामिल किए गए हैं।

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद भी शुल्क-मुक्त

एफटीए के तहत प्राकृतिक शहद, काजू, आलू, बोनलेस मीट और बेकरी उत्पाद जैसे भारत के कई कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद खाड़ी देश में बिना किसी शुल्क के बिक सकेंगे। ओमान ने पनीर, दही, दूध और क्रीम, फ्रोजन फिश, मक्खन, मांस, योगर्ट, ब्रेड, पेस्ट्री, केक, चॉकलेट, चीनी से बने उत्पाद और मिनरल वाटर जैसे प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों और पशु और वनस्पति वसा एवं तेलों पर शुल्क हटाने की पेशकश की है।

भारत में यूपीआई से लेन-देन में 33.5% की वृद्धि

कोलकाता, एजेंसी

- वर्ल्डलाइन इंडिया के अनुसार 2025 की तीसरी तिमाही में डिजिटल पेमेंट क्षेत्र में तेजी

भारत के डिजिटल पेमेंट क्षेत्र में काफी तेजी से विकास हो रहा है। इस बात का खुलासा वर्ल्डलाइन इंडिया ने किया है। वर्ल्डलाइन इंडिया ने गुरुवार को डेटा से भरपूर संक्षिप्त विवरण जारी किया, जिसमें 2025 की तीसरी तिमाही में देश के डिजिटल पेमेंट क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास को दर्शाया गया।

इसमें यूपीआई के जरिये लेन-देन की संख्या सालाना 33.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 59.33 अरब हो गई है। यह विवरण वर्ल्डलाइन की प्रमुख इंडिया डिजिटल पेमेंट्स रिपोर्ट का ही एक विस्तार है, जो इस तिमाही में पेमेंट कर्ताओं के बारे में समय पर जानकारी देता है। इस एनालिसिस में यूपीआई के लगातार दबदबे, क्यूआर-आधारित व्यापार स्वीकृति में तेज़ी से बढ़ोतरी, कार्ड जारी करने में लगातार ग्रोथ और मेट्रो शहरों तथा उभरते भारत दोनों में डिजिटल अपनाने में गहराई को उजागर किया गया। क्यू3- 2025 ने दुनिया की सबसे डायनामिक रियल-टाइम पेमेंट अर्थव्यवस्था के रूप में भारत की स्थिति को और मज़बूत किया और कहा कि यहां हर स्कैन, टैप और क्लिक उपभोक्ताओं और कारोबारियों के व्यवहार को बदल रहा है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि यूपीआई ने रिकॉर्ड तोड़ने का सिलसिला जारी रखा, लेन-देन सालाना आधार पर 33.5 प्रतिशत बढ़कर 59.33 अरब हो गया और लेन-देन का मूल्य सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़कर 74.84 लाख करोड़ रुपये हो गया है। व्यक्ति से कारोबारी (पी2एम) लेन-देन व्यक्ति से व्यक्ति (पी2पी) से आगे रहे, जो रोज़मर्रा के खुदरा लेन-देन में यूपीआई के दबदबे को दिखाता है।

भारत में 70.90 करोड़ सक्रिय यूपीआई क्यूआर

रिपोर्ट के अनुसार पी2एम लेन-देन 35 प्रतिशत बढ़कर 37.46 अरब हो गया और पी2पी 29 वृद्धि के साथ 21.65 अरब लेन-देन हो गया है। औसत टिकट साइज़ घटकर 1,262 रुपये (1,363 रुपये से) हो गया, जो रोजमर्रा के सामान, खाना, हेल्थकेयर की ज़रूरी चीज़ों और हाइपरलोकल कॉमर्स जैसे छोटे लेने-देन के लिए बढ़ते इस्तेमाल को दिखाता है। भारत में 70.90 करोड़ सक्रिय यूपीआई क्यूआर हो गए हैं, जो जुलाई 2024 से 21 प्रतिशत ज्यादा हैं। किराना, फार्मेसी, ट्रांसपोर्ट हब और ग्रामीण बाजारों में क्यूआर की व्यापक स्वीकार्यता ने स्कैन-एंड-पे को देश भर में डिफ़ॉल्ट पेमेंट मोड बना दिया है। पीओएस टर्मिनल 35 प्रतिशत बढ़कर 121.2 लाख हो गए (जुलाई 2024-जुलाई 2025), भारत क्यूआर 61.0 लाख पर रहा, जिसमें यूपीआई क्यूआर के दबदबे की ओर बदलाव के बीच मामूली गिरावट देखी गई। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस मामले में निजी बैंक आगे हैं जिनका मार्केट शेयर 84 प्रतिशत था। क्रेडिट कार्ड जारी करने में सालाना 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 1133.9 लाख कार्ड तक पहुंच गया। वहीं, डेबिट कार्ड 1.02 अरब हो गए, जबकि प्रीपेड कार्ड 47.01 करोड़ थे। क्रेडिट कार्ड से लेन-देन में 26 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और इसकी संख्या 1.45 अरब हो गयी, जिसका मूल्य 4.08 लाख करोड़ रुपये था।

सबसे बुरा वक्त बीत गया : एल्बर्स

- इंडिगो के सीईओ बोले 2200 फ्लाइट्स बहाल

मुंबई, एजेंसी

इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने गुरुवार को कर्मचारियों से कहा कि विमानन कंपनी ने परिचालन को सुचारू कर लिया है और सबसे बुरा दौर बीत चुका है।

उन्होंने कहा कि कंपनी का ध्यान अब खुद को मजबूत करने, मूल कारण का विश्लेषण और फिर से वापसी करने पर है। कर्मचारियों को भेजे गए एक वीडियो संदेश में एल्बर्स ने कहा कि व्यवधानों के बाद इंडिगो ने अपनी अधिकतर उड़ान सेवाओं को बहाल कर दिया है। घरेलू विमानन कंपनी में परिचालन संबंधी व्यवधान के कारण इस महीने की शुरुआत में उसकी 5000 उड़ानें रद्द हुईं जिससे हवाई अड्डे पर लाखों यात्रियों को असुविधा और कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। एक समय ऐसा था जब दिन में इसकी 1600 उड़ाने रद्द की जा रही थीं। इंडिगो ने तब से धीरे-धीरे सेवाएं बहाल कर दी हैं। गुरुवार को 2,200 उड़ानें संचालित की गईं। विमानन कंपनी व्यवधान के कारणों की समीक्षा कर रही है। साथ ही प्रभावित ग्राहकों को मुआवजा देते हुए अपने परिचालन को सामान्य करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। एल्बर्स ने कहा, तूफान से निकलकर हम फिर से उड़ान भरने की राह पर हैं। सबसे बुरा दौर बीत चुका है। उन्होंने कहा कि पिछले दो सप्ताह 'बहुत चुनौतीपूर्ण रहे हैं।

इंडिगो के मामले की जांच करेगा प्रतिस्पर्धा आयोग

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने कहा कि उसने प्रतिस्पर्धा नियमों के तहत इंडिगो की हाल ही में बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द होने के मामले की जांच करने का फैसला किया है। प्रतिस्पर्धा आयोग ने कहा कि उसने विमानन क्षेत्र में अलग-अलग मार्ग पर हाल ही में हुई उड़ानों में रुकावटों के संबंध में इंडिगो के खिलाफ दायर जानकारी को संज्ञान में लिया है। सीसीआई ने कहा कि शुरुआती आकलन, आयोग ने प्रतिस्पर्धा कानून के प्रावधानों के अनुसार इस मामले में आगे बढ़ने का फैसला किया है। घरेलू बाजार में 65 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी रखने वाली इंडिगो ने दो दिसंबर से सैकड़ों उड़ानें रद्द कीं, जिससे हजारों यात्रियों को परेशानी हुई। विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए उड़ानों में रुकावटों की जांच कर रहा है और साथ ही इंडिगो के परिचालन की जांच भी बढ़ा रहा है। कुछ लोगों को इस बात की चिंता है कि क्या एयरलाइन की वर्चस्व वाली स्थिति भी एक वजह हो सकती है

प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक में सेबी निदेशक मंडल में 15 सदस्यों का प्रावधान

नई दिल्ली, एजेंसी

- लोकसभा में पेश हुआ प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक

लोकसभा में गुरुवार को पेश किए गए प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक का उद्देश्य भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के नियामकीय व्यवस्था को मजबूत करना है। इस क्रम में सेबी के निदेशक मंडल में सदस्यों की संख्या नौ से बढ़ाकर 15 करने का भी प्रावधान किया गया है। इस विधेयक का मकसद किसी भी अधीनस्थ कानून को पारदर्शी और परामर्श आधारित प्रक्रिया से लागू करना है।

विधेयक में पूंजी बाजार नियामक सेबी के बोर्ड सदस्य को हटाए जाने का नया आधार भी जोड़ा गया है। अगर सदस्य ने कोई वित्तीय या अन्य हित अर्जित किया हो जो उसके कर्तव्यों पर प्रभाव डाल सकता है तो उसे हटाने का प्रावधान किया गया है। सेबी के सदस्यों को किसी भी ''प्रत्यक्ष या परोक्ष'' हित की जानकारी देना जरूरी होगा, जिसमें परिवार के सदस्यों के भी हित शामिल हैं। यदि ऐसे हित से जुड़ा मुद्दा बोर्ड के समक्ष रखा गया हो तो सदस्य को बैठक में भाग लेने से परहेज करना होगा। इस विधेयक को आगे के परामर्श के लिए स्थायी समिति को भेज दिया गया है। यह विधेयक बाजार नियामक सेबी को कुछ अतिरिक्त कार्य भी सौंपने का प्रस्ताव करता है। इनमें प्रदर्शन और कार्यप्रणाली की समीक्षा, नियमों की प्रभावशीलता और आनुपातिकता का मूल्यांकन, कर्मचारियों का क्षमता निर्माण, शोध और समय-समय पर अध्ययन शामिल हैं। इसके अलावा सेबी को कुछ पंजीकरण कार्य बाजार अवसंरचना संस्थानों (एमआईआई) और स्व-नियामकीय संगठनों (एसआरओ) को सौंपने का अधिकार मिलेगा।

मल्टी टाइम फ्रेम शेयर बाजार को समझने का तरीका

मल्टी टाइम फ्रेम शेयर बाजार का महत्वपूर्ण विश्लेषण तकनीक है, जिसमें किसी शेयर या इंडेक्स का अध्ययन एक साथ अलग-अलग समय में किया जाता है। इसका उद्देश्य बाजार को बेहतर तरीके से समझना और सही समय पर खरीद-बिक्री का निर्णय लेना होता है। निवेशक और ट्रेडर छोटे, मध्यम और बड़े टाइम फ्रेम जैसे 5 मिनट, 15 मिनट, डेली या वीकली चार्ट का उपयोग करते हैं। इसके विश्लेषण से बाजार का समग्र रुझान, ट्रेंड और संभावित जोखिम स्पष्ट होता है। यह तकनीक विशेष रूप से नए ट्रेडरों को गलत फैसलों से बचाने में मदद करती है।

सही समय पर निर्णय

शेयर बाजार में सफलता केवल सही शेयर चुनने से नहीं मिलती, बल्कि सही समय पर निर्णय लेना भी उतना ही जरूरी होता है। इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए मल्टी टाइम फ्रेम विश्लेषण का उपयोग किया जाता है। इसमें किसी शेयर या इंडेक्स को अलग-अलग समय अवधि के चार्ट पर देखा जाता है, जिससे बाजार की वास्तविक स्थिति को बेहतर ढंग से समझा जा सके।

निवेशकों और ट्रेडरों के लिए उपयोगी

यह तकनीक निवेशकों और ट्रेडरों दोनों के लिए उपयोगी है। लॉन्ग-टर्म निवेशक वीकली और मंथली चार्ट से बाजार का रुझान समझते हैं, जबकि शॉर्ट-टर्म ट्रेडर इंट्राडे या स्विंग ट्रेडिंग के लिए छोटे टाइम फ्रेम का सहारा लेते हैं। यह भावनात्मक ट्रेडिंग को कम करता है। जब निर्णय केवल एक चार्ट पर आधारित नहीं होते, तो डर और लालच का असर कम होता है।

बड़े ट्रेंड की पहचान

मल्टी टाइम फ्रेम विश्लेषण का पहला लाभ यह है कि यह बड़े ट्रेंड की पहचान करने में मदद करता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई ट्रेडर केवल 5 मिनट के चार्ट को देखता है, तो उसे छोटे उतार-चढ़ाव ही नजर आते हैं। लेकिन जब वही शेयर डेली या वीकली चार्ट पर देखा जाता है, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि बाजार वास्तव में ऊपर जा रहा है या नीचे। इससे गलत दिशा में ट्रेड लेने की संभावना कम हो जाती है।

सही एंट्री और एग्जिट पॉइंट

मल्टी टाइम फ्रेम का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण पहलू है सही एंट्री और एग्जिट पॉइंट की पहचान करना। बड़े टाइम फ्रेम से ट्रेंड तय किया जाता है, जबकि छोटे टाइम फ्रेम से खरीदने या बेचने का सही समय चुना जाता है। इससे ट्रेड ज्यादा सुरक्षित और प्रभावी बनता है।

जोखिम प्रबंधन में भी सहायक

मल्टी टाइम फ्रेम विश्लेषण जोखिम प्रबंधन में भी सहायक होता है। जब अलग-अलग टाइम फ्रेम एक ही दिशा की पुष्टि करते हैं, तो ट्रेड में भरोसा बढ़ता है और स्टॉप लॉस सही जगह लगाया जा सकता है। इससे नुकसान सीमित रहता है।

सेबी की बैठक

गन्ने का मूल्य बकाया बढ़ने को लेकर सरकार चिंतित

चीनी के एमएसपी में बदलाव पर सक्रिय रूप से विचार कर रही सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

- इस्मा ने जनवरी के मध्य से बकाया में तेज वृद्धि की दी चेतावनी

खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने गुरुवार को कहा कि सरकार चीनी के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और अन्य राहत उपायों पर सक्रिय रूप से विचार कर रही है। इसका कारण उद्योग ने जनवरी के मध्य से गन्ने के बकाया में तेज वृद्धि की चेतावनी दी है।

भारतीय चीनी एवं जैव-इंधन विनिर्माता संघ (इस्मा) ने कहा कि गन्ने का बकाया बढ़ रहा है और 30 नवंबर तक महाराष्ट्र में यह 2,000 करोड़ रुपये था। मिलें अतिरिक्त स्टॉक, उत्पादन की उच्च लागत, एथनॉल के लिए कम आवंटन, घरेलू कीमतों में गिरावट और वैश्विक स्तर पर अधिक उत्पादन से नकदी संकट का सामना कर रही हैं। इस्मा की वार्षिक आम बैठक से अलग चोपड़ा ने कहा कि इस्मा ने हमें बताया कि गन्ने के बकाया से संबंधित समस्या जनवरी के मध्य से शुरू होगी। हम उस समय सीमा से अवगत हैं और इस पर काम कर रहे हैं। अगले एक महीने में, हम कुछ ऐसे फैसले लेंगे जो उद्योग की मदद करेंगे और किसानों को समय पर भुगतान भी सुनिश्चित करेंगे। सरकार सभी विकल्पों पर विचार कर रही है। इसमें एमएसपी में संशोधन, मौजूदा 15 लाख टन से अधिक निर्यात की अनुमति देना, और अधिक एथनॉल के लिए आवंटन जैसे उपाय शामिल हैं।

2025-26 में 3.43 करोड़ टन चीनी उत्पादन का अनुमान

देश का चीनी उत्पादन 2025-26 सत्र (अक्टूबर-सितंबर) में 3.43 करोड़ टन होने का अनुमान है, जो अधिक गन्ना उत्पादन के कारण होगा। चूंकि गन्ने या चीनी आधारित शीरे से एथनॉल का आवंटन केवल 28% रहा है, इसलिए 34 लाख टन चीनी को एथनॉल के लिए हस्तांतरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमने सोचा था कि यह अधिक होगा, लेकिन अब हमारे सामने ऐसी स्थिति है जहां यह केवल 34 लाख टन ही है। सरकार ने उद्योग की मदद के लिए पहले ही 15 लाख टन निर्यात की अनुमति दे दी है। हम इस बात से वाकिफ हैं कि अधिशेष स्टॉक जमा नहीं होना चाहिए। हम यह भी जानते हैं कि अगला चीनी सत्र और भी बेहतर है।

एक से 1.5 लाख टन चीनी निर्यात के अनुबंध

इस्मा के महानिदेशक दीपक बल्लानी ने कहा कि मौजूदा स्थिति वर्ष 2018-19 सत्र जैसी ही है जब गन्ने का बकाया 20,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। इससे सरकार को एमएसपी बढ़ाने और निर्यात पर सब्सिडी देने के लिए मजबूर होना पड़ा था। इस सत्र में अब तक उद्योग ने एक से 1.5 लाख टन चीनी निर्यात करने के लिए अनुबंध किए हैं।

अनुचित आवंटन से 725 करोड़ का हानि

नई दिल्ली। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने गुरुवार को विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) 2015-20 के तहत एमईआईएस एवं एसईआईएस योजनाओं के लाभों के अनुचित आवंटन पर वाणिज्य मंत्रालय और सीमा-शुल्क विभाग को फटकार लगाते हुए कहा कि इससे 724.96 करोड़ के राजस्व की हानि हुई। कैग की यह रिपोर्ट मार्च, 2023 तक की अवधि के लिए इन दोनों योजनाओं के कार्यान्वयन के ऑडिट पर आधारित है। एमईआईएस योजना भारत से निर्यात के लिए थी जबकि एसईआईएस सेवाओं के निर्यात से संबंधित थी। इनके बंद होने के बाद भी कई लाइसेंस जारी हुए, जिससे शुल्क क्रेडिट के रूप में सरकार को नुकसान उठाना पड़ा।

चांदी 1,800 रुपये चढ़कर सर्वकालिक उच्च स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- एक साल में हो चुकी है 1,17,100 रुपये यानी 129.4% तक की बढ़ोतरी

चांदी गुरुवार को 1,800 रुपये उछलकर 2,07,600 रुपये प्रति किग्रा के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। इसका कारण कारोबारियों की निरंतर खरीदारी है।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार चांदी बुधवार को 7,300 रुपये उछलकर दो लाख को पार कर 2,05,800 रुपये प्रति किग्रा पर बंद हुई थी। चांदी की कीमत इस साल एक जनवरी को 90,500 से 1,17,100 रुपये किलो यानी 129.4% बढ़ चुकी है। बाजार में 99.9% शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,36,500 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर) पर स्थिर रहा। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोना 13.16 डॉलर यानी 0.31 प्रतिशत घटकर 4,325.02 डॉलर प्रति औंस रह गया।

वर्ल्ड ब्रीफ

नेपाल : जेन जी प्रदर्शन की जांच के लिए एक महीने का मांगा विस्तार

काठमांडू। नेपाल में जेन जी के विरोध प्रदर्शनों से जुड़े घटनाक्रम की जांच के लिए गठित आयोग ने सरकार से अपना कार्यकाल एक माह बढ़ाने का अनुरोध किया है। आयोग ने कहा है कि बयान दर्ज करने की प्रक्रिया पूरी करने के लिए अतिरिक्त समय की जरूरत है। आयोग के अध्यक्ष गौरी बहादुर कार्की ने बताया कि बुधवार को प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के साथ हुई बैठक के दौरान आयोग के अधिकारियों ने समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया। सुशीला कार्की सरकार ने 21 सितंबर को इस आयोग का गठन कर तीन महीने की समय सीमा तय की थी, जो अगले सप्ताह समाप्त होने वाली है। हालांकि बयान दर्ज करने की प्रक्रिया अभी भी जारी है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री जिया की सेहत अब भी गंभीर

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के एक अस्पताल में पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की 80 वर्षीय अध्यक्ष जिया कई स्वास्थ्य समस्याओं के कारण 23 नवंबर से ढाका के एवरकेयर अस्पताल में उपचाराधीन हैं। बाद में उन्हें कोरोनरी केयर यूनिट (सीसीयू) में स्थानांतरित कर दिया गया था। जिया के निजी डॉक्टर एवं बीएनपी की नीति निर्धारण संबंधी स्थायी समिति के सदस्य जाहिद हुसैन ने पत्रकारों को बताया कि 11 दिसंबर को उनके फेफड़ों और अन्य महत्वपूर्ण अंगों को आराम देने के लिए जिया को ऐच्छिक वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया।

चीन की राजधानी में छाई धुंध, 215 पर पहुंचा एक्यूआई

बीजिंग। चीन की राजधानी बीजिंग में बृहस्पतिवार को धुंध छाई रही और एक्यूआई बढ़कर 215 पर पहुंच गया, जो बेहद अस्वास्थ्यकारी स्तर माना जाता है। बीजिंग में वर्षों तक हवा साफ करने के लिए अभियान चलाया गया, जिसके बाद प्रदूषण इतनी तेजी से बढ़ना दुर्लभ माना जा रहा है। चीन की राष्ट्रीय वेधशाला ने बुधवार को 'येलो अलर्ट' जारी करते हुए देश के कुछ हिस्सों में भारी धुंध फैलने का पूर्वानुमान जताया है। वेधशाला ने कहा कि हेबेई, बीजिंग, तियानजिन, हेनान, अनहुई, जियांग्सू, हुबेई, सिचुआन बेसिन और चोंगचिंग में बृहस्पतिवार को भारी धुंध छाई रहने का पूर्वानुमान है।

भारत ने ढाका में फिर शुरू किया वीजा केंद्र, दो अन्य केंद्र बंद किए

- भारत विरोधी प्रदर्शनकारियों की धमकी के मद्देनजर उठाया कदम

ढाका, एजेंसी

भारत ने बृहस्पतिवार को ढाका में अपने वीजा आवेदन केंद्र का संचालन फिर शुरू कर दिया। सुरक्षा संबंधी चिंताओं में वृद्धि के कारण एक दिन पहले इसे बंद कर दिया गया था। हालांकि, यही कारण बताते हुए अब बांग्लादेश के खुलना और राजशाही में स्थित इसी तरह के दो अन्य केंद्रों को बंद कर दिया गया है।

दक्षिण-पश्चिमी खुलना और उत्तर-पश्चिमी राजशाही में स्थित भारतीय वीजा आवेदन केंद्र (आईवीएसी) को सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण बंद कर दिया गया था। बांग्लादेश में पांच आईवीएसी केंद्र हैं। ढाका, खुलना और राजशाही के अलावा, अन्य दो केंद्र पूर्वोत्तर बंदरगाह शहर चटोग्राम और सिलहट में स्थित हैं। ढाका के जमुना फ्यूचर पार्क में स्थित आईवीएसी राजधानी में सभी भारतीय वीजा सेवाओं के लिए मुख्य एकीकृत केंद्र है।

भारत विरोधी प्रदर्शनकारियों के एक बड़े समूह के भारतीय उच्चायोग की ओर बढ़ने के बाद तनाव बढ़ने के मद्देनजर, आईवीएसी के ढाका केंद्र को बुधवार को अस्थायी रूप से बंद करने की घोषणा की गई थी। ढाका केंद्र ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि आईवीएसी ने बृहस्पतिवार को खुलना और राजशाही में स्थित अपने दोनों केंद्र बंद कर दिए हैं।

ऊर्जा क्षेत्र में भारत का बड़ा कदम

परमाणु ऊर्जा विधेयक

भारत सरकार की ओर से परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी और विदेशी भागीदारी की अनुमति देने के लिए लाए गए शांति विधेयक के जरिए स्वतंत्रता के बाद पहली बार निजी कंपनियों को परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण, स्वामित्व और संचालन की अनुमति दी जाएगी। निजी कंपनियां परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में 49% तक की हिस्सेदारी रख पाएंगी। नया कानून परमाणु ऊर्जा अधिनियम 1962 और सिविल लायबिलिटी फॉर न्यूक्लियर डैमेज एक्ट 2010 की जगह लेगा। विपक्ष की ओर से इस विधेयक को लेकर कई आशंकाएं जताने के साथ संवेदनशील क्षेत्र में निजी कॉर्पोरेट समूहों के लिए रास्ता खोलने का आरोप लगाया गया है, हालांकि दुनिया के कई देशों में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी की अनुमति है। यह अलग बात है कि इन देशों में नियामकीय व्यवस्था बेहद कठोर है।

क्या हैं विशेषताएं

- विधेयक का उद्देश्य भारत की परमाणु ऊर्जा क्षमता को वर्तमान 8 गीगावाट से बढ़ाकर 2047 तक 100 गीगावाट करना है।
- विदेशी निवेश आकर्षित करने को बड़े रिएक्टरों के लिए ऑपरेटर का दायित्व बढ़ाकर सप्लायर्स पर बोझ कम किया है।
- परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड को वैधानिक दर्जा दिया जाएगा, एक समर्पित परमाणु विवाद न्यायाधिकरण की स्थापना होगी।
- यूरेनियम खनन, परमाणु ईंधन संवर्धन और अपशिष्ट प्रबंधन जैसे संवेदनशील क्षेत्र पूरी तरह सरकारी नियंत्रण में रहेंगे।
- स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर्स के अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देता है, बजट 2025-26 में 20,000 करोड़ का प्रावधान।

पुराने कानून के प्रावधान

- मूल अधिनियम के तहत परमाणु ऊर्जा का उत्पादन और संचालन केवल केंद्र सरकार या उसकी सरकारी कंपनियों तक सीमित था।
- संशोधन ने एनपीसीआईएल को अन्य सार्वजनिक उपक्रमों के साथ संयुक्त उद्यम बनाने की अनुमति दी, पर निजी क्षेत्र को दूर रखा।
- सीएलएनडी एक्ट 2010 परमाणु घटना की स्थिति में ऑपरेटर (सरकारी कंपनी) पर 1500 करोड़ तक का 'नो-फॉल्ट' दायित्व डालता है।
- दुर्घटना की स्थिति में विदेशी या निजी आपूर्तिकर्ताओं से क्षतिपूर्ति मांगने का प्रावधान जो विदेशी निवेश के रास्ते में बड़ी बाधा रहा है।

विदेशी निवेश पर आशंका

- आलोचकों का कहना है कि विदेशी नियंत्रण से स्वदेशी परमाणु कार्यक्रम, रणनीतिक निर्णय लेने की स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है।
- विदेशी और निजी भागीदारी से संवेदनशील तकनीक और परमाणु सामग्री की सुरक्षा सुनिश्चित करने में जटिलता बढ़ सकती है।
- विदेशी कंपनियां स्थानीय हालात से अनभिज्ञ हो सकती हैं, एनपीसीआईएल जैसी पुरानी कंपनियों जैसा अनुभव उनके पास नहीं होगा।
- दुर्घटना होने पर विदेशी कंपनियां जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करती हैं तो पीड़ितों को मुआवजा दिलाने में पेच फंस सकते हैं।

निजी कॉरपोरेट समूह

- नए बदलावों के तहत अब निजी कंपनियां परमाणु संयंत्रों का निर्माण, स्वामित्व और संचालन कर सकेंगी।
- कंपनियां छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर जैसी आधुनिक तकनीकों में निवेश कर ऊर्जा पोर्टफोलियो बढ़ा सकेंगी।
- निजी ऑपरेटरों की देयता सीमित होगी, बड़े वित्तीय जोखिम सरकार या अंतरराष्ट्रीय फंडों पर साझा होंगे।
- भारतीय निजी समूह अब विदेशी तकनीक दिग्गजों के साथ सीधे रणनीतिक-तकनीकी सहयोग कर पाएंगे।

दूसरे देश

- अमेरिका में परमाणु संयंत्रों का स्वामित्व और संचालन निजी कंपनियों पर, हालांकि सख्त नियामक नियंत्रण।
- कनाडा-ब्रिटेन में भी निजी ऑपरेटरों को परमाणु संयंत्र चलाने की अनुमति दी गई है, फ्रांस में भी ऐसा कानून।

अमेरिका ताइवान को 10 अरब डॉलर के उन्नत हथियार बेचेगा, भड़का चीन

कहा- सफल नहीं होगी स्वतंत्र होने के लिए ताइवान की मदद की यह कोशिश

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने ताइवान को 10 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के हथियारों की बिक्री के एक विशाल पैकेज की घोषणा की है, जिसमें मध्यम दूरी की मिसाइलें, होवित्जर तोपें और ड्रोन शामिल हैं। अमेरिका के इस कदम का कड़ा विरोध करते हुए चीन ने आक्रोश जताया है। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि स्वतंत्र होने के लिए ताइवान की मदद करने की अमेरिका की यह कोशिश सफल नहीं होगी बल्कि उसे उल्टी पड़ेगी।

अमेरिकी विदेश विभाग ने बुधवार देर रात इन हथियार सौदों की घोषणा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित संबोधन के दौरान की। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि ये हथियार बिक्री प्राप्तकर्ता देश के सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के निरंतर प्रयासों का समर्थन और अमेरिका के राष्ट्रीय, आर्थिक और सुरक्षा हितों की पूर्ति करते हैं। चीन के विदेश मंत्रालय ने कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इससे चीन-अमेरिका के बीच हुए कूटनीतिक समझौतों का उल्लंघन होगा, चीन की संप्रभुता, सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता को गंभीर नुकसान पहुंचेगा। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा, 'ताइवान स्वतंत्रता' की ताकतें बल के जरिए स्वतंत्रता हासिल करना और पुनःएकीकरण का विरोध करना चाहती हैं। वे ताइवान को बारूद के ढेर में बदलने की कीमत पर जनता की मेहनत की कमाई को हथियार खरीदने में बर्बाद कर रहे हैं।

ताइवान का इस्तेमाल कर हमें रोक नहीं पाएंगे: चीन

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा, हथियारों के जरिए ताइवान स्वतंत्रता का समर्थन करना अंततः अमेरिका के लिए ही उल्टा साबित होगा। ताइवान का इस्तेमाल कर चीन को रोकने की कोशिश सफल नहीं होगी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को जारी एक बयान में हथियारों की बिक्री को लेकर अमेरिका के प्रति आभार व्यक्त किया। मंत्रालय ने कहा कि इससे ताइवान को पर्याप्त आत्मरक्षा क्षमताएं बनाए रखने में मदद मिलेगी और मजबूत प्रतिरोधक क्षमता हासिल होगी। बयान में कहा गया कि ताइवान का अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना क्षेत्रीय शांति और स्थिरता बनाए रखने की बुनियाद है।

यूक्रेन को भी यही हथियार दिए थे अमेरिका ने

आठ हथियार बिक्री समझौतों में 82 उच्च गतिशीलता वाली तोपखाना रॉकेट प्रणाली (हिमार्स) और 420 सैन्य सामरिक मिसाइल प्रणाली शामिल हैं। ये वही प्रणालियां हैं जैसी पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के दौरान अमेरिका ने रूस के खिलाफ आत्मरक्षा के लिए यूक्रेन को प्रदान की थीं। इनकी कुल कीमत चार अरब डॉलर से अधिक बताई गई है। इसके अलावा इस पैकेज में 60 स्वचालित होवित्जर प्रणालियां और उनसे जुड़े उपकरण भी शामिल हैं, जिनकी कीमत भी चार अरब डॉलर से अधिक है। साथ ही ड्रोन की बिक्री लगभग एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य की बताई गई है। अन्य सौदों में एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य का सैन्य सॉफ्टवेयर, 70 करोड़ डॉलर से अधिक के जैवेलिन और टीओडब्ल्यू मिसाइल, 9.6 करोड़ डॉलर के हेलीकॉप्टर के पुर्जे और हार्पून मिसाइलों के लिए 9.1 करोड़ डॉलर की नवीनीकरण किट शामिल हैं।

बेहाल दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में भीषण वायु प्रदूषण के बीच गुरुवार शाम धुंध की चादर छा जाने से सैकड़ों वाहन जाम में फंस गए। इस बीच गैर बीएस-6 वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लागू हो गया है जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने पूरे शहर में प्रवर्तन को तेज कर दिया है।

सीमा संघर्ष में अब तक 18 कंबोडियाई नागरिकों की मौत

नोम पेन्ह। कंबोडिया और थाईलैंड के बीच सीमा पर जारी झड़पों के बीच कंबोडिया के आंतरिक मंत्रालय के प्रवक्ता टच सोखक ने गुरुवार सुबह बताया कि बुधवार शाम 6 बजे तक संघर्ष में मारे गए कंबोडियाई नागरिकों की संख्या 18 तक पहुंच गई है और घायलों की संख्या 78 हो गई है।

सोखक ने कहा कि विस्थापितों की संख्या बढ़कर 1,44,066 परिवारों तक पहुंच गई है, जिसमें 4,76,179 व्यक्ति शामिल हैं। इनमें 2,40,000 से अधिक महिलाएं और लगभग 1,30,000 बच्चे हैं। कंबोडियाई रक्षा मंत्रालय की प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल माली सोचेता ने कहा कि बुधवार आधी रात से गुरुवार सुबह तक, थाई सैन्य बलों ने कंबोडियाई क्षेत्र में कई ठिकानों पर हमले किए। कंबोडिया-थाईलैंड सीमा विवाद सात दिसंबर से फिर से भड़क गया है।

राष्ट्र के नाम संदेश में ट्रंप ने किया अपना गुणगान

- अपनी आर्थिक और आव्रजन संबंधी उपलब्धियों की तारीफ की, महंगाई का दोष बाइडन पर मढ़ा

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साल के अंत में व्हाइट हाउस से राष्ट्र के नाम दिए गए संबोधन में आप्रवासन और आठ युद्ध रुकवाने में अपने प्रशासन की सफलताएं गिनाईं। उन्होंने आर्थिक और आव्रजन संबंधी अपने कई निर्णयों का उपलब्धियों के तौर पर उल्लेख किया और देश में कीमतें बढ़ने और अवैध आव्रजन का दोष अपने पूर्ववर्ती जो बाइडन पर मढ़ दिया।

ट्रंप ने बुधवार को राष्ट्र के नाम 19 मिनट के संबोधन में कहा, 11 महीने पहले, मैंने एक गड़बड़ी का पता लगाया, और मैं इसे ठीक कर रहा हूं। ट्रंप ने इस वर्ष जनवरी में अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के बाद से अपने प्रशासन की उपलब्धियां गिनाईं, जिसमें सीमा को सुरक्षित करना, विपरीत प्रवासन, महंगाई कम करना, संघर्षों को समाप्त करना, शुल्क का उपयोग करके देश के लिए अरबों डॉलर अर्जित करना, रोजगार सृजन को बढ़ावा देना और आप्रवासन पर कड़ी कार्रवाई करना शामिल है। उन्होंने कहा, मैंने अमेरिकी ताकत को पुनर्स्थापित किया, 10 महीने में आठ युद्ध समाप्त किए, ईरान के परमाणु खतरे को नष्ट किया और गाजा में युद्ध पर विराम लगाया, जिसके चलते 3,000 साल में पहली बार पश्चिम एशिया में शांति आई। मैंने मृत या जीवित अवस्था में बंधकों की रिहाई सुनिश्चित की।

भारत-नीदरलैंड रक्षा व उद्योग के क्षेत्र में बढ़ाएंगे साझेदारी

- दोनों देशों के बीच आशय पत्रों का आदान-प्रदान किया गया

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और नीदरलैंड ने रक्षा क्षेत्र में साझेदारी और रक्षा प्रौद्येगिकी तथा उद्योग के क्षेत्र में सहयोग बढाने के लिए गुरुवार को यहां आशय पत्रों का आदान-प्रदान किया। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और नीदरलैंड के विदेश मंत्री डेविड वैन वील मौजूद थे।

सिंह ने यहां वैन के साथ वार्ता की और दोनों देशों के बीच मजबूत तथा बढ़ती रक्षा साझेदारी की पुष्टि की। दोनों मंत्रियों ने रक्षा उपकरणों के सह-विकास और सह-उत्पादन के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों सहित कई द्विपक्षीय सुरक्षा और रक्षा मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने रणनीतिक साझेदारी के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में रक्षा सहयोग विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए सैन्य-से-सैन्य सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। बातचीत के दौरान दोनों देशों ने स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम-आधारित हिन्द प्रशांत क्षेत्र के प्रति साझा प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। मंत्रियों ने घनिष्ठ रक्षा साझेदारी और दोनों देशों के रक्षा उद्योगों को खासकर विशिष्ट प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में जोड़ने की जरूरत पर जोर दिया।

दोनों मंत्रियों की उपस्थिति में रक्षा सचिव राजेश सिंह और भारत में नीदरलैंड की राजदूत मारिसा गेराड्र्स ने रक्षा सहयोग पर आशय पत्र का आदान-प्रदान किया। दोनों देशों ने प्रौद्योगिकी सहयोग, प्लेटफॉर्म और उपकरणों के सह-उत्पादन तथा सह-विकास के लिए रक्षा औद्योगिक रोडमैप विकसित करके पहचाने गए क्षेत्रों में रक्षा सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने का इरादा जताया।

एपस्टीन विवाद से सुर्खियों में आए बोंगिनो देंगे इस्तीफा

वाशिंगटन। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के उप निदेशक डैन बोंगिनो ने बुधवार को कहा कि वह अगले महीने इस्तीफा दे देंगे, जिससे उनका छोटा लेकिन उथलपुथल भरा कार्यकाल समाप्त हो जाएगा।

उनके कार्यकाल के दौरान अमेरिकी निवेशक एंव यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन की फाइलों को लेकर न्याय विभाग के साथ उनका टकराव हुआ। बोंगिनो के इस्तीफे की पहले से ही उम्मीद थी और उनका इस्तीफा ट्रंप प्रशासन के सबसे चर्चित इस्तीफों में से एक होगा। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब एफबीआई नेतृत्व को निदेशक काश पटेल द्वारा सरकारी विमान का निजी इस्तेमाल करने और सक्रिय जांच के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट करने को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। एफबीआई में दूसरे महत्वपूर्ण पद के लिए बोंगिनो का चयन हमेशा से ही अपरंपरागत रहा है।

छत्तीसगढ़ में बीएसएफ के जवान ने गोली मारकर की आत्महत्या

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में बीएसएफ के एक जवान ने होरादी कैंप में आत्महत्या कर ली। मृतक जवान की पहचान कांस्टेबल सचिन कुमार के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के सिंगोली गांव के निवासी थे।

जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से गुरुवार को मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना होरादी कैंप परिसर में घटित हुई। गोली चलने की आवाज सुनते ही अन्य जवान मौके पर पहुंचे, जहां सचिन कुमार को गंभीर अवस्था में पाया गया। अधिकारियों को सूचना दी गई लेकिन तब तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी। घटना से पूरे कैंप में शोक और स्तब्धता का माहौल है।

एआई सबसे बड़ा खतरा दफ्तर की नौकरियों के लिए

नई दिल्ली, एजेंसी

- फिक्की के एआई इंडिया सम्मेलन में बोले सूचना प्रौद्योगिकी सचिव

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस कृष्णन ने बृहस्पतिवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) से कार्योलयों में काम करने वालों की नौकरियों को सबसे अधिक खतरा है। उद्योग मंडल फिक्की के 'एआई इंडिया' सम्मेलन में कृष्णन ने कहा कि चूंकि एआई अब सीधे तौर पर सोच-विचार कर किए जाने वाले और विश्लेषण से जुड़े कार्यों को चुनौती दे रहा है, इसलिए कार्योलयों में काम करने वाली कर्मचारियों की नौकरी पर सबसे अधिक खतरा मंडरा रहा है।

सूचना प्रौद्योगिकी सचिव ने कहा, पिछली औद्योगिक क्रांतियों को देखें तो उनमें अधिकतर बदलाव शारीरिक और लोगों द्वारा किए जाने वाले काम को स्वचालित करने के थे। पहली बार एआई सोचसमझकर किए जाने वाले काम की जगह ले रहा है। इसलिए जो लोग सोच-विचार से जुड़े या विश्लेषण से जुड़े काम करते हैं उन्हीं की नौकरी पर सबसे अधिक खतरा है।

उन्होंने तर्क दिया कि कौशल विकास के माध्यम से नए रोजगार के अवसर उत्पन्न करने की क्षमता, वर्तमान में नौकरियों को हो रहे नुकसान कहीं अधिक है। सचिव ने कहा, कई कंपनियों के लिए तात्कालिक प्रलोभन यह हो सकता है कि वे शुरुआती सफलताओं पर ध्यान दें और भविष्य में आने वाली दीर्घकालिक समस्याओं को भूल जाएं लेकिन सरकार के रूप में हम इस मामले के दोनों पहलुओं को लेकर चिंतित हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 19 दिसंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, अमावस्या पूर्ण रात्रि तक।

आज का पंचांग

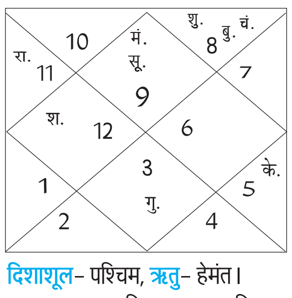

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-ज्येष्ठा 22.51 तक तत्पश्चात मूल।

मेष — आज थकान की वजह से आप अपने कार्यों में अधिक ध्यान नहीं दे पाएंगे। धन से जुड़े मामलों में लापरवाही करना उचित नहीं है। अनावश्यक खर्चों को लेकर परेशान हो सकते हैं। अपने आसपास के लोगों से सावधान रहें।

वृष — आज दिन का शुरुआती भाग अत्यंत शुभ रहेगा। बुरी नीयत वाले लोगों से सावधान रहें। विद्युत उपकरणों का प्रयोग सावधानी से करें। जिस किसी बात से आप प्रसन्न होंगे, उसी बात पर आपको दुखी होना पड़ेगा।

मिथुन — आज दिन अत्यंत शुभ एवं उत्साहवर्धक रहेगा। आय के नए स्रोत विकसित हो सकते हैं। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। अपने काम दूसरों पर डालने से बचें। अविवाहितों के विवाह संबंधी बात आगे बढ़ सकती है।

कर्क — आज व्यापार में अपेक्षा से अधिक लाभ होगा। लोग आपके विचारों से सहमत होंगे। अपने खर्चों पर धीरे-धीरे नियंत्रण पा लेंगे। प्रेमी जन के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। उच्चाधिकारी आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेंगे।

सिंह — आज व्यर्थ की बातों पर ज्यादा समय बर्बाद न करें। प्रशासन से जुड़े लोगों के लिए दिन कुछ उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। आपके स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। धैर्य और संयम के साथ काम करें। किसी पर भी आवश्यकता से अधिक विश्वास न करें।

कन्या — आज आपकी व्यवहार कुशलता की प्रशंसा होगी। अपने काम का विस्तार करने का विचार बनाएंगे। आप किसी सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों को बड़ी व्यापारिक डील मिल सकती है।

तुला — आज अधिकारी वर्ग की आज्ञा का उल्लंघन न करें। सामाजिक सम्मान में वृद्धि होगी। शाम को तनाव से राहत मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में सहकर्मी आपके साथ दुर्व्यवहार कर सकते हैं। नए कार्यों की शुरुआत करना उचित नहीं है।

वृश्चिक — आज आपको नई जॉब ऑफर हो सकती है। कड़ी मेहनत का उत्तम परिणाम मिलेगा। छोटी-मोटी गलतियों को सुधारने का प्रयास करें। अपनी प्रतिभा को विकसित करने में सफल रहेंगे। सम्मानित लोगों के बीच आपकी पैठ मजबूत होगी।

धनु — आज अपने प्रतिद्वंद्वियों को हल्के में न लें। आपका मन उदास हो सकता है। व्यवसाय में अपेक्षित परिणाम न मिलने के कारण कुछ बदलाव को लेकर सोच सकते हैं। विवाहेतर संबंधों से दूर रहें। परिवार व समाज में प्रतिष्ठा की चिंता रहेगी।

मकर — आज धार्मिक कार्यों में आप भाग लेंगे। आपकी एकाग्रता में वृद्धि होगी। रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। व्यापार में नए अनुबंध होने की संभावना बन रही है। सभी तरफ से शुभ समाचार मिलेंगे। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

कुंभ — आज आय के साधनों में वृद्धि होगी। परिजनों के साथ अपने मन की बातें शेयर करेंगे। बच्चों के साथ पिकनिक की योजना बना सकते हैं। विवाह योग्य लोगों को उत्तम प्रस्ताव मिलेंगे। अपनी कार्यशैली से संतुष्ट रहेंगे। प्रेम संबंधों में नजदीकी बढ़ेगी।

मीन — आज आपके सद्गुणों की लोग प्रशंसा करेंगे। घर की बातें बाहर वालों से शेयर न करें। होटल व्यवसाय से जुड़े लोगों को उत्तम धन लाभ होगा। उच्च शिक्षा में सफलता मिलेगी। गुरुजनों से चर्चा और विचार-विमर्श करके नया काम शुरू करें।

सुडोकू -6

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	3				2	9		
7		8			3			
	1		7		4		5	3
2				6	1		3	
	5						1	
	4		2	8				7
3	2		9		8		6	
			5			2		1
		4	1				8	

सुडोकू - 5 का हल

4	8	5	6	3	9	7	1	2
3	6	9	2	7	1	5	8	4
2	1	7	8	4	5	6	9	3
1	7	3	4	9	6	2	5	8
6	5	8	3	1	2	4	7	9
9	2	4	5	8	7	1	3	6
7	4	2	9	5	8	3	6	1
8	3	1	7	6	4	9	2	5
5	9	6	1	2	3	8	4	7

> जसप्रीत बुमराह बेमिसाल मैच विजेता हैं व उनके कार्यभार का प्रबंध करना बेहद जरूरी है। तेज गेंदबाजी शायद इस खेल का सबसे मुश्किल कौशल है और बुमराह इसे बेहद तेज गति से और चुनौतीपूर्ण एक्शन के साथ करते हैं। उम्मीद है कि वह विश्व कप तक निरंतरता बनाए रखेंगे।
>
> -रॉबिन उथप्पा

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

बरेली, शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025

हाईलाइट

आईपीएल सत्र के लिए उपलब्ध नहीं होंगे जॉश इंग्लिस

सिडनी। अप्रैल में शादी करने जा रहे लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर जॉश इंग्लिस 26 मार्च से 31 मई तक खेले जाने वाले टूर्नामेंट इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के पूरे सत्र में उपलब्ध नहीं रहेंगे। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की छोटी नीलामी में लखनऊ सुपर जायंट्स ने जॉश इंग्लिस को 8.6 करोड़ रूपये में खरीदा था। इंग्लिस ने बताया कि वह अप्रैल में शादी करने जा रहे हैं। इंग्लिस ने एबीसी स्पोर्ट से कहा मैंने आईपीएल नीलामी देखी और मेरी बारी देर से आई। मैं इस साल पूरे सीजन उपलब्ध नहीं रह पाऊंगा। मैं अप्रैल की शुरुआत में शादी करने जा रहा हूं। सच कहूं तो मुझे उम्मीद नहीं थी कि मुझे खरीदा जाएगा।

चोटरानी व सूरज की जीत के साथ शुरुआत

मुंबई। शीर्ष वरीय वीर चोटरानी और दूसरे वरीय सूरज चंद ने बृहस्पतिवार को यहां सीसीआई वेस्टर्न इंडिया स्क्वाश टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। खिताब के प्रबल दावेदार चोटरानी ने अयान खान को 11-1, 11-1, 11-1 से हराकर राउंड ऑफ 32 में जगह बनाई। सूरज ने अजिंक्य पाटिल को 11-4, 11-4, 11-3 से हराया। लड़कों के अंडर-15 वर्ग में दूसरे वरीय यूसुफ पारदीवाला ने अर्जुन पारसरामपुरिया को 11-3, 11-7, 11-7 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई।

अल्काराज ने कोच फेरेरो से नाता तोड़ा

मैड्रिड। दुनिया के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने अपने कोच जुआन कार्लोस फेरेरो के साथ चली आ रही सात साल की साझेदारी को समाप्त कर दिया है। नये साल की शुरुआत से सैमुअल लोपेज, अल्काराज के नये कोच होंगे। 22 साल के स्पेनिश खिलाड़ी ने फेरेरो के साथ तब काम करना शुरू किया था जब वह 15 साल के थे। फेरेरो के मार्गदर्शन में वह रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे और कुल छह ग्रैंड स्लैम खिताब और 22 टूर्नामेंट जीते।

बाडोसा के प्रदर्शन से ईगल्स जीता

बेंगलुरु : सुमित नागल और पाउला बाडोसा के शानदार प्रदर्शन से ईगल्स ने बृहस्पतिवार को यहां काइट्स को हराकर विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) में फाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाए। नागल ने बेहद कड़े मुकाबले में दक्षिणेश्वर सुरेश को 40 मिनट में 7-6 से हराकर ईगल्स को विजयी शुरुआत दिलाई। बाडोसा ने महिला एकल के एकतरफा मुकाबले में मार्टा कोस्त्युक को 6-1 से शिकस्त दी। बाडोसा ने इसके बाद गेल मोनफिल्स के साथ मिलकर दक्षिणेश्वर और कोस्त्युक की जोड़ी को 6-3 से हराया।

शृंखला जीतने उतरेगा भारत सूर्यकुमार पर होगी निगाह

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांचवां व अंतिम टी-20 मैच आज शाम 7 बजे से

कप्तान सूर्यकुमार यादव।

अहमदाबाद, एजेंसी

चयन को लेकर उठे सवालों और कुछ कमजोरियों के उजागर होने के बीच भारत शुक्रवार को यहां होने वाले पांचवें और अंतिम टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत दर्ज करके दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चुनौतीपूर्ण शृंखला का सकारात्मक अंत करने की कोशिश करेगा।

अहमदाबाद में सरदार वल्लभभाई पटेल एयरपोर्ट पर पहुंचे पर दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक (मध्य) व टीम के अन्य सदस्य।

टेस्ट शृंखला में 0-2 से हारने के बाद भारत ने शानदार वापसी करते हुए वनडे शृंखला जीती। अब उसने टी20 शृंखला में 2-1 की अजेय बढ़त बना ली है, क्योंकि बुधवार को लखनऊ में खराब मौसम के कारण चौथा मैच रद्द कर दिया गया था।

यह सुनिश्चित है कि भारत अब इस शृंखला को हार नहीं सकता है जो मुख्य कोच गौतम गंभीर के लिए राहत की बात होनी चाहिए क्योंकि टीम के दो प्रमुख खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव तथा टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं। कुछ समय पहले तक विश्व के नंबर एक खिलाड़ी रहे सूर्यकुमार की फॉर्म भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय है। उन्होंने टी20 में इस साल 20 मैचों में 18 पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं बनाया। इस दौरान उन्होंने 14.20 के औसत से 213 रन बनाए।

गिल का छोटे प्रारूप में नहीं चल पाना भी भारत के लिए अगले साल के शुरू में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले चिंता का विषय होगा। वह पिछले मैच में अभ्यास के दौरान चोटिल हो गए थे जिससे उनका अंतिम मैच में खेलना संदिग्ध है। भारतीय टीम किसी तरह का जोखिम लेना उचित नहीं समझेगी क्योंकि उसके पास शीर्ष क्रम में संजू सैमसन के रूप में एक अच्छा विकल्प मौजूद है। सैमसन निचले क्रम में बल्लेबाजी के लिए कभी भी सही विकल्प नहीं थे। उन्होंने सलामी बल्लेबाज के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि मध्यक्रम में वह अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उन्होंने अपने तीनों टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक शीर्ष क्रम पर खेलते हुए बनाए हैं।

अंतिम मैच में गिल की अनुपलब्धता की स्थिति में मौका मिलने पर केरल का यह विकेटकीपर-बल्लेबाज इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेगा। इसके अलावा भारतीय टीम संतुलित नजर आती है, क्योंकि दोनों ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे अब तक खेले गए तीनों मैचों में अंतिम एकादश में शामिल रहे हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण में अर्शदीप सिंह अपनी लय में आ रहे हैं जबकि हर्षित राणा ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। इस बीच निजी कारणों से तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में नहीं खेल पाने वाले जसप्रीत बुमराह चौथे मैच से पहले टीम से जुड़ गए हैं। यहां की पिच बल्लेबाजी के लिए अनुकूल मानी जाती है जो इस शृंखला में भारत के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती (छह विकेट) के लिए चुनौती पेश करेगी। जहां तक दक्षिण अफ्रीका का सवाल है तो उसके बल्लेबाजों का प्रदर्शन उतार चढ़ाव वाला रहा है। अगर उसे शृंखला बराबर करनी है तो उसके बल्लेबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

दक्षिण अफ्रीका की टीम रीजा हेंड्रिक्स की जगह एडेन मार्क्रम को शीर्ष क्रम में वापस लाने पर विचार कर सकती है। रीजा हेंड्रिक्स इस दौरे पर अपनी लय हासिल नहीं कर पाए हैं। दक्षिण अफ्रीका को इसके अलावा युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी जो अभी तक अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे हैं। दक्षिण अफ्रीका को मार्को यानसन की आक्रामक पारियों की कमी भी खली है, लेकिन लुंगी एनगिडी और ओटनेल बार्टमैन ने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है।

चोटिल शुभमन गिल भी पहुंचे अहमदाबाद

अहमदाबाद : शुभमन गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांचवें और आखिरी टी20 मैच के लिए यहां पहुंच गए हैं हालांकि चौथे मैच से पहले लगी चोट के कारण उनका खेलना संदिग्ध माना जा रहा है। गिल का नेट्स पर लगी चोट के कारण लखनऊ में चौथे टी20 से बाहर होना तय था लेकिन खराब मौसम के कारण मैच ही रद्द हो गया। यह देखना होगा कि खराब फॉर्म से जूझ रहे गिल शुक्रवार को चौथे मैच के लिये उपलब्ध होंगे या नहीं या उनकी जगह संजू सैमसन को उतारा जायेगा। गिल इससे पहले गर्दन की चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी अधिकांश समय बाहर रहे थे।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, शाहबाज अहमद, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्क्रम (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), रीजा हेंड्रिक्स, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, कॉर्बिन बॉश, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसन, जॉर्ज लिंडे, ओटनील बार्टमैन, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्किया, लूथो सिपाम्ला।

गंभीर कोच नहीं, मैनेजर हैं : कपिल

कोलकाता, एजेंसी

भारत के पहले विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव ने गौतम गंभीर के काम करने के तरीके को लेकर हो रही आलोचनाओं के बीच गुरुवार को कहा कि आज के समय में मुख्य कोच की भूमिका खिलाड़ियों को असल में कोचिंग देने से अधिक उनका 'प्रबंधन' करने की है। दक्षिण अफ्रीका से टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार के बाद गंभीर भारत के मुख्य कोच के तौर पर आलोचनाओं के घेरे में आ गए हैं और खिलाड़ियों को लगातार रोटेट करने और कामचलाऊ खिलाड़ियों पर निर्भर रहने की उनकी रणनीति की आलोचना हुई है। कपिल ने कहा कि समकालीन क्रिकेट में 'कोच' शब्द को अक्सर गलत समझा जाता है।

कपिल ने इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स आईसीसी शताब्दी सत्र में कहा आज वह शब्द जिसे कोच कहते हैं... 'कोच' आज बहुत आम शब्द है। गौतम गंभीर कोच नहीं हो सकते। वह टीम के मैनेजर हो सकते हैं। उन्होंने कहा जब आप कोच कहते हैं तो कोच वह होता है जिससे मैं स्कूल और कॉलेज में सीखता हूं। वे लोग मेरे कोच थे। वे मुझे मैनेज कर सकते हैं। कपिल ने कहा आप कोच कैसे हो सकते हैं। गौतम लेग स्पिनर या विकेटकीपर के कोच कैसे हो सकते हैं? उन्होंने कहा मुझे लगता है कि आपको मैनेज करना होगा। यह अधिक महत्वपूर्ण है। एक मैनेजर के तौर पर आप उन्हें प्रोत्साहन देते हैं कि आप यह कर सकते हैं क्योंकि जब आप मैनेजर बनते हैं तो युवा लड़के आप पर भरोसा करते हैं। कपिल ने कहा कि अगर सुनील गावस्कर इस दौर में खेलते तो वह सर्वश्रेष्ठ टी20 बल्लेबाज होते। मुझे क्रिकेट में सब कुछ पसंद है - टी20, टी10, वनडे, सब कुछ। मैं हमेशा एक बात और कहता हूं। मैंने कहा कि अगर सुनील गावस्कर इस दौर में खेलते तो वह टी20 में भी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी होते। कपिल ने कहा जिन लोगों का डिफेंस मज़बूत होता है उनके लिए हिटिंग करना बहुत आसान होता है। डिफेंस मुश्किल होता है। मैंने हमेशा कहा है कि उस इंसान को याद रखें जिसका डिफेंस शानदार है, वह हमेशा आक्रामक होकर खेल सकता है क्योंकि उसके पास उतना अतिरिक्त समय होता है।

कोलकाता में आईसीसी शताब्दी सत्र के दौरान कपिल देव को सम्मानित किया गया।

> विश्व कप पर 'इंडिया' लिखा हुआ देखकर एक अजीब सी भावना थी... क्योंकि हर बार जब आप फाइनल खेलने के लिए क्वालीफाई करते हैं तो फोटो शूट होता है, आप ट्रॉफी के बगल में होते हैं और आप सिर्फ ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड को देखते हैं। मैं दो बार वहां थी। मुझे वह फोटो शूट करने का मौका मिला और हर बार ऐसा लगता था कि कब हमें वहां 'इंडिया' मिलेगा और आखिरकार हमें मिल गया।
>
> -मिताली राज

चौथा टी-20 रद्द होने के बाद यूपीसीए टिकट के पैसे वापस करेगा

लखनऊ : उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चौथा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच कोहरे के कारण रद्द होने के बाद दर्शकों को टिकट के पूरे पैसे वापस किए जाएंगे।

यह मैच शाम सात बजे से खेला जाना था लेकिन बुधवार को घने कोहरे की वजह से दृश्यता कम होने के कारण इकाना स्टेडियम में छठे निरीक्षण के बाद आखिरकार रात साढ़े नौ बजे इसे रद्द कर दिया गया।

यूपीसीए सचिव प्रेम मनोहर गुप्ता ने बयान में कहा जिन दर्शकों ने ऑनलाइन टिकट बुक किए थे उन्हें उनके भुगतान के वास्तविक तरीके से टिकट की रकम वापस मिल जाएगी। उन्होंने कहा रिफंड से जुड़े नोटिफिकेशन पंजीकृत ईमेल एड्रेस पर भेजे जाएंगे। टिकट धारकों को सलाह दी जाती है कि वे आगे के अपडेट के लिए नियमित रूप से अपने ईमेल चेक करते रहें। जिन लोगों ने ऑफलाइन टिकट खरीदे थे वे 20, 21 और 22 दिसंबर को सुबह 11 बजे से शाम छह बजे के बीच इकाना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के गेट नंबर दो पर बॉक्स ऑफिस से अपने पैसे वापस ले सकते हैं।

जीत की खुशी

बैंकॉक में साउथईस्ट एशियन गेम्स में गुरुवार को टेनिस के महिला फाइनल में थाईलैंड की एम. सवांगकाव को हराने के बाद जश्न मनातीं फिलीपींस की एला एलेक्जेंड्रा। ● एजेंसी

सात्विक-चिराग दूसरी जीत से ग्रुप में शीर्ष पर

बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स

हांगझू, एजेंसी

पूर्व विश्व नंबर एक सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की दिग्गज भारतीय जोड़ी ने यहां बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स 2025 में अपना विजय अभियान जारी रखा और गुरुवार को इंडोनेशियाई टीम को तीन गेमों में हराकर लगातार दूसरी जीत से ग्रुप बी में सर्वोच्च स्थान हासिल कर लिया।

हांगझू ओलम्पिक स्पोर्ट्स सेंटर जिम्नेजियम के कोर्ट दो पर तीसरी सीड लेकर उतरे सात्विक-चिराग ने एक घंटे तक खिंचे संघर्ष में विश्व नंबर आठ फजर अल्फियान व मुहम्मद शोहीबुल फिकरी को 21-11, 16-21, 21-11 से शिकस्त दी। विश्व नंबर तीन भारतीय टीम ने 24 घंटे पहले ग्रुप के अपने पहले मैच में लियांग वेइ केंग व वैंग चैंग की ओलम्पिक रजत पदक विजेता चीनी जोड़ी को तीन गेमों चले कड़े मुकाबले में हराकर अपने अभियान की शुरुआत की थी।

इंग्लैंड की टीम फिर मुश्किल में 213 रनों पर गंवाए 8 विकेट

एडिलेड टेस्ट

● नेथन लियोन ने रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन कर मैकग्रा को पीछे छोड़ा

एडिलेड, एजेंसी

नेथन लियोन के रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन और इस मैच में वापसी करने वाले कप्तान पैट कमिंस की शानदार गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन गुरुवार को यहां अपना पलड़ा भारी रखा। इंग्लैंड ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में आठ विकेट पर 213 रन बनाए हैं और वह ऑस्ट्रेलिया से 158 रन पीछे है। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 371 रन बनाए थे।

इंग्लैंड का दारोमदार कप्तान बेन स्टोक्स पर टिका है जो 151 गेंद पर 45 रन बनाकर खेल रहे हैं। उनके साथ दूसरे छोर पर खड़े जोफ्रा आर्चर ने 30 रन बनाए हैं। इंग्लैंड का स्कोर एक समय आठ विकेट पर 168 रन था और लग रहा था कि उसकी पहली पारी दूसरे दिन ही समाप्त हो जाएगी लेकिन स्टोक्स और आर्चर दिन के अंतिम 14 ओवर में कोई विकेट नहीं गिरने दिया। इन दोनों ने अभी तक नौवें विकेट के लिए 45 रन जोड़े हैं। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने सुबह अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 326 रन से आगे बढ़ाई। आर्चर (53 रन देकर पांच विकेट) ने मिचेल स्टार्क (54 रन) को बोल्ड और लियोन (09) को पगबाधा आउट करके पारी में पांच विकेट पूरे किए। स्कॉट बोलैंड 21 गेंदों पर 14 रन बनाकर नाबाद रहे। लियोन ने अपने पहले ही ओवर में दो विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी सूची में मैकग्रा को पीछे छोड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया। उन्होंने अब तक 51 रन देकर दो विकेट लिए हैं। कमिंस ने 54 रन देकर तीन जबकि बोलैंड ने 31 रन देकर दो विकेट लिए हैं।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स। एजेंसी

घोषणा

फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने की बढ़ोत्तरी, अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में 11 जून से 19 जुलाई तक होगा टूर्नामेंट

विश्व कप विजेता को मिलेगी 5 करोड़ डॉलर की पुरस्कार राशि

मैनचेस्टर, एजेंसी

विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने घोषणा की कि 2026 में होने वाले विश्व कप के विजेता को 655 मिलियन डॉलर की कुल पुरस्कार राशि में से 50 मिलियन डॉलर (पांच करोड डॉलर) मिलेंगे। अर्जेंटीना को 2022 में चैंपियन बनने पर 42 मिलियन डॉलर और फ्रांस को 2018 में विश्व कप जीतने पर 38 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि मिली थी जिसमें इस बार बढ़ोतरी तो हुई है, लेकिन यह राशि इस साल अपेक्षाकृत कम चर्चित क्लब विश्व कप जीतने के लिए चेल्सी को मिली पुरस्कार राशि से आधे से भी कम है।

क्लब विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि एक अरब डॉलर थी। चेल्सी को चैंपियन बनने पर 125 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि मिली थी। अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में 11 जून से 19 जुलाई तक होने वाले विश्व कप के लिए कुल पुरस्कार राशि कतर में 2022 में आयोजित किए गए टूर्नामेंट के लिए निर्धारित 440 मिलियन डॉलर की तुलना में 48.9 प्रतिशत अधिक है। विश्व कप 2026 की कुल पुरस्कार राशि ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में 2023 में खेले गए महिला विश्व कप की 110 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि से लगभग छह गुना अधिक होगी।

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने अगले विश्व कप में पुरुष और महिला खिलाड़ियों के लिए समान पुरस्कार राशि का लक्ष्य निर्धारित किया है। अगला महिला विश्व कप 2027 में ब्राजील में होगा। विश्व कप 2026 में कुल 48 टीम भाग लेंगी। ग्रुप चरण में बाहर होने वाली टीमों को नौ मिलियन डॉलर, अगले दौर में पहुंचने वाली टीमों को 11 मिलियन डॉलर और राउंड ऑफ़ 16 में पहुंचने वाली टीमों को 15 मिलियन डॉलर मिलेंगे।

क्वार्टरफाइनल में पहुंचने वाली टीमों को 19 मिलियन डॉलर, चौथे स्थान पर रहने वाली टीम को 27 मिलियन डॉलर, तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 29 मिलियन डॉलर और फाइनल में हारने वाली टीम को 33 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी।

राज्यसभा में उठा भारतीय फुटबॉल के भविष्य का मुद्दा

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल के भविष्य का मुद्दा गुरुवार को गुरुवार को राज्यसभा में भी उठाया गया तथा कांग्रेस के जोस के मणि ने कुराकाओ जैसे छोटा देश के विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का हवाला देते हुए खेल मंत्री मनसुख मांडविया से इस खेल के लिए सरकार की दीर्घकालिक योजना के बारे में पूछा। भारत में फुटबॉल का स्तर लगातार गिर रहा है तथा व्यावसायिक साझेदार नहीं मिलने के कारण इस साल अभी तक घरेलू सत्र भी शुरू नहीं हो पाया है। केरल का प्रतिनिधित्व करने वाले मणि ने पूछा कि क्या सरकार ने इस बात पर गौर किया है कि 158000 की आबादी वाले कुराकाओ ने हाल ही में अगले साल होने वाले फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या सरकार के पास ऐसी कोई दीर्घकालिक योजनाएं हैं जिससे भारत को विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में मदद मिले। उन्होंने जानना चाहा कि देश में फुटबॉल प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए जमीनी स्तर पर क्या कदम उठाए गए हैं। मांडविया ने कुराकाओ का जिक्र किए बिना जवाब दिया विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना फुटबॉल की विश्व में सर्वोच्च संस्था फीफा द्वारा निर्धारित मानदंडों पर आधारित है। विश्व कप या विश्व चैंपियनशिप में भागीदारी के लिए कदम उठाने सहित किसी विशिष्ट खेल के विकास की जिम्मेदारी संबंधित राष्ट्रीय खेल महासंघ की होती है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ को देश में फुटबॉल खेल को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल महासंघ के रूप में मान्यता दी है।